RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 April, 2023

अंक – 10 (मासिक) वर्ष – 18 अप्रैल, 2023 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

गरिमामय गणगौर

हँसते रहो सुबहो–शाम

हास्य सम्राट

आर.डी. बाहेती

परिश्रम और प्रेम के गाँधी

रमेश गाँधी

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2023
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-10 ▸▸ अप्रैल 2023 ▸▸ वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
अनिता जावंधिया, बनखेड़ी (म.प्र.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

हनुमानजी का जीवन-सूत्र

महाभारत में वनवासकाल में भीम की हनुमानजी से भेंट की कथा वनपर्व के तीर्थयात्रा पर्व में छह अध्यायों में अभिव्यक्त हुई है। द्रौपदी के लिए कुबेर के सौगन्धिक वन में कमल के फूल लेने के लिए जब भीम पहुँचे तो मार्ग में कदलीवन पड़ा, जहाँ चिरंजीवी हनुमानजी के साथ भीम का आत्मीय संवाद हुआ। इस संवाद में हनुमानजी ने भीम की भावना के अनुरूप श्रीराम कथा सुनाई और अपना विराट रूप भी दिखाया। इतना ही नहीं, कौरवों से भावी महायुद्ध में पांडवों की सहायता का वचन भी दिया। लेकिन इनमें सबसे कीमती हनुमानजी के भीम को दिए धर्म अर्थात् कर्तव्य सम्बन्धी वे उपदेश हैं, जो मनुष्य मात्र के लिए सर्वदा अनुकरणीय है।

ध्यान रहे भीम को अपने बल का बड़ा अभिमान था। इस कथा में उसने हनुमानजी तक के समक्ष अपने बल का दम्भ भरा था और हनुमानजी ने उसका गर्वभङ्ग कर शिक्षा दी थी कि मनुष्य को कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए।

उन्होंने भीम को यह तक कहा कि यदि तुम कुबेर के वन में फूल लेने जा रहे हो तो तत्काल फूल लेने न लगना। वह देवताओं का वन है, अतः वहाँ विनम्र रहना। इसीलिए कि देवता नमस्कार और भक्तिभाव से प्रसन्न होकर कृपा करते हैं, अभिमान से नहीं।

हनुमानजी ने कहा था, 'मा तात साहसं कार्षीः स्वधर्मे परिपालय। स्वधर्मस्थः परं धर्मे बुध्यस्व गमयस्व च।।' अर्थात् हे तात! तुम दुस्साहस न करना बल्कि अपने धर्म का पालन करना। स्वधर्म में स्थित रहकर तुम श्रेष्ठ धर्म को समझो और उसका पालन करो।

साधो! महावीर हनुमानजी के श्रीमुख से व्यक्त इस श्लोक के एक-एक शब्द में मानो हज़ार-हज़ार धर्मग्रंथों का सार निहित है। पहला कि मनुष्य को धन, बल, ज्ञान आदि के अहंकार में पड़कर कभी 'दुस्साहस' नहीं करना चाहिए। विन्रम होना ही 'निरहंकारिता' है। अपने स्वधर्म के अनुरूप आचरण ही मन की शांति का दाता है और श्रेष्ठ धर्म का पालन की मुक्ति का आधार है। महाबली, विद्यावान, गुणी और अति चातुर होकर भी हनुमानजी ने अपनी प्रत्येक लीला में उसी धर्म का परिचय दिया, जिसका उपदेश भीम के माध्यम से हम सबको दे रहे हैं। जो इसका पालन करता है, उसे ही शांति और मुक्ति प्राप्त होती है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सकारात्मकता के रंग ही जीवन

होली यानी रंगों का मेला। हर तरफ रंग गुलाल और मौजमस्ती। कहा तो यही जाता है, होली पर मन के मतभेद और सारे विद्वेष भुलाकर एक बार फिर हिममिल कर जीने की शुरूआत की जाना चाहिए। होली हमें संदेश देती है कि जिस तरह अलग-अलग रंग मिल कर नया संसार सजा देते हैं उसी तरह हम भी अलग जाति, धर्म और भाषा को मिलाकर एकता का गुलस्ता बना सकते हैं। यह देश दुनिया का अकेला देश है जहां कुछ फासलों पर पानी और रोटी का स्वाद तक बदल जाता है। हवा और मौसम का नया रंग-रूप दिखाई देते है। बोली और भाषा बदल जाती है। रहन-सहन और व्यवहार में परिवर्तन नजर आता है। इसके बावजूद देश एक है और रहेगा। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम अलग होकर भी एक सूत्र में बंधे नजर आते हैं। यही कारण है कि कवि को कहना पड़ा-'कुछ बात है ऐसी कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' यह बात है इस देश की प्राचीन संस्कृति, ऋषि-मुनियों की वाणी और धर्मशास्त्रों की सीख। भारतीय संस्कृति इकलौती संस्कृति है जिसमें विश्व समाहित नजर आता है, क्योंकि केवल भारतीय संस्कृति ही वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश देती है। तो आईये होली के मौके पर हम भी कुछ रंगीन हो जाएं। मन की खाइयों में जमा राग द्वेष, निराशा और विफलताओं की टीस की कालिख को पोछ डालें। जिंदगी के नए रंगों को पहचानें। रंगों में डूब जाएं और अपने आप को उत्साह, उमंग और जोश के नए रंग से सजाकर एक बार फिर जिंदगी में खुशियों के फूल खिलाने की कोशिश करें।

होली के इस सकारात्मकता से सरोबर पर्व की पावन बेला में इस अंक में दो ऐसी विभूतियों को भी शामिल किया है, जो सकारात्मकता को अपनी कथनी और करनी से इस तरह अभिव्यक्त कर रहे हैं कि जिससे सारी नकारात्मकता समाप्त हो जाती है। इनमें शामिल है जयपुर निवासी हास्य सम्राट आर.डी. बाहेती जिन्होंने हास्य के रूप में सकारात्मकता को जीवन के सर्वोच्च शिखर पर स्थापित कर दिया।अब वे इसी से सभी को सुखी जीवन की राह दिखा रहे हैं। वहीं पेपर व्यवसाय में देश में जानामानी हस्ति के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले रमेश गांधी ने एफ.पी.टी.ए. के एक वेबीनार में पारिवारिक व्यवसाय के महत्व को लेकर जो सकारात्मक मार्गदर्शन दिया उसके प्रमुख अंश भी इसमें समाहित किये गये हैं। इस बार सौभाग्य की कामना का माहेश्वरी परम्परा का पर्व गणगौर भी महोत्सव के रूप में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया, जिसके रंगारंग आयोजन को इसमें समाहित किया गया है। निश्चय ही ऐसे पर्व हमारी संस्कृति के संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं।

यह अंक आपके हाथ में रंगों की बौछार लेकर आ रहा है। इसे सजाने के लिए हमने शब्दों के रंग चुने हैं। इसमें है, स्थायी स्तंभों के साथ विविध आलेख, कहानी, कविताएं, व्यंग्य और वह सब कुछ जिसकी आप अपेक्षा करते हैं। अंक आपको अवश्य पसंद आएगा। अपनी प्रतिक्रिया की पिचकारी का रूप हमारी तरफ करना न भुलें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

उज्जैन जिले के नागदा (मप्र) में 20 अगस्त 1961 में श्री दामोदरदास व स्नेहलता के यहां जन्मी और वर्तमान में होशंगाबाद को अपनी कर्मभूमि बनाने वाली अनिता जावंधिया की पहचान समाज में एक ऐसी समाजसेवी के रूप में है, जो हमेशा निःस्वार्थ भाव से समाज के उत्थान में जुटी हुई है। बी.ए. तक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आपका विवाह बनखेड़ी नर्मदापुरम के उद्योगपति जावंधिया परिवार में श्री राजेश जावंधिया के साथ 28 अप्रेल 1979 को हो गया। आपके परिवार एक पुत्र तथा एक पुत्री है, दोनों का विवाह प्रतिष्ठित परिवारों में हो चुका है। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए ही श्रीमती जावंधिया सन् 1986 से सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध हो गई। स्थानीय ईकाई की सचिव, नवचेतना मंडल की अध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री तथा जिला सचिव का दायित्व सफलता पूर्वक संभाला। निर्मला जेठा के कार्यकाल में प्रदेश प्रतिभा विकास समिति का कार्यभार भी संभाला। इसके पश्चात प्रादेशिक कोषाध्यक्ष के रूप में कोष संग्रह में अभूतपूर्व योगदान दिया। फिर सचिव पद की जिम्मेदारी भी सफलतापूर्वक संभाली, जिसके फलस्वरूप अगले कार्यकाल में प्रदेश अध्यक्ष का पदभार प्राप्त हुआ। गाँव-गाँव से सदस्याओं को सम्पर्क कर संगठन से जोड़ा तथा प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन प्रदान किया। इसमें प्रदेश को इतनी ऊंचाई मिली कि 9 डायमंड तथा 1 गोल्डन श्रेणी का पुरस्कार प्रदेश को प्राप्त हुए। उनकी इन्हीं सेवाओं का सम्मान करते हुए वर्तमान में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने आगामी सत्र के लिये राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मध्यांचल का कार्यभार प्रदान किया है।

संस्कृति को सहेजते हमारे पर्व त्यौहार

वर्तमान दौर में भी हमारा समाज न सिर्फ सबसे संपन्न समाज की श्रेणी में आता है, बल्कि सबसे सुसंस्कृत समाज भी माना जाता है। वास्तव में देखा जाऐ तो सुख-समृद्धि व सुसंस्कृति ये दोनों ही आपस में इस तरह जुड़े हुए हैं जैसे सिक्के के दो पहलू। सुसंस्कृति के बिना सुख-समृद्धि हो ही नहीं सकती। अतः आज हमारी जो सुख समृद्धि है, उसके पीछे सबसे बड़ा योगदान हमारे उन संस्कारों का है जो हमारा सदैव सम्बल बने और जिन्होंने हमें मार्ग से हमें कभी भटकने नहीं दिया।

वर्तमान दौर में समाज में संस्कारों का संरक्षण एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। हर कोई कहता है कि समाज की नयी पीढ़ी समाज से दूर होती जा रही है। उन्हें समाज के संस्कार देना आसान नहीं माना जा रहा है। लेकिन मैं कहूंगी कि यह इतना कठिन भी नहीं है। इनमें हमारे पर्व त्यौहार सहयोगी बन सकते हैं। अत्यंत सुखद बात है कि समाज संगठन देश के लगभग हर कोने में सामूहिक रूप से विभिन्न पर्व -त्यौहारों का आयोजन करता रहता है। अभी-अभी होली मिलन समारोह तथा गणगौर पर्व का आयोजन भी किया गया। ये पर्व त्यौहार हमारी संस्कृति के संवाहक हैं। अतः हमें अपनी नयी पीढ़ी को इन पर्व त्यौहारों में शामिल भर करना है, बस वे परिपूर्ण माहेश्वरी बन जाएंगे। इसके लिये ऐसे आयोजनों में युवा पीढ़ी की पसंद के अनुसार मनोरंजक कार्यक्रमों का भी आयोजन हो। इससे इनसे युवा पीढ़ी का जुड़ाव होगा और वे खेल-खेल में कब माहेश्वरी संस्कारों को अपना लेंगे, पता ही नहीं चलेगा।

अब मैं बात करती हूँ समाज संगठन की तो इन्हें समाज के हर घर तक पहुंचना होगा। अभी भी अधिकांश संगठन सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित होकर रह गये हैं। दूरस्थ और ग्रामीण अंचल समाज संगठन की मुख्यधारा से लगभग दूर ही रह जाते हैं। जब तक हम समाज के हर परिवार को सक्रिय रूप से समाज से संबद्ध नहीं करेंगे तब तक हमारा लक्ष्य अधूरा ही रहेगा। हमारी समाज उत्थान की तमाम योजनाऐं भी कभी पूर्णतः कारगर नहीं हो सकती। अतः जरूरत है, समाज के हर परिवार को सम्मान के साथ संगठन से जोड़कर उनकी क्षमता तथा प्रतिभा का समाजहित में उपयोग करने की। इसके लिये जरूरी है कि हम सामाजिक गुटबंदी से ऊपर उठकर सामाजिक सामंजस्य व समाज की एकता को भी मुख्य लक्ष्य बनाऐं।

अनिता जावंधिया
अतिथि सम्पादक

श्री विसु (बिसल) माताजी

टीम SMT

श्री विसु माताजी बिसानी जेठा, भट्टड, कुलघरिया व मेहरा आदि खाँप की कुलदेवी है।

जैसलमेर राजस्थान में विसु (बिसल) माताजी का मंदिर गड़ सीकर तालाब के समीप मुक्तेश्वर मंदिर के आगे गड़ीसर आड़ (बंधा) के पास स्थित है। यह यहाँ के प्राचीन मंदिरों में से एक है जिसके प्रति माहेश्वरी समाज के साथ ही अन्य समाज भी अपार श्रद्धा रखते हैं। मंदिर में भोग के मामले में कोई प्रतिबंध नहीं है। किसी भी मिठाई का भोग लगाया जा सकता है।

कहाँ ठहरें

यहाँ दर्शन करने जाने वालों को ठहरने की कोई परेशानी नहीं आती। जैसलमेर में हनुमान चौराहे के समीप व कलाकार कॉलोनी के सामने ठहरने के लिए भवन हैं। इन माहेश्वरी भवनों में ठहरने की उत्तम व्यवस्था है।

कैसे पहुँचे

जैसलमेर सड़क व रेल दोनों ही मार्गों से जुड़ा है। श्री विसु माताजी का मंदिर बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन दोनों से ही मात्र 1-1 किमी की दूरी पर स्थित है।

माहेश्वरी समाज ने अपना गणगौर उत्सव अपनी परम्परानुसार मनाया। इसमें गणगौर की पूजन कर उनसे सुखी दाम्पत्य जीवन की कामना की। यह उत्सव देशभर के विभिन्न माहेश्वरी महिला संगठनों ने आयोजित किया, जिसमें रंगारंग कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बनें।

गणगौर से की सुखी दाम्पत्य की कामना

▶▶ **भोपाल।** महिला संगठन दक्षिणांचल भोपाल द्वारा गणगौर बिंदौरा भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें भोपाल के शाहपुरा पार्क में गणगौर विराजमान की। बड़ी संख्या में भोपाल समाज की महिलाओं ने राजस्थानी वेशभूषा में सजी हुई गणगौर माता की पूजा की। उसके बाद सभी ने गन्ने के रस का आनंद लेकर बिंदोरे का शुभारंभ किया। सभी ने अपने सिर पर गणगोर माता विराजमान कर राजस्थानी लोकगीतों के साथ नाचते गाते हुए गणगोर माता का बिंदौरा निकाला। गणगौर के भजनों के साथ नाचते हुए आइसक्रीम का आनंद भी उठाया, फिर शाहपुरा पार्क पहुंचकर ठंडाई का आनंद लेते हुए मां गणगौर की नजर उतारी गई। तत्पश्चात महेश वंदना व स्वागत नृत्य से सभी का स्वागत किया व सभी ने स्नेक्स का लुफ्त उठाया। मुख्यअतिथि के रूप में अनीता जावन्दिया, रंजना बाहेती, राजश्री राठी, शोभा लाहोटी, लक्ष्मेण माहेश्वरी, शिशिर तोषनीवाल, जय श्री बजाज आदि उपस्थित थे। मनीषा लड्ढा ने सभी का स्वागत सुंदर दुपट्टे, श्रीफल व साड़ी से किया गया। इसके बाद सभी का उद्बोधन तथा पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में दक्षिणांचल की बहू-बेटियों द्वारा किये नृत्य की सभी ने प्रशंसा की। तत्पश्चात कार्यकारिणी की शपथ विधि लेते हुए कार्यकारिणी का रैंप वॉक हुआ उन्हें गिफ्ट स्वरूप साड़ी देकर स्वागत किया गया। माहेश्वरी समाज दक्षिणांचल संगठन के सभी कार्यकर्ताओं का भी सम्मान श्रीफल से किया गया। सदस्याओं द्वारा सुंदर गणगौर माता के भजनों पर डांस किया गया। जिन्होंने सांस्कृतिक प्रोग्राम में भाग लिया, उन सभी बच्चों का सम्मान सुंदर ड्रेस देकर किया गया। महेश नवमी पर सांस्कृतिक प्रोग्राम किए गए उनको भी गिफ्ट वितरण किया गया। आशा पलोड ने सभी का आभार व्यक्त किया। भोजन के पश्चात् गणगौर बिंदौरा संपन्न हुआ। उक्त जानकारी आशा पलोड़ ने दी।

बैंगलुरू। माहेश्वरी परिवार राजराजेश्वरी नगर की महिलाओं द्वारा गत 17 मार्च मध्यान्ह में समाज के गणगौर उत्सव के उपलक्ष्य में गणगौर का सिंजारा मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान गणेश की वंदना शोभा लखोटिया द्वारा प्रस्तुत की गई। ललिता बाहेती, श्रेया बाहेती, गीता सोनी, नेहा सोनी, छवि माहेश्वरी, स्तुति माहेश्वरी एवं बेलगाम से आयीं नीता माहेश्वरी ने गणगौर पर आधारित मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति दी। श्रेया बाहेता, सपना भुतडा ने गेम्स आयोजित किये। नेहा सोनी ने कैरम बोर्ड के ऊपर रंगोली द्वारा गौरा जी का मानचित्र बनाया गया।

कोलकाता। मध्य कोलकाता सभा, महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में MKMYS लेडीज विंग्स द्वारा गणगौर उत्सव 2023 का आयोजन 19 मार्च को में हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला विंग्स की पूरी टीम और पूरे मध्य कोलकाता के सदस्यों का सहयोग मिला। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन रुचिका विवेक गुप्ता द्वारा किया गया। भगवान शिव पर माल्यार्पण सभा के सभापति श्याम बागड़ी एवं युवा संगठन के सभापति कमल गट्टानी ने किया। इवेंट स्पॉन्सर पुष्कर नारायण तोषनीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट से धनेश्वरी देवी तोषनीवाल, खेल स्पॉन्सर गोपाल साड़ी, गिफ्ट स्पॉन्सर वर्षा इंद्रकुमार डागा, मुख्य अतिथि बसंती देवी जय नारायण भूतड़ा व विशिष्ट अतिथि सुष्मिता वरुण मूंधड़ा थे। प्रधान वक्ता रुचिका गुप्ता थीं। कमला देवी रामचंद्र बाहेती, राज प्रमोद कुमार डागा, संतोष देवी राजकुमार चांडक, निशा संजय लड्ढा, मंजू देवी हनुमान प्रसाद करनानी, आदि का सहयोग मिला। इस कार्यक्रम में 311 गवरजा माता का खोल भराया गया।

बागौर। माहेश्वरी महिला मण्डल की ओर से गणगौर पर्व आनन्द एवम् हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं द्वारा सोनियो के मोहल्ले से गणगौर की सवारी निकाली गई, जो सदर बाजार बालाजी मार्केट होती हुई सेवल्या कुंज पहुंची। जानकारी महिला मण्डल की अध्यक्ष ऋतु बाला सोनी ने दी।

महू। स्थानीय माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा श्री गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें गणगौर के झाले पर आधारित रोचक तम्बोला खेलाया गया। जिसका संचालन अध्यक्षा स्वाति शारदा एवं किरण माहेश्वरी ने किया। 'ईश्वर ऐसा वर दो मुझे' नामक प्रतियोगिता रखी गयी। साथ ही गणगौर पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात रानी के रंगारंग परिधानों में सजी महिलाओं ने गणगौर का बाना निकाला। साधना माहेश्वरी एवं रंजना खानी ईशर गणगौर बने। सभी ने ठंडाई व सुस्वाद भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव रजनी सोदानी, संगीता सोढानी, रमिला मालानी, शंकुतला ढोली, कांला सोढानी, संगीता लड्ढा, किरण मारवाडी आदि का विशेष सहयोग रहा। आभार सचिव रजनी सोढानी ने माना।

नोखा। अगुणाबास में एसके ग्रुप के सुरेश कुमार झँवर के निवास पर गणगौर की सखिया ग्रुप द्वारा गणगौर के घुड़ला कार्यक्रम पर नृत्य व गीत के साथ युवतियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुमन झंवर व गायत्री झँवर ने खोल भराई की रस्म अदा की। सलोनी झंवर, सुहानी झँवर, निराली झंवर, शिवानी बजाज, अम्बिका, भावना लखोटिया, तनवी लखोटिया, कीर्ति लाहोटी, अर्पणा, नेहा बिहाणी आदि उपस्थित रहीं। वहीं दूसरी ओर गणगोर का बंदोला भारतीय हिन्दू परंपरा के अनुसार वार्ड नंबर 34 के लखोटिया बास के पास गोवर्धन सत्यनारायण लखोटिया के निवास पर आयोजित किया गया। पार्षद राधेश्याम लखोटिया भी उपस्थित रहे।

सूरत। हमारी संस्कृति ही हमारी धरोहर है। ये वाक्य चरितार्थ करते हुए गणगोर पर्व बिल्डिंग परिसर में मनाया गया। इसमें ईसर गणगौर जी की सगाई, मेहंदी, संगीत से लेकर शादी तक की सारी रस्में पूरी की गई। होलिका दहन के दूसरे दिन से ही गणगोर की पूजा परम्परानुसार प्रारम्भ हो गई थी। उक्त जानकारी वंदना भंडारी ने दी।

भीलवाड़ा। आर.के.आर.सी. व्यास माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गणगौर के महापर्व पर शाही सवारी का आयोजन किया गया। शोभायात्रा चामुंडा माता मंदिर से शिवाजी गार्डन तक अध्यक्ष चेतना जागेटिया व सचिव मीनू झवर के सान्निध्य में निकाली गई। मीडिया प्रभारी सुनीता काबरा ने बताया कि इसमें मंडल की सभी महिलाएं पारंपरिक परिधान में सज धज कर शामिल हुई। गणगौर प्रतियोगिता व घूमर नृत्य का भी आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर इंदिरा हेड़ा,वंदना नवाल, लाड लड्ढा, स्नेहलता तोषनीवाल, सुनीता मूंदड़ा , सुमित्रा दरगड, सुनीता नराणीवाल, चंद्रकांता गगरानी आदि उपस्थित थी।

हैदराबाद। उन्नति महिला मंडल चप्पल बाज़ार के तत्वावदान में गणगौर उत्सव धूम धाम से संपन्न हुआ। संयोजिका शकुंतला जाजू ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश प्रवेश-पत्रो द्वारा हुआ। गणगौर उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत गौर-ईसर की प्रतिमाओं को नाचते-गाते हुऐ भागीरथी में विराजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिमा जाजू, राधिका जाजू, प्राणिक राठी, सीमा चांडक, नेहा लोया, राधिका लोया, स्नेहा राठी, मेघा जाजू, अर्चना सोनी, विजेता जाजू एवं नाटक में पिंकी परवाल, स्नेहा राठी ने अपनी प्रस्तुति दी। अवसर पर कैश महातंबोला का भी आयोजन हुआ। अंत मे सहभोज के साथ कार्यक्रम का अंत हुआ। शकुंतला जाजू, संगीता मालू, सुनीता चांडक, सीमा चांडक, नेहा लोया, अन्नपूर्णा अग्रवाल, संगीता चांडक, निर्मल डाढ़, संगीता सारडा, उर्मिला धूत, मंगला बंग आदि समस्त सदस्याओं ने सहयोग दिया।

सुंदरता से बढ़कर मानवता है,
पर सुंदर रिश्तों से बढ़कर इस दुनिया
में कुछ नहीं है।

वर्धा। माहेश्वरी महिला मंडल वर्धा एवं नवयुवती मंडल द्वारा गणगौर उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसमें गुडला सजाओ एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया! इसके पूर्व भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। उक्त आयोजन पुष्पा चंद्रशेखर राठी की अध्यक्षता में महिला मंडल की अध्यक्षा अलका श्याम राठी, सचिव ललिता मुरलीमनोहर राठी एवं नवयुवती मंडल की अध्यक्षा कृष्णा तापड़िया, सचिव शिवानी चितलांगे के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम का संचालन निधि राठी और प्रेरणा भूतड़ा किया ने किया। अंत में सहभोज का आयोजन हुआ।

नागदा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष ज्योति मोहता के नेतृत्व में गणगौर के उद्यापन करवाएं गए। सोलह श्रृंगार करकर आई सभी महिलाऐं गाजे-बाजे के साथ फूल पाती लेकर चल समारोह में शामिल हुई। माहेश्वरी समाज के सभी वरिष्ठजन एवम युवा मंडल ने सभी का स्वागत किया। मंडल की प्रचार मंत्री संगीता भूतड़ा एवं वर्षा झंवर ने बताया कि यह आयोजन अध्यक्ष ज्योति मोहता व सचिव ऋषिता खटोड़ के नेतृत्व में हुआ। कोषाध्यक्ष सपना मालपानी सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

इंदौर। माहेश्वरी संस्कृति द्वारा रॉयल आर्किड रिसोर्ट पर त्योहारों के रंग-उत्सव के संग का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 200 बंधुओं ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। उक्त जानकारी देते हुए संयोजक मुनीश-किरण मालानी ने बताया कि प्रारम्भ में गणगौर का रंगारंग बाना निकाला गया। मंच पर सीता स्वयंवर का शानदार मंचन किया गया। नृत्य के अतिरिक्त हास्य के तड़के भी प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के अध्यक्ष सुभाष-वीणा राठी रहे, जबकि प्रभारियों का दायित्व नन्दकिशोर-सुशीला बियानी, दीपक-अर्चना भूतड़ा, महेश-पुष्पा माहेश्वरी (गिलडा), महेश-शिरोमणी माहेश्वरी (काबरा) ने निभाया। समन्वयन महेन्द्र-रुपन लाठी व यतींद्र-सीमा रणधर ने किया। सफल संचालन सपना-अशोक सोनी (माहेश्वरी) ने किया और आभार मुकेश-विनीता सारडा ने प्रकट किया।

छापर। माहेश्वरी महिला मंडल छापर द्वारा 22 मार्च 2023 को गणगौर उत्सव माहेश्वरी भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें सभी महिलाएं सोलह शृंगार करके सज धज कर आई। गणगौर के गीतों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नृत्य, फैशन शो, हास्य नाटक और गेम जैसे कई मनोरंजक कार्यक्रम हुए। शारदा पेरीवाल, आनंदी राठी, सरोज जाजू, गीतांजलि तापड़िया, मनीषा मूंदड़ा, संजू सारडा, चंद्रकला तापड़िया, वसुधा करवा, कोमल मूंदड़ा आदि का सहयोग रहा।

बीकानेर। स्थानीय मुरलीधर व्यास नगर स्थित सेक्टर डी-486, ''शांताकुंज'', भूतनाथ मंदिर के पीछे, राठी निवास में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माता गवरजा के बनौले की रस्म अदा की गई। मनोज राठी ने बताया कि इस अवसर पर ''रेड कलर'' की थीम के आधार पर सभी उपस्थित बालिकाओं व महिलाओं ने लाल रंग के परिधान पहन रखे थे। बालिका लक्षिता रानी राठी ने गीतों के साथ नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। शांता राठी, अरूणा राठी, श्रीकंवर राठी, विमला देवी, शांति भट्टड़, पूजा राठी, दीपिका राठी आदि ने गीतों की प्रस्तुति दी। अंत में भोग लगाकर माता गवरजा की खोल भराई की रस्म अदा की गई।

मनासा। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय गणगौर के कार्यक्रम माहेश्वरी धर्मशाला द्वारकापुरी में आयोजित किए गए। इसमें बग्गी में ईसर गणगौर की सवारी को नगर भ्रमण करवाया गया और कई प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समाज द्वारा चल समारोह का स्वागत जलपान से किया गया। उपरोक्त जानकारी माहेश्वरी महिला मंडल सचिव संगीता अजय दरक ने दी।

रतनगढ़ (चुरु)। माहेश्वरी महिला मंडल रतनगढ़ द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन जिला उपाध्यक्ष चन्दा सोनी के निवास पर किया गया। गणगौर के गीतों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें नृत्य, हास्य नाटक और गेम जैसे कई मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस मौके पर महिला मंडल की उपाध्यक्ष दिव्या ज्योति लड्ढा, मंत्री जयश्री जाजू, कोषाध्यक्ष सुनीता झंवर, जिला संयुक्त मंत्री सरिता चांडक, कृष्णा जाजू, प्राची तापड़िया, कृष्णा लड्ढा, मंजू पेड़ीवाल, किरण तापड़िया, सीता देवी तापड़िया, करिश्मा सोनी आदि उपस्थित थीं।

नागपुर। हिंगना माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा इसर गौर विवाह उत्सव, राजस्थानी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए धूमधाम से संपन्न हुआ। मंडल की सारी सदस्याओं ने इस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अध्यक्षता अनिता सारडा ने सभी का स्वागत किया। सचिव पायल बंग ने मंच संचालन किया। प्रमुख अतिथि के रूप में विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल संगठन की अध्यक्षता सुषमा बंग व नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष किरण बंग उपस्थित थी। कार्यक्रम में पूर्वाध्यक्ष ममता बंग का मार्गदर्शन रहा। मंडल की नई कार्यकारिणी का स्वागत भी किया गया। बारातियों का स्वागत और स्वरुचि भोज का आयोजन नीमा जी, सुषमा जी, ममता जी, जोशना जी, नीता जी आदि की ओर से किया गया।

सफलता के आवश्यक तत्व- सर में बर्फ, सीने में आग, पैर में चक्कर, मुँह में शक्कर और मोटी चमड़ी और संवेदनशील दिल। सब कुछ मिला है हमको फिर भी सब्र नहीं है बरसों की सोचते है पल की खबर नहीं है।

नागपुर। त्रिदिवसीय सतरंगी राजरस कार्यक्रम गत 18, 19 व 20 मार्च को ज्योति महिला मंडल महल, नागपुर और माहेश्वरी संगठन महल, मध्य नागपुर द्वारा गांधीबाग बगीचे में आयोजित किया गया। गणगौर के उपलक्ष्य में रखे गये इस 3 दिन के आयोजन के मुख्य अतिथि आईपीएस अर्चित चांडक थे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी उपस्थित थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन रानी साहेब यशोधरा राजे भोसले, सुशीला देवी मालू व मेघा भांगड़िया के कर कमलों द्वारा हुआ। पहले दिन का मुख्य आकर्षण रुण झुण बाजे घुघरा जिसमें राजस्थान के रंगारंग पारंपरिक नृत्य घूमर की लगभग 100 सखियों द्वारा सामूहिक रुप से मनमोहक घूमर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण किरण कल्पना क्रिएशन द्वारा निर्देशित संगीतमय नृत्य नाटिका नखराली गणगौर का मंचन था। इस आयोजन का तीसरा व अंतिम दिन तो रचनात्मकता, कलात्मकता, पारंपरिक आधुनिकता सभी से भरा पूरा रहा। इस दिन गणगौर प्रतियोगिताएं जैसे घुडल्या सजाओ रखी गई थी। ज्योति महिला मंडल की अध्यक्षा अर्चना बिंझाणी, सचिव स्वाति सांवल, माहेश्वरी संगठन महल मध्य नागपुर के अध्यक्ष विजय लड्ढा, सचिव ओम भैय्या आदि ने सभी का स्वागत किया। मुख्य संयोजक मधुसुदन बिंझानी, संयोजिका कीर्ति भैया, लीना चांडक आदि थे।

झारखंड। झारखंड बिहार प्रदेश की सभी शाखाओं में गणगौर सिंधारा का आयोजन किया गया। पारिवारिक एवं सामाजिक संदेश के साथ नाटक, बच्चों द्वारा राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, ईसर-गौरा की सुंदर झांकी आदि प्रस्तुत की। कई तरह के मनोरंजक खेल एवं तंबोला खेला गया। गणगौर क्वीन कॉन्टेस्ट भी रखा गया। पटना शाखा ने गणगौर सिंधारा पर नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्षा निर्मला लड्ढा एवं कोषाध्यक्ष राज चांडक को मुजफ्फरपुर से आमंत्रित कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। गणगौर तीज के आखिरी दिन झारखंड बिहार के सभी जिलों में राजस्थानी परंपरा का स्वरुप संजोये हुए सभी सदस्याओं ने सोलह सिंगार कर, हाथों में मेहंदी रचा कर ईसर गणगौर की पूजा की।

झुकता वही है जिसमें जान होती है
अकड़ तो मुर्दे की पहचान है।

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल तथा श्री बीकानेरी महिला मंडल द्वारा बीकानेरी भवन भाजीबाजार मे दो-दिवसीय गणगौर महोत्सव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष शिवकिशन सादानी तथा महिला मंडल अध्यक्षा प्रेमलता श्याम दम्माणी के नेतृत्व मे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंत में मनोरंजन के लिए हौजी गेम रखा गया था। ईसर गवरजा की सजावट व श्रृंगार मे श्याम दम्माणी, शिवकिसन सादानी, सुरेश डागा, तारा सादानी, प्रेमलता दम्माणी, प्रेरणा राठी, रेखा डागा, प्रीति दम्माणी आदि का सहयोग रहा।

सागर (म.प्र.)। माहेश्वरी महिला मंडल नगर इकाई सागर की अध्यक्ष ममता चाण्डक के सहयोग से गणगौर महोत्सव का 16 दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके प्रारम्भ में बिनौरे का कार्यक्रम हुआ। इसमें महिला मंडल द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। द्वितीय दिन गणगौर के बधावा गीत गाये गये। तृतीय दिवस गणगौर की भोग प्रसादी हुई जिसमें सभी समाज बंधुओं का सामूहिक भोज कार्यक्रम हुआ। चतुर्थ दिवस गणगौर जी की शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें समाज के सभी महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद गणगौर का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने पर नगर सचिव कविता जैथल्या ने आभार प्रकट किया।

गोधरा। माहेश्वरी महिला द्वारा हर साल की तरह इस साल भी गणगौर उत्सव का आयोजन किया। इसमें राम बाग से गणगौर की सवारी निकाली। सामूहिक भोजन का आयोजन कर हर्ष उल्लास से पर्व को मनाया गया।

भोपाल को मिलेगी काबरा माहेश्वरी छात्रावास की सौगात

आरआर ग्रुप काबरा परिवार करवाऐगा श्रीमती उमा-त्रिभुवन काबरा की स्मृति में छात्रावास का निर्माण

भोपाल। झीलों की नगरी भोपाल में शीघ्र ही मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अंतर्गत 5 करोड़ की लागत से प्रथम माहेश्वरी छात्रावास का निर्माण आरआर ग्रुप के त्रिभुवन काबरा परिवार द्वारा करवाया जाऐगा। श्री माहेश्वरी पारमार्थिक ट्रस्ट भोपाल द्वारा श्रीमती 'उमा-त्रिभुवन काबरा माहेश्वरी छात्रावास' का भूमि पूजन कार्यक्रम गत 19 मार्च को प्रातः 9.30 बजे आयोजित हुआ।

श्री माहेश्वरी परमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष शिशिर माहेश्वरी ने बताया कि माहेश्वरी समाज की शैक्षणिक उन्नयन हेतु 5 करोड़ की लागत से बनने वाले श्रीमती उमा त्रिभुवन काबरा माहेश्वरी छात्रावास का भूमि पूजन मुख्य अतिथि श्यामसुंदर सोनी सभापति अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा एवं मुख्य दानदाता सुप्रसिद्ध उद्योगपति महेंद्र काबरा तथा ट्रस्ट के अध्यक्ष शिशिर माहेश्वरी के कर कमलों से विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मदनगोपाल जेठा के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस छात्रावास में सर्व सुविधायुक्त तैंतीस कमरे लगभग सत्तर विद्यार्थी के लिए उपलब्ध होंगे।

छात्रावास में जरूरत मंद माहेश्वरी समाज के बच्चों को रियायती दर पर सेवा उपलब्ध कराकर सामाजिक दायित्व शैक्षणिक उन्नयन लक्ष्य का पूर्ण होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी, वरिष्ठ समाजसेवी गोपालकृष्ण गोदानी, ओमप्रकाश काबरा, रामकुमार राठी, विकास मूंदड़ा, सुबोध माहेश्वरी, सुनील भूतड़ा, मुकुंद माहेश्वरी, अशोक पलोड, प्रदेश माहेश्वरी समाज महिला संगठन पूर्व अध्यक्ष अनीता जावंधिया, प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष रंजना बाहेती, जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष जयश्री बजाज, ट्रस्टीगण एवं माहेश्वरी समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारी व समाज बंधुओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन भी हुआ।

कहां होगा इसका निर्माण

छात्रावास के निर्माण के पीछे लक्ष्य यही है कि देश के शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित हो रहे मप्र की राजधानी भोपाल में उच्च शिक्षा हेतु आने पर माहेश्वरी संस्कृति के अनुरूप आवासीय व भोजन सुविधा उपलब्ध करवाना। इस लक्ष्य की पूर्ति तभी संभव है जब इसका निर्माण ऐसे स्थान पर हो जहां से शहर के हर कोने तक आवागमन आसान हो। अतः इसका निर्माण ओसवाल नगर बाग सेवनिया (शंकराचार्य नगर के पास) करवाया जा रहा है। प्रस्तावित छात्रावास एमपी नगर से 5 कि.मी. की दूरी पर स्थित रहेगा। इस स्थान से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन आसान रहेगा। सभी शैक्षणिक संस्थान तथा बाजार भी यहां से पहुंच में रहेंगे।

कैसा रहेगा छात्रावास

श्री उमा त्रिभुवन काबरा माहेश्वरी छात्रावास का निर्माण सर्वसुविधायुक्त रूप में लगभग 5 करोड़ रूपये की लागत से होगा। इसमें विद्यार्थियों के ठहरने के लिये सर्वसुविधा युक्त 33 कमरे उपलब्ध रहेंगे। छात्रावास में सुसज्जित कम्प्यूटर लायब्रेरी, लिफ्ट सुविधा, सुरक्षित कव्हर्ड कैम्पस, सामाजिक गतिविधि सेमीनार, वर्कशॉप आदि हेतु 2000 वर्गफीट का स्थान एवं पार्किंग सुविधा, सामाजिक गतिविधियों हेतु 3000 वर्गफीट का खुला लॉन, पूजा स्थल, जिम, सर्वसुविधायुक्त भोजनालय आदि शामिल रहेंगे। इस छात्रावास के निर्माण हेतु दी जाने वाली दान राशि आयकर की धारा 80जी के अंतर्गत कर मुक्त रहेगी।

अ.भा. महिला संगठन की कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

संगठन के नवीन सत्र की कार्यकारिणी की भी हुई घोषणा

रायपुर। अखिल भारतवर्षीय महेश्वरी महिला संगठन की द्वादश सत्र की तृतीय कार्यकारिणी बैठक एवं अवॉर्ड सेरेमनी छत्तीसगढ़ प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के आयोजकत्व में गत 2-3 मार्च को स्थानीय माहेश्वरी भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए।

2 मार्च को प्रातः भगवान महेश की वंदना अर्चना के पश्चात अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक रखी गई जिसमें 3 वर्ष का लेखा-जोखा तथा संपूर्ण सत्र में बने ट्रस्टी, विशिष्ट ट्रस्टी, संरक्षक ट्रस्टी बहनों का अभिनंदन किया गया। आगामी सत्र हेतु इंदौर वासी ललिता मालपानी को अध्यक्ष तथा नागपुर वासी मीना सांवल को सेक्रेटरी घोषित किया। प्रदेश मंत्री भावना राठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा महेश्वरी, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़, कार्यक्रम अध्यक्ष राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, विशिष्ट अतिथि संगठन मंत्री शैला कलंत्री, निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गगरानी, अति सम्माननीय अतिथि रतनी मां, सम्मानीय अतिथि महासभा कार्यालय मंत्री नारायण राठी, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मूंदड़ा थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, शोभा सादानी तथा विभिन्न अंचलों में विभिन्न प्रदेशों की पदाधिकारी उपस्थित थीं। जिला अध्यक्ष शशि कला ने अतिथियों का सम्मान किया। प्रदेश अध्यक्ष अमिता मूंदड़ा ने स्वागत उद्बोधन दिया। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी ने महिला सशक्तिकरण पर प्रेरक वक्तव्य दिया। कार्यालय मंत्री मधु बाहेती ने स्मारिका सोपान की जानकारी दी। संगठन मंत्री शैला कलंत्री ने सत्र में बने नए संगठनों की जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश की झांकी श्रद्धा की जुबानी स्लाइड शो द्वारा प्रस्तुत की गई जो आकर्षण का केंद्र रही। आयोजक संस्था द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

द्वितीय सत्र में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा

द्वितीय सत्र सम्मान समारोह अवॉर्ड सेरेमनी किसी फिल्म फेयर अवॉर्ड फंक्शन से कम नहीं रहा। इसका सूत्रसंचालन पूर्वांचल संयुक्त मंत्री गिरजा सहाड़ा ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने सभी प्रदेशों को सिल्वर, गोल्ड, डायमंड कैटेगरी से अलंकृत करते हुए प्रदेश के अध्यक्ष, मंत्री, कार्यसमिति को उनके विशेष कार्यों का उल्लेख करते हुए सम्मानित किया। सभी समिति प्रभारी आंचलिक सह प्रभारियों को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने हेतु बधाई देते हुए सम्मानित किया। सभी पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक मंडल परामर्शदाताओं को भी राष्ट्रीय मंच से सम्मानित किया। सभी केंद्रीय पदाधिकारियों महामंत्री मंजू बांगड़, कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, संगठन मंत्री शैला कलंत्री एवं कार्यालय मंत्री मधु बाहेती को भी उनके अभूतपूर्व सहयोग का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सम्मानित किया। तत्पश्चात राष्ट्रीय महिला संगठन के त्रयोदश सत्र के पदाधिकारियों एवं टीम की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी द्वारा सभी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्षों के सानिध्य में की गई। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष - मंजू बांगड़ (कानपुर), महामंत्री - ज्योति राठी (रायपुर), कोषाध्यक्ष - किरण लड्ढा (दिल्ली), संगठन मंत्री- ममता मोदानी (भीलवाड़ा), पूर्वांचल उपाध्यक्ष - गिरिजा सारडा (नेपाल), संयुक्त मंत्री- निशा लड्ढा (कोलकाता), पश्चिमांचल उपाध्यक्ष - मधु बाहेती (कोटा), संयुक्त मंत्री- शिखा भदादा (भीलवाड़ा), मध्यांचल उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री (अहमदाबाद), संयुक्त मंत्री अनीता जावंदिया (बनखेड़ी) उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजू मानधना (दिल्ली), संयुक्त मंत्री- मंजू हरकुट (मेरठ), दक्षिणांचल उपाध्यक्ष - अनुसूया मालू (कोल्हापुर) तथा संयुक्त मंत्री रेनू सारडा (हैदराबाद) नियुक्त की गई।

फाग उत्सव का हुआ आयोजन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर द्वारा श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर में 25 फरवरी को फाग उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में उत्साह से भजनों की प्रस्तुति के साथ होली के रसिया आदि सुंदर गीत महिलाओं ने गाए। सभी ने गुलाल एवं फूलों से होली खेली। फाग की धुन पर महिलाओं ने नृत्य भी किया। इस अवसर पर अध्यक्ष रेखा लड्ढा, सचिव उषा भट्टड सहित महिला मंडल की सभी सदस्य एवं प्रगति मंडल की सदस्य उपस्थित थीं। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री सुधा बागड़ी ने दी।

मुक्तिधाम का किया आवलोकन

वारंगल। मारवाड़ी समाज के मुक्तिधाम के अवलोकन हेतु वारंगल के पूर्व विधायक नन्नेपुनेनी नरेंदर एवं राजनयिक सुरेश जोशी आएं। दोनों अतिथियों ने मुक्तिधाम को एक सुंदर रूप से बनाकर देने का आश्वाशन दिया। समाज के गणमान्य सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

फाग उत्सव व महिला दिवस का आयोजन

उदयपुर (वि)। माहेश्वरी महिला गौरव ने एक निजी आवास पर फाग उत्सव व महिला दिवस समारोह आयोजित किया। अध्यक्ष आशा नरानीवाल व सचिव सीमा लाहोटी ने बताया कि कान्हा के संग सदस्याओं ने झूमते हुए नाच गान किया। इस अवसर पर महिलाओं ने फूलों की होली खेली। संरक्षक कौशल्या गट्टानी ने गायक कलाकार ज्योति व्यास सहित उपस्थित महिलाओं का सम्मान कर महिला दिवस भी मनाया। इस अवसर पर सरिता न्याती, मंजू गांधी, रेणु मुन्दड़ा, कला गट्टानी, टीना सोमानी, प्राची, उमा काबरा सहित अनेक सदस्याएं मौजूद थीं।

निःशुल्क नेत्र शिविर संपन्न

छापर। माहेश्वरी महिला मंडल, छापर द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन गत 25 फरवरी को माहेश्वरी भवन, छापर में हुआ। कुल लाभान्वित रोगी 306 रहे जिनमें से ऑपरेशन के लिए 40 रोगियों को चयनित किया गया। समाज की वरिष्ठ महिला कमला देवी पेड़ीवाल, रामेश्वरी देवी पेड़ीवाल, रामप्यारी देवी जाजू एवं सीता देवी जाजू द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। महिला मंडल की कार्यकर्ताओं में शारदा देवी पेड़ीवाल, श्वेता तापड़िया, मनीषा मुंदडा, सरला लाहोटी, सरोज जाजू, वीणा बिहानी, आनंदी राठी, गीतांजलि तापड़िया, चंद्रकला तापड़िया, संजू सारडा, भगवानी दरगड़ आदि ने शिविर में व्यवस्था का कार्यभार संभाला। रोगियों को निःशुल्क दवाई एवं चश्मे शिविर में ही उपलब्ध कराए गए।

राठी बने युवा संगठन अध्यक्ष

नागौर। माहेश्वरी समाज जिला युवा संगठन के चुनाव माहेश्वरी पंचायत पोल में हुए। मतगणना में परबतसर के अजय राठी 41 वोट से अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किए गए। मतदान में नागौर जिले के कुल 745 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसके बाद विजयी घोषित हुए अध्यक्ष राठी ने जिला महामंत्री पद पर नागौर शहर के मुरलीमनोहर मूंदड़ा का नाम घोषित किया। चुनाव प्रक्रिया में माहेश्वरी पंचायत संस्थान, महेश युवा संघ, संजय चांडक, दिनेश अटल, महेश अटल, अशोक मूंदड़ा, गोपाल मूंदड़ा, श्रवण लोहिया, अनिल राठी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश झंवर एवं पर्यवेक्षक छीतरमल जाजू ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राठी को शपथ दिलाई।

दुआ या बद्दुआ किसी के बोलने से नहीं किंतु खुद के व्यवहार और कर्म से मिलती है, इसलिये हमारा व्यवहार और कर्म सदा सुखदाई हो तो दुआएं स्वतः मिलती रहेगी।

महिला मण्डल की कार्यकारिणी गठित

महू। माहेश्वरी महिला मंडल के सत्र 2023 की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अनु बाहेती एवं साधना माहेश्वरी थी। इसमें अध्यक्ष स्वाति शारदा, उपाध्यक्ष किरण माहेश्वरी, सचिव रजनी सोढ़ानी, कोषाध्यक्ष संगीता सोनी, सहसचिव रमिला मालाणी, प्रचार मंत्री शकुंतला ढोली, संरक्षणकर्ता कांता सोडानी चुनी गई। इसके साथ ही 10 सदस्यों की कार्यकारिणी समिति भी बनाई गई। बैठक में महिलाओं ने फाग उत्सव का भी आयोजन किया।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा गत 05 मार्च प्रथम रविवार को 14 वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन में संपन्न हुआ। जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती, उपाध्यक्ष राम राय सेठिया, जिला मंत्री रमेश राठी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील मरोठिया, सहमंत्री राजेंद्र पोरवाल, नगर संगठन मंत्री प्रमोद डाड, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मुंधड़ा, लक्ष्मी नारायण काबरा, सुरेश जाजू, राजेंद्र बियानी, श्याम सुंदर समदानी, नारायण जागेटिया, कैलाश सामरिया, ओमप्रकाश मालू, कृष्ण गोपाल सोनी, सुरेश आगाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम में भीलवाड़ा जिला व अन्य जिलों के समाजजनों ने भाग लिया और बायोडाटा का अवलोकन किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के अतिरिक्त चित्तौड़, जयपुर, उदयपुर, कोटा, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद में भी शाखाएं प्रारंभ की गई है।

फाग उत्सव का हुआ आयोजन

शाजापुर। स्थानीय गणेश गार्डन पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फाग उत्सव मनाया गया। इसके पश्चात सामूहिक भोज तथा मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें माहेश्वरीजन उपस्थित थे।

राठी को साहित्य भूषण सम्मान

जोधपुर। प्रतिष्ठित 'इंडिया नेट बुक्स एवं बीपीए फाउंडेशन' दिल्ली द्वारा वर्ष 2023 के लिए घोषित वार्षिक पुरस्कारों में हरिप्रकाश राठी को कथा-साहित्य में अमूल्य योगदान हेतु 'कालीचरण मिश्रा साहित्य भूषण' सम्मान से नवाज़ा गया। दिल्ली के एक होटल में आयोजित हुए एक भव्य समारोह में उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। श्री राठी ने अब तक दस कथा-संग्रह एवं तीन निबंध-संग्रह लिखे हैं। राही फाउंडेशन द्वारा घोषित विश्व के प्रथम सौ हिंदी साहित्यकारों में उनका नाम घोषित किया गया है। हाल ही टोरंटो कनाडा की हंसादीप द्वारा बनाए 'कथारंग, की सत्रह वैश्विक कहानियों में उनकी कहानी 'पिंजरे' समाहित है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इसी कहानी पर उन्हें सर्वश्रेष्ठ कथाकार के रूप में कमलेश्वर स्मृति कथा पुरस्कार से नवाजा गया था।

बॉक्स क्रिकेट का होगा आयोजन

हैदराबाद। आगामी महेश नवमी के उपलक्ष्य में माहेश्वरी समाज महाराजगंज द्वारा बॉक्स क्रिकेट MMPL 2023 SEASON 3 के आयोजन हेतु बैठक प्राजय माल गोलीगुड़ा में सम्पन्न हुई। इसमें महासभा द्वारा आवंटित हैदराबाद सिकंदराबाद (जिला) के 20 क्षेत्रो के प्रत्येक क्षेत्र से एक टीम को आमंत्रित किया जायेगा। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रामदेव सारडा ने बताया कि समाज के युवा वर्ग को एकजुट करने का प्रयास करते हुए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय क्रिक्रेट टूर्नामेंट का आयोजन आगामी 29 एवं 30 अप्रैल को अत्तापुर स्थित स्ट्रेट–ड्राइव ग्राउंड में किया जा रहा है। बैठक में उपस्थित मंत्री नरेश भूतड़ा ने उक्त आयोजन हेतु प्रस्तावित लेखा जोखा समाज के समक्ष रखा। कमल किशोर राठी, ओमप्रकाश असावा, रघुनंदन भट्टड़, श्रीराम नावंदर, आकाश काकाणी, पवन असावा, अभिषेक इन्नाणी, अंकित मालानी, अंकित बाहेती, रमेश मोदानी, दिनेश सारडा, गोपाल राठी, महेश साबू, रूपेश डोडिया आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ग्लोबल ह्यूमैनिटी चेंज मेकर अवार्ड से भंसाली सम्मानित

बीकानेर। राष्ट्रहित फाउंडेशन ट्रस्ट, बीकानेर (राजस्थान) द्वारा 'सेव द ह्यूमैनिटी' थीम पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ब्लड डोनेशन, ऑर्गन डोनेशन, मदर मिल्क डोनेशन, हेयर डोनेशन, टाइम बैंक, देहदान आदि विषयों पर मेडिकल विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में दुबई, बहरीन, कुवैत, मस्कट, नेपाल, भूटान, ओमान, अरब अमीरात, यूक्रेन, शारजहां सहित 20 देशों से प्रतिनिधि आये थे। साथ ही देश के सभी राज्यों से विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश के 780 जिलों से तकरीबन 500 आमंत्रित प्रतिनिधि एकत्रित हुए। इस संगोष्ठी में रक्तदान के क्षेत्र में विगत 38 वर्षों से कार्य करने, रक्तदान की अलख जनमानस में जगाने और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सेवार्थ कार्य करने पर रतलाम में रक्तदान के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके रक्तमित्र दिलीप के. भंसाली को बीकानेर संभागायुक्त डॉ. नीरज के. पवन,

सेना मेडल से सम्मानित कर्नल हेम सिंह शेखावत, कारगिल योद्धा सेना नायक दीपचंद एवं काशीपीठ के पंडित रत्न वशिष्ठ महाराज तथा रूद्र गुप्त पादाचारी महाराज के करकमलों से दूसरी बार अंतराष्ट्रीय मंच पर ग्लोबल ह्यूमैनिटी चेंज मेकर अवार्ड से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री भंसाली इसी सेवा क्षेत्र में सतत सेवा कार्य करने के चलते पूर्व में 34 राष्ट्रीय और 1 अंतराष्ट्रीय सम्मान और रक्त उपाधियों से सम्मानित हो चुके हैं।

गणगौर उत्सव के साथ नयी कार्यकारिणी गठित

वाड़ी हिंगनारोड़। माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी हिंगना रोड द्वारा गणगौर-2023 का उत्साहपूर्ण आयोजन व नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। माहेश्वरी मंडल वाड़ी हिंगना रोड के अध्यक्ष-ओमप्रकाश राठी, सचिव-दीपक चांडक और कोषाध्यक्ष-उज्वल चांडक की प्रमुख उपस्थिति में सर्वसम्मति से अध्यक्षा- पल्लवी सोमानी, उपाध्यक्षा- निता चांडक, सचिव-संतोष मंत्री, सांस्कृतिक मंत्री-राधिका राठी, कोषाध्यक्ष- रुपाली मुंधड़ा, प्रचार प्रसार मंत्री-चंचल सोनी, सह-सचिव-यशोदा माहेश्वरी, कार्यकारिणी सदस्य-किरण राठी एवं रेखा चांडक को नियुक्त किया गया।

इंडोर क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

कोलकाता। मध्य कोलकाता सभा, महिला एवं युवा संगठन द्वारा आयोजित डे नाईट इंडोर क्रिकेट टूर्नामेंट 12 मार्च 2023 को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में खेल मंत्री भवानी मोहता व मांगी लाल राठी, कार्यक्रम संयोजक राजीव भट्टर व राजेश लखोटिया और पूरे मध्य कोलकाता के सदस्यों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विनय मोदी द्वारा किया गया। भगवान शिव पर माल्यार्पण सभा के सभापति श्याम बागड़ी एवं युवा के सभापति कमल गट्टानी ने किया। पुरुष टीम की विजेता बल्लभ बागड़ी की टीम एवं महिला टीम की विजेता सुनीता मंत्री की टीम रही। टॉफी स्पॉन्सर हरीश मोदी एवं विकास राजघरिया, टी शर्ट स्पॉन्सर विनय मोदी आदि थे।

पिंकी को बसंत सुंदरी अवार्ड

रायपुर। राजनांदगांव स्टेट हाई स्कूल में भारतीय विपणन विकास केंद्र, रायपुर द्वारा 24 फरवरी से 2 मार्च तक स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिदिन अलग-अलग प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम के समापन दिवस पर बसंत सुंदरी प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें समाज की पिंकी धूत ने बसंत सुंदरी का खिताब अपने नाम किया। पिंकी धूत स्थानीय महिला मंडल में पीआरओ हैं।

बियाणी अध्यक्ष-काकानी सचिव

बैंगलुरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत माहेश्वरी महिला संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें श्वेता बियाणी को अध्यक्ष का पद दिया गया एवं निर्मला काँकाणी को सचिव का कार्यभार प्रदान किया गया।

माहेश्वरी की पुस्तक को प्रेमचंद पुरस्कार

नासिक। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा घोषित पुरस्कार परिणामों में माहेश्वरी साहित्यकार समूह की सदस्या सुनीता माहेश्वरी की पुस्तक 'ज़िंदगी के गलियारों से' (कहानी संग्रह) को वर्ष 2022 -23 के मुंशी प्रेमचंद पुरस्कार के अंतर्गत रजत पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गयी है। पुरस्कार राशि 25000/ रुपये प्रदान की जायेगी।

जिला सभा के चुनाव संपन्न

नागपुर। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के अंतर्गत जिला माहेश्वरी सभा के नये सत्र हेतु चुनाव गत 29 जनवरी को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यालय में चुन्नीलाल सोमानी सभागृह नागपुर में निर्विरोध संपन्न हुए। सभा की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष दिनेश राठी ने की। जिला मुख्य चुनाव अधिकारी जगदीश बंग सहायक चुनाव अधिकारी सत्यनारायण राठी, बद्रीनारायण छापरवाल, प्रदेश चुनाव अधिकारी मधुसूदन सारडा, महासभा मुख्य चुनाव अधिकारी विजय चांडक तथा महासभा की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त मदन मालपानी, मलकापुर (निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष) उपस्थित थे। इसमें हरेश सोनी - अध्यक्ष, सतीश बियानी - सचिव, किशन लाखोटिया - कोषाध्यक्ष, अनिल मंत्री - संगठन मंत्री, राजेश चांडक - प्रचार प्रसार मंत्री, ओमप्रकाश भैया - उपाध्यक्ष, हरगोविंद भुतडा - उपाध्यक्ष (सावनेर), दिनेश लड्ढा, संतोष लाखोटिया- सहसचिव सर्वसम्मति से चुने गये। तहसील संगठनों के चुनाव में हिंगना बुटीबोरी कलमेश्वर तहसील माहेश्वरी संगठन में नरेश बंग-अध्यक्ष व आकाश सारडा-सचिव चुने गये। कोंढाली तहसील माहेश्वरी संगठन में विजय कुमार मुंधडा - अध्यक्ष व गोपाल धीरन - सचिव, काटोल तहसील माहेश्वरी संगठन में ब्रिज किशोर बिसानी-अध्यक्ष व देवेन्द्र डांगरा-सचिव, सावनेर केलोद तहसील माहेश्वरी संगठन में रोशन चांडक - अध्यक्ष व पवन चांडक - सचिव, उमरेड भिवापुर कुही मांढल तहसील माहेश्वरी संगठन में गोविन्द मुंदड़ा - अध्यक्ष व विजय सारडा - सचिव, कामठी कन्हान मौदा तहसील माहेश्वरी संगठन में रमनलाल गांधी - अध्यक्ष व वीरेन्द्र कलंत्री - सचिव तथा नगर माहेश्वरी सभा नागपुर में कमल तापड़िया - अध्यक्ष व गिरधर चांडक - सचिव चुने गये। नगर माहेश्वरी सभा के अंतर्गत सभी 6 जोन को तहसील सभा का दर्जा दिया गया है। जोन 1 के चुनाव में महेश बजाज - अध्यक्ष व आनंद राठी - सचिव, जोन 2 में ओमप्रकाश बंग- अध्यक्ष व नंदकिशोर काबरा - सचिव, जोन 3 में डॉ. जगमोहन राठी - अध्यक्ष व पवन बजाज - सचिव, जोन 4 में प्रकाश हेड़ा - अध्यक्ष व रुपेश पनपालीया सचिव, जोन 5 में हरीश राठी - अध्यक्ष व आनंद डागा - सचिव, जोन 6 में प्रकाश पनपालीया- अध्यक्ष व अजय नबीरा - सचिव चुने गये। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन हेतु भी सदस्यों का चयन व मनोनयन हुआ।

जिला युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव वर्ष 2023-2026 के लिए गत 05 मार्च को संपन्न हुये। इसमें अध्यक्ष गोविंद झंवर, उपाध्यक्ष गोविंदा मालू, मंत्री राजगोपाल बंग, उपमंत्री मोहित बजाज, कोषाध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा, संगठन मंत्री संदीप राठी व खेल मंत्री मयूर बंग चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

माहेश्वरी मंडल की कार्यकारिणी गठित

बीकानेर। श्री कृष्ण माहेश्वरी मण्डल, मरुनायक-मोहता चैक (बीकानेर) के अध्यक्ष सत्यनारायण राठी ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया। इसमें संरक्षक-शशिमोहन मूंधड़ा, नृसिंहदास मिमाणी, मगनलाल चाण्डक, नारायण दास बिहाणा, सलाहकार नृसिंह बिन्नाणी, नारायण दास डागा, याज्ञवल्लक दम्माणी, उपाध्यक्ष-नारायण दास दम्माणी, रामकिसन राठी, किसन चाण्डक, कामिनी कल्याणी, मंत्री-सुशील कुमार करनाणी, सह मंत्री-पवन कुमार राठी कोषाध्यक्ष-जगदीश प्रसाद कोठारी, संगठन मंत्री-राजेश कुमार बिन्नाणी, घनश्याम कोठारी, रामकिसन डागा सांस्कृतिक मंत्री-श्रीरतन मोहता, रेखा लोहिया, शशि कोठारी, शिक्षा मंत्री-दीपक बिन्नाणी, लेखा परीक्षक-श्रीबल्लभ बागड़ी, प्रचार-प्रसार मंत्री-शिव प्रसाद राठी मनोनित किये गये। कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति भी की गई।

श्रद्धांजलि

श्रीमती जमुनाबाई बजाज

हैदराबाद। स्व. श्री मदनलाल बजाज की धर्मपत्नी श्रीमती जमुना बाई बजाज का निधन गत 25 फरवरी को 80 वर्ष की अवस्था में हो गया। आप अपने पीछे 2 पुत्र ब्रिजगोपाल व दिनेश बजाज सहित पोत्र आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती विद्या सोमानी

अजमेर। ख्यात लेखक विनोद सोमानी "हंस" की धर्मपत्नी श्रीमती विद्या सोमानी का गत 13 मार्च को निधन हो गया। श्रीमती सोमानी काफी समय से अस्वस्थ चल रही थी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। श्रीमती सोमानी की रचनाएं, लेख, आदि भी आजाद में प्रकाशित होते रहते थे।

माहेश्वरी भवन में लिफ्ट का शुभारंभ

निजामाबाद। माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट, द्वारा निर्मित माहेश्वरी भवन में गत 08 मार्च को प्रातः सभापति कुंजबिहारी मूंदड़ा द्वारा लिफ्ट की पूजा कर उसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गोपीकिशन छापरवाल एवं निशा छापरवाल ने ''कुंजबिहारी'' राजकुमारी मूंदडा दानदाता यजमानो का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। माहेश्वरी भवन तीन मंजिला होने के कारण भवन में लिफ्ट की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी। इसलिए दो लिफ्ट लगाने का प्रबंध किया गया। श्री मूंदड़ा दम्पत्ति निजामाबाद परिवार द्वारा एक लिफ्ट का योगदान प्राप्त हुआ। स्व. दादाजी श्री बंसीलाल मुंदड़ा एवं पूज्य माता श्रीमती कमलादेवी मुंदड़ा की पुण्य स्मृति में उन्होंने एक लिफ्ट लगाया। दूसरा लिफ्ट श्रीनिवास द्वारकाप्रसाद सारडा, परिवार जहीराबाद द्वारा स्वर्गीय श्री द्वारकादास सारडा की स्मृति में लिफ्ट लगाया गया। माहेश्वरी भवन में वर्तमान में लॉन, लायटींग, ए.सी. भोजन कक्ष, 40 ए.सी. कमरे, पलंग, आदि अन्य व्यवस्थाएं भी है। इसके साथ 250 KvA के ट्रांसफार्मर की व्यवस्था भी की गई है। जल्द ही 160 KvA का जनरेटर लगाने की योजना भी है। इस अवसर पर सभी दानदाताओं का प्रबंधन्यासी ओमप्रकाश मोदानी ने आभार व्यक्त किया।

सुमन जाजू को गौरव सम्मान

बहादुरगढ़। हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुमन जाजू बहादुरगढ़ एवं उनकी प्रदेश टीम द्वारा किए गए सामाजिक धार्मिक एवं सेवा भाव के उत्कृष्ट कार्यों के लिए अखिल भारतीयवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गौरव सम्मान प्रदान किया गया। गत 1, 2 एवं 3 मार्च को रायपुर में सम्पन्न अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति बैठक एवं अवॉर्ड सेरेमनी में उन्हें डायमंड कैटेगरी के अंतर्गत यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवॉर्ड सेरेमनी में श्रीमती जाजू के साथ प्रादेशिक सचिव सीमा मूंदड़ा फरीदाबाद, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी बठिंडा, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मंजू सोमानी रेवाड़ी, मंजू भुराडिया रेवाड़ी एवं अनु सोमानी लुधियाना आदि ने भाग लिया।

दो दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन

खामगांव। गत 11 व 12 मार्च को दो दिवसीय निःशुल्क शिविर 'शेष जिंदगी, विशेष जिंदगी' का आयोजन श्री महेश सेवा समिति खामगांव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुजुर्गजनों को सम्मानजनक, आनंदमय एवं स्वस्थ जीवन जीने के लिए मार्गदर्शको द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करना था। प्रथम दिन कार्यक्रम का उद्घाटन श्री शंकर महाराज, जागृति आश्रम शेलोडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनका दिव्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अमरावती से आए अनिल राठी ने 'अंतरंग संवाद' विषय को आधार बनाकर मार्गदर्शन दिया। नांदुरा के चेतन सरोदे ने सुंदर फिल्मी गीतों व गजलो को गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरे दिन दिल्ली से आए डॉ. हरीश रावत ने 'हँसे, हँसाइये, हेल्थ बनाइये' विषय को लेकर हास्य योग करवाया। अकोला से आए डॉ. आनंद शर्मा ने 'स्वस्थ जीवन की ओर' विषय को लेकर जीवन में स्वस्थ कैसे रहे इस पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. संजय बजाज ने 'गिरने से बचें' विषय पर महत्वपूर्ण टिप्स दिये। रमेश परतानी हैदराबाद ने 'पीढ़ी का अन्तर व पारिवारिक सामंजस्य' विषय पर समझाया। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र झंवर व निलेश भैय्या ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. विजय टावरी ने किया।

नववर्ष का किया स्वागत

नागदा जिला उज्जैन। दुःख को दूर कर, सुख भरपूर कर, आशा को संपूर्ण करे'। ऐसी कामना के साथ माहेश्वरी महिला मंडल ने गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष को हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। सामूहिक रूप से इसे मनाने के लिए समाज की सभी सदस्याओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी सदस्याऐं उपस्थित थीं। उक्त जानकारी अध्यक्ष ज्योति मोहता व सचिव इशिता खटोड़ ने दी।

जहाँ से हमारा स्वार्थ समाप्त होता है वहाँ से हमारी इंसानियत प्रारम्भ होती है।

ग्राम विकास में माहेश्वरीजन का आयोजन

इचलकरंजी (महा.)। जिले के हरसोर ग्राम के चहुंमुखी विकास हेतु सभी माहेश्वरी बंधुओं द्वारा विभिन्न योजनाओं को कार्यरूप दिया गया। कन्हैयालाल बाहेती चैरिटी ट्रस्ट द्वारा गोपाल गौसेवा समिति हरसोर में एक बड़ा चारा गोदाम तथा बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक हॉल का निर्माण करवाया गया। नवयुवक वाचनालय में स्टडी लायब्रेरी का शुभारंभ भी किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विशेषतः छात्राओं को स्नातकोत्तर तथा प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष सुविधा प्रदान की गई है। माहेश्वरी भवन हरसोर के नवीनीकरण का कार्य भी प्रगति पर है। मुख्य बाजार के पास में ही एक शिव बगीची का विकास कार्य भी प्रारंभ किया गया है। विभिन्न योजनाओं में हरसोर ग्राम के सभी माहेश्वरी बंधुओं का सहयोग मिल रहा है। गौशाला के चारा गोदाम तथा बालिका विद्यालय में हॉल के लोकार्पण कार्यक्रम में रमेशचंद्र तापड़िया, रामराज तापड़िया, अशोक बाहेती, पुखराज बाहेती, राजाराम तापड़िया, सुशील बाहेती, कैलाशचंद्र तापड़िया, राममनोहर तापड़िया, अनिल राठी आदि की प्रमुख उपस्थिति रही। हरसोर के सभी प्रवासी माहेश्वरी बंधुओं का स्नेह मिलन कार्यक्रम शीघ्र ही आयोजित करने के प्रयास भी जारी हैं।

स्पोर्ट्स कार्निवल का हुआ आयोजन

लातूर। गत 3 से 5 मार्च तक माहेश्वरी सभा और लातूर जिला माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से लातूर में स्पोर्ट्स कार्निवल 2023 आयोजित किया गया। इसमें क्रिकेट, महिला बॉक्स क्रिकेट और टेबल टेनिस खेलों का समावेश था। विजेता माहेश्वरी मॅवहरिक और उपविजेता लातूर इंडियन्स थे। क्रिकेट के प्रोजेक्ट चेयरमैन लखन सोनी और लक्ष्मीकांत झंवर थे। महिला बॉक्स क्रिकेट के प्रोजेक्ट चेयरमैन आशीष सोमाणी और अभिषेक मूंदडा थे। टेबल टेनिस के प्रोजेक्ट चेयरमैन पांडुरंग काबरा थे। इस प्रतियोगिता में माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष आनंद मालू और सचिव किशोर बिदादा, युवा संगठन के अध्यक्ष दीपक बजाज, सचिव आनंद सारडा एवं बद्रीविशाल काबरा, अभिषेक मुंदडा, गिरीश सोनी आदि ने योगदान दिया।

चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

रतलाम। माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर लगाया गया। एक्यूप्रेशर सुजॉक वाइब्रेशन थेरेपी द्वारा इस चिकित्सा शिविर में 150 से ज्यादा मरीज हुए लाभान्वित हुए। जोधपुर से आई चिकित्सकों की टीम ने 25 से अधिक जटिल बीमारियों में इस पद्धति को लाभकारी बताया। माहेश्वरी महिला मंडल की संरक्षक रुकमणी देवी मंत्री, अध्यक्ष चंदा देवी राठी, सचिव रीना असावा, राजा देवी राठी, अंजलि लोहिया, सोनल भंसाली, कांता काकानी आदि का सहयोग रहा।

'फलयोग' से द्वादश सत्र का समापन

रायपुर। द्वादश सत्र का यादगार समापन छत्तीसगढ़ प्रदेश ने 'फलयोग' के स्वर्णिम आयोजन के साथ किया। इसमें 1 मार्च-सुबह-चम्पारण महाप्रभु जी की बैठक दर्शन का लाभ लिया। शाम- 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होली धमाल का आयोजन हुआ। 2 मार्च राष्ट्रीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक का आयोजन हुआ। उदघाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने किया। छत्तीसगढ़ की रुक्मिणी टावरी द्वारा गठित महिला सेवा ट्रस्ट के लिए उनके बेटो गोपाल, पुरुषोत्तम, श्रवण व प्रेमा टावरी का सम्मान किया गया। तीन नए ट्रस्टी भावना राठी, सोनल मूंदड़ा, नमिता डागा छत्तीसगढ़ से बनाये गए। सत्र 2023 से 2025 के लिए ललिता मालपानी को अध्यक्ष व मीना सांवल को मंत्री चुना गया। अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य के साथ किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष ज्योति द्वारा कार्यक्रम का सुंदर आगाज किया गया। स्लाइड शो व छत्तीसगढ़ी नाच से अतिथियों के सामने प्रदेश की मनोरंजक झांकी प्रस्तुत की गई। 3 मार्च-सुबह को राष्ट्रीय संगठन द्वारा 27 प्रदेशों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश द्वारा 'वोकल फ़ॉर लोकल' के तहत 'ग्राम विकास व राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति' के तहत सभी जिलों में गोबर से दीया व गमले निर्माण करने वाली मशीनें लगवाई, जिनके बनें उत्पादों को स्टॉल लगाकर विक्रय किया गया।

सेवा सदन की साधारण सभा में हुए महत्वपूर्ण निर्णय

नाशिक, जगन्नाथपुरी एवं अयोध्या में शीघ्र भवन निर्माण, तृतीय संतान के जन्म पर मातृशक्ति का होगा सम्मान

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा की अध्यक्षता में मुख्यालय - पुष्कर में सम्पन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये, जिसमें सुदूर प्रदेशों सहित राजस्थान के लगभग सभी जिलों से सैंकड़ों समाजबन्धुओं की उपस्थिति रही।

साधारण सभा के प्रारम्भ में गत साधारण सभा की कार्यवाही रिपोर्ट पारित होने के पश्चात् अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने अपने उपस्थित सभी मंचासीन अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए सेवा सदन के सभी प्रकल्पों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। श्री भूतड़ा ने अपने उद्बोधन में समाज की घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज की जनसंख्या में अभिवृद्धि होना अति आवश्यक है। इसके लिये सेवा सदन द्वारा पहले तृतीय कन्या के जन्म होने पर 50,000/- रुपये की एफडीआर प्रदान कर मातृशक्ति का सम्मान किये जाने की योजना को विस्तारित करके तृतीय संतान के जन्म पर यह प्रोत्साहन दिये जाने का प्रस्ताव सदन के सम्मुख रखा, जिस पर सभी उपस्थितजन ने करतल ध्वनि से समाज हितार्थ प्रस्तुत प्रस्ताव का समर्थन किया।

तीर्थ नगरी में भवन निर्माण

श्री भूतड़ा ने नवीन अयोध्या प्रकल्प सहित नाशिक एवं जगन्नाथपुरी में शीघ्र निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाने का आश्वासन प्रदान करते हुए अयोध्या प्रकल्प हेतु भूमि सहयोगदाता राधाकिशन दम्माणी (डी-मार्ट), बजरंगलाल तापड़िया (सुप्रीम इण्डस्ट्रीज), बंशीलाल राठी चैन्नई, रामावतार जाजू इन्दौर, भंवरलाल सोनी जोधपुर सहित जिन-जिन भामाशाहों ने निर्माण सहयोग हेतु आश्वासन प्रदान किये है, उन सभी भामाशाहों के नामो का उल्लेख करते हुए साधुवाद प्रकट किया। विषय सूची अनुसार उपस्थित बन्धुओं ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 का अंकेक्षित लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया ने अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु अनुमानित बजट भी पेश किया गया। उपस्थितजन ने करतल ध्वनि से अंकेक्षित लेखों का अनुमोदन किया एवं अनुमानित बजट को स्वीकृति प्रदान की। कोषाध्यक्ष ने चालू वित्तीय वर्ष के आय-व्यय की भी जानकारी साझा की। महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल ने

बैठक का विषय सूची अनुरूप संचालन किया एवं उपस्थितजनों के सुझावों के अनुरूप समाज व सेवा सदन हितार्थ निर्णय लिये गये।

ये थे प्रमुख रूप से उपस्थित

साधारण सभा में सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया, उपाध्यक्ष प्रहलाद शाह, जयकिशन बल्दुवा, विजयशंकर मूंदड़ा, मंत्री सोहनलाल मूंदड़ा, श्रीभगवान बंग, संजयकुमार जैथलिया, किशनगोपाल बंग, प्रचार मंत्री भागीरथ भूतड़ा, कार्यालय मंत्री मधुसुदन मालू उपस्थित थे। रामकुमार मानधना मुम्बई, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, निवर्तमान अध्यक्ष जुगल किशोर बिड़ला चित्तौड़गढ़, माणकचन्द माहेश्वरी कटक, नन्दकिशोर माहेश्वरी ढेंकानाल, मदनमोहन राठी कटक, एडवोकेट दास बाबू, राम अवतार जाजू सूरत, मनोज लड्ढा कोलकाता, रामावतार जाजू इन्दौर, रामावतार जाजू, राधेश्याम राठी सूरत, भंवरलाल गांधी, रानेश दरगड़ जोधपुर, रामनारायण सोनी, संपतराज मण्डोवरा उदयपुर, बृजमोहन फोफलिया मुम्बई, राजाराम भांगड़िया सट्टाणा, पुरुषोत्तम कलंत्री नाशिक, श्यामसुन्दर मंत्री कुचामनसिटी, सुनिलकुमार मूंदड़ा, अशोक राठी, अशोक जैथलिया अजमेर, दिलीपकुमार जाजू, रमेशचन्द्र भराड़िया ब्यावर, गोपीकिशन, संपत बिड़ला मेड़तासिटी, कमलकिशोर चाण्डक खींवसर, कालूराम हेडा नडियाद, रामावतार जैथलिया, राजेन्द्र काबरा दिल्ली, सुधीर बाहेती नागपुर सहित विभिन्न प्रदेशों से सैंकड़ों गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही ।

राजा बाबू को गद्य में प्रथम स्थान

इंदौर (मप्र)। हिंदीभाषा डॉट कॉम परिवार द्वारा निरन्तर स्पर्धा कराने के अंतर्गत 62 वीं स्पर्धा 'हिन्दी की बिन्दी' विषय पर कराई गई। इसमें गद्य वर्ग में गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंच-परिवार की सह-सम्पादक श्रीमती अर्चना जैन और संस्थापक-सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' ने इस मंच द्वारा आयोजित उक्त स्पर्धा में विद्वान निर्णायक मंडल के निर्णयानुसार गद्य वर्ग में प्रथम स्थान पर 'विश्व भाषा की ओर अग्रसर हिंदी' के लिए श्री बिन्नाणी (राजस्थान) को विजेता घोषित किया है।

अमित सोमानी समाज रत्न से सम्मानित

किशनगढ़। रक्तदान एवं समाजसेवा में समर्पित अमित सुपुत्र हनुमानदास सोमानी को रवीन्द्र रंग मंच पर दशहरा मेला कमेटी द्वारा समाज रत्न खिताब से सम्मानित किया गया। श्री सोमानी अजमेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

मोही को साईंस ओलंपियाड में रैंक

इंदौर। समाज की वरिष्ठ मंदाकिनी-स्वर्गीय श्री जगदीशचंद्र माहेश्वरी सनावद की पौत्री तथा पूजा-सीए अभिषेक माहेश्वरी की सुपुत्री एवं सुशीला-कैलाशचंद्र भांगड़िया बेटमा की नातिन मोही माहेश्वरी ने नेशनल साइबर ओलंपियाड में इंटरनेशनल 13 वी रैंक, 9 वीं रीजनल रैंक एवं 3री जोनल रैंक प्राप्त कर जोनल ब्रॉन्ज मेडल, सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस, मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन, सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन एवं 500/- नगद पुरस्कार प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्नो मैराथन में शामिल हुए डॉ. मूंदड़ा

मनासा (म.प्र.)। रीच इंडिया द्वारा मनासा हिमाचल प्रदेश के लाहोल स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सिस्सु में माईनस आठ डिग्री सेल्सियस में स्नो मैराथन का आयोजन हुआ। इस मैराथन में मनासा म.प्र. निवासी डॉ. योगेश मुंदड़ा शामिल रहे। इस मैराथन प्रतियोगिता में भारतीय नौसेना, थल सेना के साथ ही देश विदेश के करीब दो सौ पचास प्रतियोगी ने हिस्सा लिया। इस दौड़ में मनासा नगर के नाथूलाल मुंदड़ा परिवार के प्रपोत्र व बालकृष्ण मुंदड़ा के सुपुत्र एवं मध्य प्रदेश से एक मात्र माहेश्वरी प्रतियोगी डॉ. मूंदड़ा थे। माहेश्वरी समाज के सदस्य डॉ.मुंदड़ा ने इक्कीस किलो मीटर बर्फ पर दौड़कर मात्र तीन घंटे बीस मिनट चालीस सेकंड में यह मैराथन दौड़ पूरी की। डॉ. योगेश मुंदड़ा वर्तमान में जे.के. हॉस्पिटल भोपाल में असिस्टेंट प्रोफेसर सर्जरी के पद पर कार्य कर रहे हैं।

खरी-खरी

धर्म पर, सत्य पर
डाल कर आवरण

कर रहे जो सतत्
आचरण का क्षरण

गर्व अपनी सफलता पे'
क्यों न करें

सम्पदा न उन्हीं का
किया है वरण

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

विकास मूंदड़ा को उद्यमी अवार्ड

दिल्ली। दैनिक भास्कर द्वारा पिछले कई वर्षों से प्रदेश में तेजी से प्रगति करने वाले बिल्डर्स, डॉक्टर्स, एजुकेशनिस्ट, सोशल वर्कर्स आदि अनेक क्षेत्रों में चयनित शख्सियतों को अवार्ड प्रदान किये जाते हैं। दिल्ली की एक होटल में आयोजित भव्य अवार्ड फंक्शन में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं दैनिक भास्कर समूह के डायरेक्टर पवन अग्रवाल के हाथों विकास मूंदड़ा और उनकी पत्नी प्राची मूंदड़ा ने उद्यमी अवार्ड ग्रहण किया। उन्हें यह अवार्ड मंडीदीप स्थित उनकी औद्योगिक इकाई श्री बालाजी पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड द्वारा रिकॉर्ड उत्पादन के लिए दिया गया है। इस गौरवमयी उपलब्धि पर माहेश्वरी समाज और उद्योग जगत के गणमान्यजनों ने श्री मूंदड़ा को बधाई दी।

वार्षिक मिलन समारोह सम्पन्न

इंदौर। माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल (140 घर) थोक द्वारा वार्षिक मिलन समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्ष सुषमा मालू एवम् सचिव सविता भांगडिया ने बताया कि भगवान विष्णु के दस अवतार पर आधारित नृत्य नाटिका 'करे सुमिरन। दशावतारम' का सफल मंचन इस अवसर पर किया गया। संयोजक पूनम मालपानी, नेहा भलिका ने संस्था के करीब 20 बच्चे, 25 महिलाओं को साथ लेकर परंपरा, धर्म, संस्कृति एवं मर्यादा का संगम नृत्य नाटिका का संयोजन किया। ज्योति मुछाल ने नरसिंह अवतार को जीवंत किया तो विष्णु अवतार के रूप में वीना सोनी ने दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी। पूजा मूंदड़ा, अन्नपूर्णा मूंदड़ा ने भगवान विष्णु पर आधारित तंबोला खेलाया। अंत में आभार उपाध्यक्ष आशा सिंगी ने व्यक्त किया। मंजु भलिका, ऊषा काबरा, शशि पटवा, सुधा मालू, सुधा मालपानी, उर्मिला मूंदड़ा आदि कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

डॉ. बल्दुआ अध्यक्ष और चितलांगिया मंत्री

ब्यावर। ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी श्यामसुंदर झंवर एवं जिला सभा मुख्य चुनाव अधिकारी गोपाल मालू तथा चुनाव पर्यवेक्षक ज्वाला प्रसाद कांकाणी की देखरेख में हुए। आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष डॉ. एल.एन. बल्दुआ सर्वसम्मति से चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री बल्दुआ ने उपाध्यक्ष स्वरूप नारायण झंवर, मंत्री रमेश चितलांगिया, उप मंत्री नारायण हेड़ा, कोषाध्यक्ष विजय झंवर, संगठन मंत्री राजेंद्र काबरा व प्रचार मंत्री प्रकाश चितलांगिया के साथ 14 सदस्य की कार्यकारिणी की घोषणा की। नवनियुक्त मंत्री रमेशजी चितलांगिया ने बताया कि कार्यकारिणी गठन के पश्चात 22 सदस्यीय जिला कार्यकारी मंडल का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया।

देवदर्शन यात्रा का हुआ आयोजन

बैंगलुरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा हर वर्ष अपने समाज बंधुओं के लिए देव दर्शन यात्रा का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया के नेतृत्व में 8 दिवसीय देव दर्शन यात्रा 16 मार्च से 23 मार्च तक हिमाचल प्रदेश, जम्मू, पंजाब स्थित 9 देवियों के दर्शन जैसे माता वैष्णो देवी, ज्वाला देवी, मनसा देवी आदि देवियों के साथ-साथ स्वर्ण मंदिर अमृतसर, अटारी बार्डर, चंडीगढ़ एवं विभिन्न रमणीय स्थलों की यात्रा के लिए 63 समाज बंधुओं के साथ पूर्ण हुई। इस वर्ष देव दर्शन यात्रा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सत्यनारायण मालानी, विनीतकुमार बियानी के साथ यात्रा के दौरान सभा उपाध्यक्ष नवलकिशोर मालू, कोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा, कार्यसमिति सदस्य कैलाशचंद काबरा, राजेश धूत, अनिल बाहेती, सभा सदस्य अजय काबरा, श्रीनिवास जाजू, शम्भुदयाल फलोड, रेणु भूतडा, वीरेंद्र जाजू का विशेष योगदान रहा।

झुकने का अर्थ यह कदपि नहीं होता कि अपने 'सम्मान' खो दिया। हर कीमती वस्तु को उठाने के लिये झुकना ही पड़ता है 'प्रभु' एवं 'बुजुर्गों' का 'आशीर्वाद' इनमें से एक है।

मासिक परिचय-पत्रक अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल द्वारा प्रथम रविवार को मासिक परिचय-पत्रक (बायोडेटा) अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में संपन्न हुआ। इसमें राजस्थान के विभिन्न स्थानों से प्रत्याशियों के अभिभावकों ने बायोडेटा अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ केकड़ी से अजमेरा जिला माहेश्वरी सभा कार्यसमिति सदस्य निरंजन तोषनीवाल, बस्सी से व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं युवा संगठन के पूर्व जिला उपाध्यक्ष किशन जागेटिया, बस्सी नगर सभा के कोषाध्यक्ष संजय सोमानी, रमेश राठी, मंत्री माहेश्वरी समाज सम्पति ट्रस्ट आदि गणमान्य व्यक्तियों ने किया। श्रवण समदानी ने बताया कि अब तक लगभग 449 युवक व युवतियों के संबंध हो चुके हैं। वर्तमान में लगभग 2560 बायोडेटा पत्रावलियों में संजोकर रखे गए तथा उदयपुर और कोटा से प्राप्त बायोडेटा सूचियाँ तथा विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न परिचय सम्मेलन की विवरणिका अवलोकन हेतु उपलब्ध की गई हैं।

समाज के नवीनीकृत भवन का हुआ लोकार्पण

बस्सा। स्थानीय माहेश्वरी समाज के नवीनीकृतभवन का लोकार्पण अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या एवं उद्योगपति हरीश ईनाणी के कर कमलों से हुआ। उक्त जानकारी देते हुए बस्सी समाज के मंत्री बनवारी आगाल ने बताया कि लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी पी नामधरानी, समाज सेवी सीए अर्जुन मूंदड़ा, युवा संगठन प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप लड्ढा, समाज सेवी अनिल सोनी, राम निवास सोनी आदि उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज बस्सी के अध्यक्ष रामनिवास सोनी ने बताया कि इसके पश्चात आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में भवन निर्माण में विशिष्ट सहयोग करने वाले भामाशाहो का अतिथियों द्वारा मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, उपरना ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंच पर अतिथि के रूप में युवा संगठन संरक्षक राजेंद्र गगरानी, युवा संगठन जिला अध्यक्ष लोकेश समदानी, पूर्व महामंत्री अनिल ईनाणी एवं पवन काबरा, उद्योगपति योगेश ईनाणी, प्रदेश संगठन मंत्री नितेश लड्ढा, सतीश ईनाणी, रतनलाल अगाल, गोविंद ईनाणी, मुकेश गग्गड नरोत्तम हेडा आदि मंचासीन थे।

श्री अवंतिका पंचांग का हुआ विमोचन

उज्जैन। ख्यात प्रकाशक ''ऋषिमुनि प्रकाशन'' द्वारा संवत 2080 सूक्ष्म दृश्यगणितयुत केतकी चित्रापक्षीय ''श्री अवंतिका पंचांग'' का विमोचन नित्यानंद आश्रम एवं श्री श्री नजर निहाल आश्रम औंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (म.प्र.) के संतश्री 1008 अवधूत श्री नर्मदानंदबापजी के कर कमलों से हुआ। इस पंचांग में दृश्य गणितीय पद्धति से सभी गणनाऐं करते हुए विभिन्न मुहूर्त भी स्पष्ट किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुए प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने बताया कि संत श्री नर्मदानंदबापजी देश के 12 ज्योतिर्लिंगों की 12 हजार किमी. की पदयात्रा कर चुके हैं। इसके साथ ही आपने श्रीनगर लालचौक से अयोध्या तक की पदयात्रा भी की है। इस अवसर पर प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने संतश्री का स्वागत किया एवं पंचांग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सूक्ष्म दृश्य गणितीय पद्धति से तैयार इस पंचांग का प्रकाशन वर्ष सन् 2006 से अनवरत हो रहा है। इसमें लग्न व ग्रह आदि स्पष्ट करने के साथ ही लगभग सभी मुहूर्त भी इस तरह स्पष्ट किये गये हैं, जिससे आम पाठक भी इनका उपयोग कर सके। पंचांग के प्रकाशन के अवसर पर नरेंद्र माहेश्वरी, राकेश माहेश्वरी, गोविंद माहेश्वरी, ऋषि बाहेती तथा मुनि बाहेती आदि गणमान्यजन उपस्थित थे।

फागोत्सव के साथ सम्पन्न प्रबन्धकारिणी की बैठक

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की प्रबन्धकारिणी समिति के वर्तमान सत्र की पांचवी बैठक अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा की अध्यक्षता में मुख्यालय-पुष्कर में सम्पन्न हुई। इसमें राजस्थान के विभिन्न स्थानों एवं सुदुर प्रदेशों के सैंकड़ों समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने सेवा सदन की सभी शाखाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए अयोध्या में बनने वाले सेवा सदन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की एवं इस प्रकल्प हेतु बनाई गई योजना तथा योजना को मूर्त रूप प्रदान करने हेतु सहयोग - आश्वासन प्रदान करने वाले भामाशाहों का साधुवाद प्रकट किया। महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल ने बैठक का संचालन किया। वर्तमान परिवेश अनुरूप भवनों में समाजबन्धुओं से लिये जा रहे प्रतिदिन के सहयोग राशि में भी कुछ वृद्धि किया जाना प्रस्तावित किया गया। बैठक के पश्चात् फागोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें उपस्थितजन ने आनन्द एवं उत्साह के साथ चंग की थाप पर नृत्य-गायन भी किया। बैठक में कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया, उपाध्यक्ष प्रहलाद शाह, जयकिशन बल्दुवा, विजयशंकर मूंदड़ा, मंत्री सोहनलाल मूंदड़ा, भगवान बंग, संजयकुमार जैथलिया, किशनगोपाल बंग, प्रचार मंत्री भागीरथ भूतड़ा, कार्यालय मंत्री मधुसुदन मालू सहित गणमान्यजन उपस्थिति थे।

उपलब्धि

यश ने किया एमबीबीएस

राजसमंद। आमेट के मूलनिवासी अर्जुनलाल चेचाणी एवं जतन देवी चेचाणी के सुपुत्र धर्मेंद्र कुमार एवं सीमा देवी के सुपुत्र यश ने एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यश्विनी को प्रथम स्थान

आमेट। अर्जुनलाल चेचाणी एवं जतन देवी चेचाणी की सुपौत्री तथा धर्मेंद्र कुमार एवं सीमा देवी की सुपुत्री यश्विनी ने बीए एलएलबी की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

अनमोल का सैनिक स्कूल में चयन

निंबाहेड़ा (चित्तौड़)। कनेरा तहसील-निंबाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ राज. नि. सागरमल अजमेरा के सुपौत्र तथा विनोद अजमेरा निवासी कनेरा के सुपुत्र अनमोल का सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा से कक्षा 6 में चयन हुआ। उन्होंने 85.66 प्रतिशत अंक इस परीक्षा में प्राप्त किये।

धरती फटे तो मेघ बरसने से दरारें बंद हो जाती है। कपड़ा फटे तो सिलाई से जुड़ जाती है, चोट लगे तो औषधि से ठीक हो जाती है लेकिन यदि मन फटे तो कोई उपाय काम नहीं आता इसलिये प्रयास करें आपका व्यवहार से किसी का दिल ना ही दुखे।

डागा बने पुनः निर्विरोध अध्यक्ष

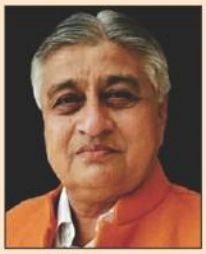
शेलेन्द्र डागा

डॉ. बी.एल. तापड़िया

नरेंद्र बाहेती

रतलाम। स्थानीय माहेश्वरी समाज के चुनाव में शेलेन्द्र डागा पुनः निर्विरोध अध्यक्ष बने। इसमें उपाध्यक्ष- डॉ. बी.एल. तापड़िया व सचिव नरेंद्र बाहेती मनोनीत किये गये। माहेश्वरी समाज रतलाम के द्वितीय चरण के चुनाव हेतु चुनाव समिति सदस्य गोपाल काकानी, मुकेश मालपानी, राजेश डारिया की उपस्थिति और पर्यवेक्षक मांगीलाल अजमेरा व प्रेम मालपानी के निर्देशानुसार बैठक रखी गई। कार्यकारिणी में सहसचिव राजेश हीरालाल चौखड़ा, कोषाध्यक्ष घनश्याम लोहिया, संगठन मंत्री द्वारकादास (पप्पू) भंसाली, प्रचार मंत्री अनुरूप सोमानी का सर्वानुमति से निर्वाचन हुआ। कार्यसमिति सदस्यों का चयन भी हुआ।

नवधा भक्ति सत्संग का आयोजन

अहमदाबाद। संत प्रवर श्रीरामप्रसादजी महाराज (बड़ौदा वाले) के अहमदाबाद में नवधा भक्ति सत्संग का आयोजन किया गया। संत श्री के आगमन पर सुरेशचंद्र मुंदड़ा अध्यक्ष श्री माहेश्वरी सेवा समिति एवं मंच संचालक सत्यनारायण बाहेती एसएन ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। महाराज श्री की अमृत एवं ओजस्वी वाणी से नवधा भक्ति सत्संग का 22 से 30 मार्च तक पारायण पाठ प्रातः 7 से 10 तक तथा संगीतमय नवधा भक्ति सत्संग रात्रि 8 से 9.30 तक श्री माहेश्वरी सेवा समिति शाहीबाग अहमदाबाद में रखा गया।

उगते हुए सूरज और दौड़ते हुए घोड़े का चित्र लगाने से सफलता नहीं मिलती बल्कि सफल होने के लिये सूर्य से पहले जागना और बुरे दिन घोड़े की भाँति दौड़ना पड़ता है।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

मनासा। चुनाव अधिकारी सुनीता मजेजी और रितु झंवर की उपस्थिति में नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें अध्यक्ष नीलिमा मारू, सचिव संगीता दरक कोषाध्यक्ष सावित्री समदानी, उपाध्यक्ष ललिता तोषनीवाल, सांस्कृतिक सचिव जयश्री मुंगड, सह सचिव वंदना बाहेती और प्रचार मंत्री रितु समदानी चुनी गई। कार्यकारिणी सदस्याओं का चयन भी हुआ।

वर्षों पुरानी गवरजा माता प्रतिमा

कोलकाता। श्री श्री गवरजा माता गांगुली लेन की वर्षो पुरानी काठ से निर्मित ऐतिहासिक व चमत्कारी प्रतिमा है। केवल प्रतिमा का गंगा नदी में विसर्जन नही होता है, जबकि माटी से निर्मित अन्य सभी इसी प्रतिमा का विसर्जन होता है। गणगोर पूजा मे कोलकाता में विशेषकर हिन्दी भाषी बड़ा बाजार अंचल दिखने में मिनी राजस्थान जैसा लगता हैं।

॥ विक्रम संवत् 2080 एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं ॥

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

बाबा श्याम के भजनों का आयोजन

बैंगलोर। माहेश्वरी महिला मंडल की नई कार्यकारिणी ने अपने कार्यक्रमों की शुरूआत धार्मिक आयोजन से करते हुवे बाबा श्याम के भजनों का आयोजन गत 21 जनवरी को माहेश्वरी भवन में किया। रेवतमल झंवर, सम्पत झंवर, अध्यक्षा श्वेता बियाणी व सचिव निर्मला काँकाणी ने पूजा अर्चना कर ज्योत प्रज्ज्वलित की। बाबा के भक्त बैंगलोर के कलाकार रामसुन्दर बागड़िया व संदीप सोनी ने भजनों की प्रस्तुति दी। शाम 6 बजे बाबा श्याम की आरती के बाद भक्तों के बीच छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया।

गोरख गौशाला में शेड निर्माण

बीकानेर। श्रीकृष्ण माहेश्वरी मण्डल मरूनायक मोहता चैक बीकानेर की प्रेरणा से शिव गोरख गौशाला, शोभासर में स्व. श्रीमती गोदावरी देवी मोहता धर्मपत्नी स्व. श्री धनराज मोहता नापासर वालों की स्मृति में उनके पुत्र व पौत्रों द्वारा शेड का निर्माण करवाया गया। मण्डल के अध्यक्ष सत्यनारायण राठी ने इस पुनीत कार्य हेतु मोहता परिवार नापासर वालों का आभार व्यक्त किया। श्री राठी ने इस गौशाला का निरीक्षण किया। उनके साथ श्रीकृष्ण माहेश्वरी मण्डल के उपाध्यक्ष किशन चाण्डक, सहसचिव पवन कुमार राठी व प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीप्रसाद राठी आदि थे।

वार्षिक पिकनिक का आयोजन

बीकानेर। श्री माहेश्वरी महिला समिति, बीकानेर की वार्षिक पिकनिक फरवरी माह में मनाई गई। सरदारशहर बालाजी के दर्शन, पूजन का सभी ने लाभ उठाया और साथ साथ भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर उनके संग फाग खेली। सबने मौज मस्ती कर पूरा दिन साथ बिताया और सुखद अनुभव प्राप्त किया। उक्त जानकारी अनुभा बागड़ी व निशा झंवर बीकानेर ने दी।

युवा मंच के चुनाव संपन्न

अध्यक्ष
पवन कुमार मुन्दड़ा

मन्त्री
सीए श्रीकान्त झँवर

कोषाध्यक्ष
आनन्द मोदानी

निजामाबाद। गत 19 मार्च को मारवाड़ी युवा मंच (निजामाबाद शाखा) के चुनाव आरमूर रोड़ स्थित एक होटल में चुनाव अधिकारी जितेंद्र मालाणी एवं विनय कुमार सोनी के नेतृत्व में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें वर्ष 2023-24 के कार्यकाल के लिये अध्यक्ष पवन कुमार मुन्दड़ा, उपाध्यक्ष-अंकुश अग्रवाल, मन्त्री-सीए श्रीकान्त झँवर, उपमन्त्री-उदय उपाध्याय, कोषाध्यक्ष-आनन्द मोदानी एवं संगठन मन्त्री-अनिल कुमार मुन्दड़ा आदि निर्वाचित किये गये। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने उन्हें निर्विरोध निर्वाचित करने पर मंच के सभी निर्वतमान पदाधिकारियों एवं मंच के सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।

वरिष्ठजनों ने किया धार्मिक भ्रमण

रांची। श्री माहेश्वरी सभा, राँची द्वारा वरिष्ठ जनों (60+) के लिए समाज की चौपाल सदस्यों ने दूसरी बार झारखंड राज्य के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल के परिभ्रमण में 26 मार्च को माँ उग्रताँरा देवी की पूजा अर्चना की। संयोजक व झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राज कुमार मारु के नेतृत्व में 35 सदस्यों के दल ने पलामू जिला के चलवा टोरी के निकट ग्राम नगर में झारखंड राज्य की मान्य नौ देवियों में से एक मां नगर भगवती उग्रतारा के दर्शन किये। प्रदेश अध्यक्ष एवं तीनों संगठन के अध्यक्षों ने सभी वरिष्ठ जनों को हार पहनाकर व कुमकुम तिलक लगाकर 8.30 बजे वातानुकूलित बस से रवाना किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सह संयोजक अशोक साबू, नरेंद्र लखोटिया, ओमप्रकाश बोड़ा (लल्लू), शिव शंकर साबू, विजय शंकर साबू, बसंत लखोटिया, मनमोहन मोहता, नवल शारदा आदि का विशेष योगदान रहा।

खूबसूरत चेहरा भी बूढ़ा हो जाता है, ताकतवर जिस्म भी एक दिन ढल जाता है ओहदा और पद भी एक दिन खत्म हो जाते हैं लेकिन एक अच्छा इंसान हमेशा अच्छा ही रहता है।

महेश ट्रेड फेयर का हुआ आयोजन

बीकानेर। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, पूगल फांटा के पास बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सभा (शहर), बीकानेर की ओर लगाये गये महेश ट्रेड फेयर पावर्ड बाय नाइन स्टार ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष गोपीकिशन पेडीवाल ने बताया कि एक ही छत के नीचे लेटेस्ट प्रोडक्टों के साथ खरीददारी और मनोरंजन का लुत्फ बीकानेरवासियों ने उठाया। मेले में महिलाओं के लिए घरेलू सामान तथा सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री उपलब्ध करवाई गई, वहीं पुरुषों तथा युवाओं के लिए रेडीमेड कपड़े तथा आर्टिफिशियल सामान की दुकाने भी थीं। खरीददारी के साथ-साथ ही पिकनिक का भी आनंद शहरवासियों ने जमकर लिया। जिला पदाधिकारी अश्वनी पचीसिया ने बताया कि मेले के उद्घाटन में शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार बी.डी. कल्ला, संभागीय आयुक्त नीरज के. पवन, स्वामी रामेश्वरानंद जी, सीओ सिटी दीपचंद, जुगल राठी (नाइन स्टार ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड), अशोक कोठारी (सूरत), आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। जिला मंत्री सुरेश पेड़िवाल ने बताया कि बीकानेर की नगरीय सीमा में पहली बार इतना शानदार आयोजन किया गया था। गोपीकिशन पेड़ीवाल, ओमप्रकाश करनाणी, अश्वनी पचीसिया, द्वारकाप्रसाद पचीसिया, दाऊलाल बिनानी, रघुवीर झंवर, कालू राठी, रमेश चांडक, बालकिशन थिरानी, सुशील थिरानी, विमल दम्माणी, बृजमोहन चांडक, अशोक चांडक, मक्खन दुजारी, सुनील सारड़ा आदि का सहयोग रहा।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

खरगोन। आज प्रदेश पर्यवेक्षक श्री विष्णुजी जेथलीया की उपस्थिति मे निर्वाचन अधिकारी विजय माहेश्वरी द्वारा महासभा प्रतिनिधि, कार्यसमिति सदस्य, कार्यकारी मण्डल सदस्य एवं जिला पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुए। इसमें अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल सदस्य रितेश मंत्री, जिला सभा के अध्यक्ष हेतु प्रवीण दुजारी, खरगोन जिला सचिव लक्ष्मीकांत राठी, सनावद, जिला कोषाध्यक्ष अभय परवाल, पश्चिमी म.प्र. सभा में कार्यसमिति सदस्य श्याम माहेश्वरी चुने गये। संगठन मंत्री राजेश माहेश्वरी, बमनाला, उपाध्यक्ष प्रह्लादजी खटोड़, खरगोन तथा दिनेश माहेश्वरी चुने गये। कार्यकारी मंडल सदस्यों का चयन भी हुआ।

युवक-युवती परिचय पत्र अवलोकन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवती परिचय पत्र का अवलोकन कार्यक्रम भीलवाड़ा से पधारे हुए संपत तोष्णीवाल, श्रवण समदानी और ओम कृष्ण समदानी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। 1093 युवक और 1510 युवतियों का बायोडेटा बैंक बनाया गया है। 30 वर्षों से यह सेवा का कार्य भीलवाड़ा में हो रहा था जिसकी शाखा कुंभानगर महेश भवन में आरंभ की गई।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त
शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता
आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

स्नेह के रंग से सरोबार हुआ समाज

सामूहिक रूप से पर्व-त्योहार मनाने की अपनी विशिष्ट परम्परानुसार देश के कोने-कोने में बसे माहेश्वरी समाजजनों ने होली के अवसर पर होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया। इसमें एक दूसरे को स्नेह के रंग से सराबोर तो किया ही साथ ही रंगारंग कार्यक्रमों ने आयोजनों में उल्लास के रंग भी घोल दिये।

राजनांदगांव। स्थानीय माहेश्वरी भवन में गत 4 मार्च को होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। इसमें फूलों की होली, फाग गीत और नृत्य से महिलाओं ने समा बांधा। उपाध्यक्ष सुषमा राठी और सोनल लड्ढा कृष्ण-राधा की वेशभूषा में आए। उनका स्वागत अलका सुरजन, शशि चितलांग्या, शीला गांधी द्वारा किया गया। अध्यक्ष दीपा बागड़ी, सचिव अनीता चितलांग्या, कोषाध्यक्ष सीमा डागा द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक मंत्री रूपाली गांधी एवं रिचा चितलांग्या ने नृत्य की प्रस्तुति दी। जिला अध्यक्ष विनीता डागा एवं जिला सचिव प्रीति चितलांग्या की विशेष उपस्थिति रही। उक्त जानकारी पिंकी धूत ने दी।

कोलकाता। दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा एवम दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन के तत्वावधान में होली प्रीति सम्मेलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। गायिका गंगा पचिसिया ने अपनी मधुर आवाज से उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध किया। सदस्यों ने नृत्य करके होली के गीतों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। जगदीशचंद्र एन. मूंधड़ा, बल्लभ भूतड़ा, नंदकुमार लड्ढा, श्याम काबरा, रमेश भैया, श्याम सुंदर राठी, दिनेश कुमार मंजू पेरीवाल, संपत मांधाना, बेनी गोपाल जाजू, मोहन लाल मोहता, मुरली मोहन तापरिया, रमेश झंवर, अलकेश बजाज आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश नागोरी, अनिल लखोटिया, दीन दयाल जाजू, मुरली मनोहर मांधना, अरुण गगड़, भगवती प्रसाद मूंधड़ा, हरीश जाजू, अभय सोमानी, सूरज नागोरी आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

कोलकाता। प्रादेशिक माहेश्वरी द्वारा होली मिलन समारोह 2023 आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि जगदीशचन्द्र एन. मूंदड़ा पूर्व अध्यक्ष प्रादेशिक सभा, विशिष्ट अतिथि चन्द्रशेखर सारडा (अध्यक्ष सजवंतगढ़ नागरिक परिसर व भामाशाह) व अशोक कुमार माहेश्वरी (अध्यक्ष नागौर अशोक कुमार माहेश्वरी नागरिक संघ व समाजसेवी) थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री नन्दकुमार लड्ढा ने किया। इस अवसर पर नंदकिशोर, श्याम राठी, प्रवीण, अशोक भट्टड़, सीमा भट्टड़, अर्पित मूंदड़ा, राजेश नागोरी, दिलीप लाहोटी, गिरीराज चितलांगिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के संचालन में भंवरलाल राठी सीए व सम्पत मांधना का योगदान रहा।

नोखा। माहेश्वरी समाज नोखा के होली स्नेह मिलन कार्यक्रम 'होली धमाल' का आयोजन गत 5 मार्च को सांय 4 बजे से श्रीकृष्ण मन्दिर प्रांगण में किया गया। सभा अध्यक्ष पुरुषोतम तापड़िया ने बताया कि स्थानीय कलाकारों ने चंग की थाप पर विभिन्न गानों की तर्ज़ पर पैरोडी, फागण व धमाल प्रस्तुत किये। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि होली महोत्सव के इस धमाल कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर, नगरपालिका अध्यक्ष नारायण झंवर, मनोहरलाल सोनी, माणकचन्द राठी, भँवरलाल बाहेती, महिला मण्डल अध्यक्षा राधामणि चितलांगी, बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अंकित तोषनीवाल, राधेश्याम लखोटिया सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे। सभा सचिव शिवप्रकाश चाण्डक ने आभार ज्ञापित किया।

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत के होली स्नेह मिलन व फाग उत्सव का रंगारंग आयोजन श्री भागीरथ श्रीगोपाल रांदड़ श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन हिवरी नगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुखराज बंग, अधिवक्ता गोपीकिशन सोनी, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू, सहसचिव गिरधर इन्नाणी, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्रीनिवास काकांणी, श्री माहेश्वरी युवक संघ के अध्यक्ष गोविंद झंवर, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा जयश्री बियाणी, कार्यक्रम प्रभारी मधुसूदन सारडा, सहप्रभारी दिनेश सारडा, संयोजक मुकुंद दरक, संयोजिका ज्योति बजाज के हाथों दीप प्रज्जवलन से हुआ। अंशु काबरा, सरिता काबरा, पूनम काबरा, दीपिका दरक ने 'रुक्मणि सत्यभामा नित्य नाटिका' बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुत की। प्रीती मालू, शशि मालू, गुंजन सारडा ने होली के उपलक्ष में सुमधुर भजनो द्वारा समा बाँधा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुषमा बंग का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी मधुसूदन सारडा एवं ज्योति बजाज ने किया एवं आभार विजय सारडा ने माना।

बैंगलुरू। माहेश्वरी सभा ने अपना पारंपारिक होली स्नेह मिलन कार्यक्रम बन्नरघटा रोड स्थित अंबारी रिसोर्ट में आयोजित किया। सचिव भगवानदास लाहोटी ने बताया कि अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया, महिला मंडल सचिव निर्मला कांकानी, युवा संघ के अध्यक्ष अरविंद लोया, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी गोपालदास इन्नानी, माहेश्वरी सभा कार्यसमिति सदस्य राजेश पेड़ीवाल, पवन राठी, समाज के वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल राठी एवम उदयपुर से आये शरद मंत्री (रिटायर्ड डीआईजी, राजस्थान) ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माहेश्वरी सभा ने अपने समाज एवं उनके परिजनों के लिए अपोलो हॉस्पिटल ग्रुप, बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में हेल्थ प्रिविलेज कार्ड का अनावरण किया। इस प्रोजेक्ट को मूर्त रूप देने में कार्यसमिति सदस्य अजय राठी ने मुख्य भूमिका निभाई, उन्ही के हाथों सभा अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया को प्रथम कार्ड दिया गया। समस्त समाजजनों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाओं का आदान प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यसमिति सदस्य अजय राठी ने किया।

अमृतसर। माहेश्वरी सभा द्वारा होली मिलन-2023 का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में 12 मार्च को किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों के साथ अध्यक्ष पवन साबू ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सचिव राजवर्धन बियानी व कार्यकारिणी सदस्यों आलोक मिन्त्री, सुदेश राठी, रमेश लाहोटी, आशीष झँवर, ललित बंग, मुकेश मूंधड़ा, कनिष्क कोठारी, विमल साबू आदि ने कार्यक्रम की व्यवस्था सम्भाली। उपाध्यक्ष महेश झँवर ने मंच संचालन किया। महिला मंडल अध्यक्षा रेखा बियाणी, सुधा मिन्त्री, श्वेता साबू विनोद राठी, सोहनलाल मूंधड़ा, जुगल किशोर झँवर, फूलचंद बंग, मृदुल माहेश्वरी, पवन झँवर, पंकज गांधी आदि समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

रतनगढ़। माहेश्वरी महिला मंडल ने होली स्नेह मिलन व मासिक सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन चुरू जिला महिला मंडल की जिला उपाध्यक्ष चंदा देवी सोनी के घर पर किया। इस मौके पर चुरू जिला महिला मंडल की संयुक्त मंत्री सरिता चांडक, तहसील कोषाध्यक्ष सुनीता झंवर, मंजू पेड़ीवाल, कृष्णा जाजू, सीता देवी तापड़िया, किरण देवी तापड़िया, करिश्मा सोनी आदि उपस्थित थीं।

कोलकाता। मध्य कोलकाता सभा, महिला एवं युवा संगठन द्वारा "होली धमाल" का आयोजन गत 4 मार्च को हुआ। सांस्कृतिक मंत्री मयूर मालानी एवं कार्यक्रम संयोजक मनोज मल, नवीन बिहानी और पूरे मध्य कोलकाता के सदस्यों का सहयोग रहा। भगवान शिव पर माल्यार्पण सभा के सभापति श्याम बागड़ी एवं युवा संगठन के सभापति कमल गट्टानी ने किया। इसमें रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। सभा के मंत्री बजरंग मूंधडा, कोषाध्यक्ष संजय झंवर, महिला मंडल की मंत्री विजयश्री मूंधड़ा, युवा संगठन के मंत्री देव किशन मूंधड़ा एवं पूरी मध्य कोलकाता की कार्यकारिणी के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत गुलाल लगाकर किया। कार्यक्रम का संचालन नीलेश राठी ने किया।

राँची। झारखंड बिहार प्रदेश सभा की विभिन्न शाखाओं का फाल्गुणोत्सव सह होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कहीं पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों को व्यंगात्मक टैगलाइन दे, सब्जियों की माला पहना होलीयाना सम्मान एवं स्वागत किया गया, तो कहीं समाज ने अपने सदस्यों को महामूर्ख की उपाधि से नवाजा। होली पर डांस, गीत, राधाकृष्ण रासलीला के साथ फूलों की होली का आनंद लिया एवं फाल्गुन महोत्सव पर चार चांद लगा दिया। ढप चंग मारवाड़ी होली लोकगीत का कई शाखाओं में रंगारंग आयोजन हुआ। इस अवसर पर लोगों ने केसरिया ठंडाई और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाया।

लखनऊ। माहेश्वरी समाज लखनऊ द्वारा 16 मार्च को माधव सभागार निराला नगर में होली उत्सव अत्यंत धूमधाम के साथ मनाया गया। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, गीत, हास्य कविताएं अत्यंत खूबसूरती से कहानी द्वारा हाऊजी गेम एवं राधा कृष्ण के नृत्य एवं फूलों की होली की सुंदर प्रस्तुति बच्चों एवं महिलाओं द्वारा दी गई। मंच का संचालन विनम्र माहेश्वरी एवं मनीषा चोला द्वारा किया गया। माहेश्वरी समाज द्वारा आभा काबरा, नविता माहेश्वरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में पदाधिकारी बनाए जाने एवं अयोध्या में भवन निर्माण हेतु 11 लाख का दान देने के लिए विनोद प्रकाश माहेश्वरी, डॉक्टर लक्ष्मीकांत माहेश्वरी, लक्ष्मीनारायण शारदा आदि द्वारा सम्मानित किया गया।

सूरत (गुजरात)। गत 1 मार्च को राधा कृष्णा महिला मंडल (सिटीलाइट क्षेत्र) की महिलाओं ने फाग उत्सव की रंगारंग होली, श्री कृष्णा के संग फूलो एवं गुलाल के साथ धूम धाम से मनाई। बड़े ही उत्साह से इस रंगारंग कार्यक्रम में नर्बदा पुंगलिया, पुष्पा पुंगलिया और कविता चांडक ने भजन और नाच गाने की प्रस्तुति दी।

यवतमाल। स्थानीय महेश भवन में गत 8 मार्च को महिला दिवस व होली मिलन का आयोजन धूमधाम से हुआ। पूर्व अध्यक्षों के अभिनंदन कार्यक्रम में 12 पूर्व अध्यक्षों का सुनीता बाहेती की उपस्थिति में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर विदर्भ प्रदेश की नवनियुक्त सचिव नीलिमा मंत्री को भी सम्मानित किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पूर्व अध्यक्ष के लिए 'आपकी अदालत' का आयोजन हुआ, जिसमें वह बतौर आरोपी कोर्ट में मौजूद थीं। अध्यक्ष नीलिमा मंत्री, सचिव वैशाली चांडक, कोषाध्यक्ष अर्चना कोठारी बोर्ड की ओर से वकील के तौर पर पेश हुईं। नयना मंधाना, ज्योति राठी, सिंधु लाहोटी, स्मिता करवा, निर्मला बागड़ी ने काउंटर गेम की जिम्मेदारी बखूबी संभाली।

बठिंडा। स्थानीय माहेश्वरी सभा की ओर से होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महेश वंदना से हुई। खुले मंच के कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन जगदीश मंत्री द्वारा किया गया। युवा संगठन द्वारा फन गेम्स करवाए और महिला मंडल की तरफ से तंबोला खेलाया गया। कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था सोहन माहेश्वरी, प्रवीण मिमानी व सुरेश चांडक द्वारा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा संगठन का योगदान रहा। सभा अध्यक्ष केके मालपानी एवं सचिव सुप्रीम कोठारी ने आभार व्यक्त किया।

कोई अगर आपके अच्छे कार्य पर संदेह करता है तो करने दीजिये क्योंकि शक सदा सोने की शुद्धता पर किया जाता है, कोयले की कालिख पर नहीं।

बीकानेर। श्री कृष्ण माहेश्वरी मंडल द्वारा दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन डागा चौक स्थित महेश भवन में हुआ। मीडिया प्रभारी शिव प्रसाद राठी ने बताया कि इस अवसर पर सर्वप्रथम माहेश्वरी समाज के प्रमुख गायक कलाकार ताराचंद, मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण राठी तथा महिला समिति बीकानेर की सदस्यों ने लड्डू गोपाल की पूजा कर उन्हें होली खेलाकर कार्यक्रम का आगाज किया। अध्यक्ष सत्यनारायण राठी ने बताया कि सर्वप्रथम माहेश्वरी समाज के गायक कलाकार ताराचंद ने फाग उत्सव के गीतों की प्रस्तुति दी।

गुरुग्राम। माहेश्वरी सभा गुरुग्राम ने महिला मंडल एवं युवा संगठन के संयुक्त प्रयास से जिला स्तर पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन 5 मार्च को स्थानीय विशालगढ़ फार्म में किया। इसमें सभी कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंच कर लगभग 125 से अधिक नए परिवारों को समाज से जोड़ने का कार्य किया एवं मिशन 500 को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। कार्यक्रम में नेटवर्किंग गेम, राधा कृष्ण के साथ फूलों की होली एवं बच्चों (14 वर्ष तक) की ड्राईंग व पेंटिंग प्रदर्शनी (शिव-पार्वती परिवार की थीम) मुख्य आकर्षण थे। जिला सभा गुरुग्राम सचिव महेश जाखोटिया संरक्षक राजेंद्र कलंत्री एवं अध्यक्ष शरद शारदा ने उक्त जानकारी दी।

फरीदाबाद। माहेश्वरी मंडल पंजीकृत द्वारा होली का रंगारंग त्यौहार 3 मार्च से 8 मार्च 6 दिनों तक मनाया गया। सचिव महेश गट्टानी ने बताया कि राकेश सोनी, राजेश सोमानी, आनंद बागड़ी, देवेश चांडक, मनमोहन सोमानी, टीपी माहेश्वरी आदि ने व्यवस्था संभाली। 8 मार्च को माहेश्वरी सेवा सदन 160 सेक्टर 7 ए फरीदाबाद में सुबह 9 बजे से 1 बजे तक होली मिलन का कार्यक्रम एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली के पकवान के साथ ठंडाई का आनंद लेते हुए सम्पन्न हुआ।

बीकानेर। श्री प्रीति क्लब परिवार की तरफ से दम्माणी परिवार के साथ मिलकर फाग-उत्सव का रंगारंग-संगीतमय कार्यक्रम स्थानीय दम्माणी हैरिटेज, नथूसर दरवाजे के बाहर रखा गया। इसमें समाज के लोगों ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम संयोजक नारायण दास दम्माणी ने बताया कि इस बार होली का उत्सव वृहद रूप में मनाने का निश्चय किया गया, ताकि समाज के नर-नारी होली जैसे पवित्र त्यौहार का आनंद उठा सके। अबीर और गुलाल के साथ ही फूलों की होली खेली और जम कर नृत्य किया। फिर स्थानीय कलाकारों ने फाग उत्सव का शमा बांधा। दाऊजी दम्माणी, बाबूलाल मोहता, मगन चांडक, द्वारका राठी, शशि मोहन मूंधडा, श्रीराम सिंघी, सुशील थिरानी, किसन गोपाल सोमानी, बाबू भाई दम्माणी, राकेश जाजू, गोपीकिशन पेडीवाल, बलदेव मूंधडा आदि कई गणमान्यजन शामिल थे।

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-1 द्वारा फागोत्सव गत 1 मार्च, 2023 को मंगोडी वालों की बगीची में साथ मनाया गया। जोन की अध्यक्ष उर्मिला लोहिया के अनुसार इस कार्यक्रम में करीब 70 महिलाओं ने भाग लिया। जोन की मंत्री मम्मू साबू ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर जिला संगठन की अध्यक्ष उमा सोमानी एवं मंत्री सविता राठी के साथ अन्य क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। ममता जाखोटिया ने कृष्ण एवं अपला मूंदडा ने राधा के स्वरूप में प्रस्तुति दी। मीना बिन्नानी, सुलभा सारड़ा, सरोज परवाल एवं माधुरी कचोलिया ने भजनों की प्रस्तुति दी।

कौन जाने क्या पाप है क्या पुण्य, बस किसी का दिल न दुखे, अपने स्वार्थ के लिये बाकी सब कुदरत पर छोड़ दें ना पैसा बड़ा ना पद बड़ा, मुसीबत में जो साथ खड़ा वो सबसे बड़ा।

एक पुरानी फिल्म का बहुत ही प्रसिद्ध गीत है, 'जीवन चलने का नाम, चलते रहो सुबह-ओ-शाम, कि रस्ता कट जाएगा मितरा, कि बादल छंट जाएगा मितरा....।' यह ऊर्जावान गीत जयपुर निवासी ख्यात समाजसेवी, हास्य सम्राट आर.डी. बाहेती पर बिल्कुल खरा उतरता है। जिंदगी के प्रति उनकी सोच हमेशा सकारात्मक रही है। श्री बाहेती ना सुख में इतराते हैं, ना दुख में घबराते हैं। उनका कहना है कि सुख-दुःख तो धूप-छांव की तरह होते हैं, आते हैं, चले जाते हैं, उनसे विचलित होना कैसा?

चंद्रमोहन शारदा

सकारात्मक समाजसेवी "हास्य सम्राट"

आर.डी. बाहेती

जयपुर निवासी श्री बाहेती का यह जीवन दर्शन आज का नहीं है। स्कूल के दिनों से ही उन्होंने यह सोच बना रखी है। स्कूल के बाद कॉलेज, फिर यूनिवर्सिटी, फिर नौकरी और व्यवसाय, सभी में उन्होंने अपनी यह सोच बनाए रखी। समाजसेवा को उन्होंने अपने जीवन का ध्येय बना रखा है। आज वह 87 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन उनकी लाइफ स्टाइल में जरा भी बदलाव नहीं आया है। बाहेती जी का कहना है कि दुनिया में आने का उद्देश्य सिर्फ यह नहीं है कि व्यक्ति पैसा कमाने में लग जाए। पैसा भी जीवन के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन पैसा ही सुब कुछ नहीं होता। खुशियां सिर्फ पैसे से नहीं प्राप्त होतीं। यदि ऐसा होता तो हर पैसे वाला व्यक्ति सुखी होता। दुनिया में धनकुबेरों की कमी नहीं है, पर अधिकांश धनी व्यक्ति दुःखी देखे गए हैं। उन्हें किसी न किसी बात पर दुःखी देखा गया है। अपार धन होते हुए भी कोई स्वास्थ्य से दुःखी रहता है, कोई संतान न होने पर दुःखी रहता है और कोई संतान होने के बावजूद सुख प्राप्त न कर पाने के कारण दुःखी रहता है। इसलिए सिर्फ धन को सुख का कारक नहीं मानना चाहिए।

हास्य योग ने दिलाया सम्मान

योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें तत्कालीन राज्यपाल द्वारा 'राजस्थान श्री' की उपाधि से नवाजा गया। माहेश्वरी समाज, जयपुर की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में भी उन्होंने भरपूर आर्थिक सहयोग दिया है। शिक्षण संस्थाओं के निर्माण एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में आप सदैव आगे रहे हैं। श्री बाहेती और हास्य का चोली-दामन का साथ है। हंसने-हंसाने को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बना रखा है। यदि यह कहा जाए कि हास्ययुक्त जीवन बिताने के कारण ही वह बढ़ती उम्र में भी सक्रिय हैं, तो गलत नहीं होगा। श्री बाहेती ने बाकायदा हास्य पर विश्लेषणात्मक काम किया। साथ ही उसे योग का दर्जा दिलाने के लिए उसके वैज्ञानिक पहलुओं का अध्ययन भी किया। उन्होंने आज से 53 वर्ष पहले ही हास्य का महत्व समझ लिया था और उन्होंने 1970 में जयपुर में जब हास्यम संस्था की स्थापना की, जो उस समय एक छोटा-सा समूह था। धीरे-धीरे लोग जुड़ते गए और हास्य क्लब देश का पहला हास्य क्लब बन गया। श्री बाहेती का कहना है कि उनकी यह संस्था गैर व्यावसायिक, गैर-राजनीतिक एवं सामाजिक है। इसकी सदस्यता के लिए भी कोई फीस नहीं है, यह पूरी तरह से निःशुल्क है।

समाजसेवा में चहुँमुखी योगदान

श्री बाहेती का कहना है कि जीवन की भाग-दौड़ में हताश-निराशा एवं थका मानव इतना भ्रमित एवं परेशान कभी नहीं दिखा। अपनी उलझनों के चक्रव्यूह में फंसकर स्वास्थ्य, निरोगता एवं उल्लास उसके लिए दवाओं और टॉनिकों के मायाजाल में उलझ गया है। व्यक्ति यदि हास्य और योग को अपना ले, तो इन सब चीजों से बच सकता है। उनकी

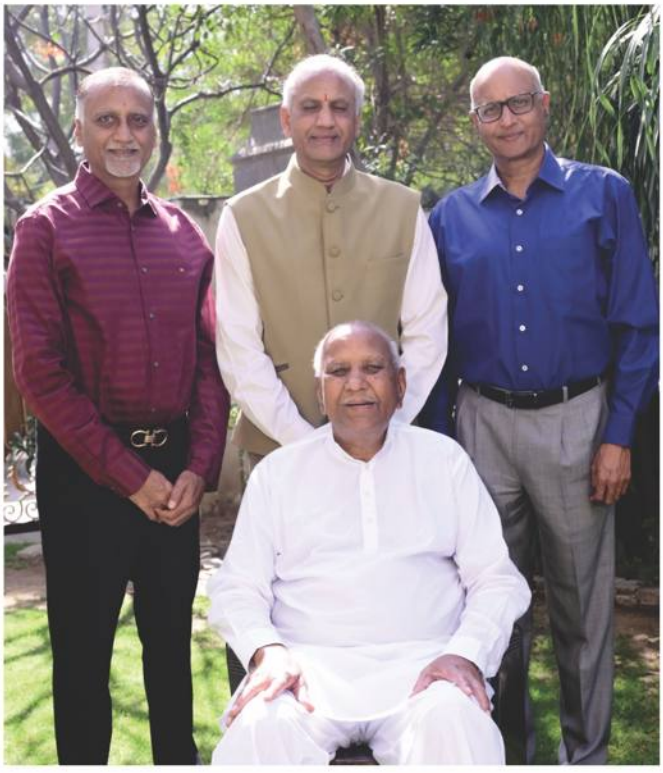

समाजसेवा किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य, योग, हास्य, शिक्षा, समाज कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में वे सक्रिय हैं। वह एक ओर सामूहिक विवाह कराते हैं, तो दूसरी ओर हास्य क्लब की स्थापना करवाते हैं। योग, स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा आदि के क्षेत्रों में उनकी विशेष रुचि है। वर्ष 1975 में सामूहिक विवाह के आयोजन का श्रेय भी उन्हें है। यह उत्तर भारत का पहला सामूहिक विवाह था। श्री बाहेती को कई चीजों की शुरुआत का श्रेय जाता है। सामूहिक विवाह भी उनमें से एक है। इसके अलावा हास्य क्लब, लॉयंस क्लब, योग संस्थान मुख्य हैं। लॉयंस क्लब के माध्यम से श्री बाहेती ने कच्ची बस्तियों में शिक्षा की अलख जगाई। कई बस्तियों में उन्होंने प्राथमिक स्कूल भी खुलवाए।

जीर्ण मंदिरों का सौंदर्यीकरण

पुराने व जीर्ण-शीर्ण मंदिरों का सौंदर्यीकरण कराना भी उनका शौक है। जंगलेश्वर मंदिर बनीपार्क सहित दर्जनों मंदिरों का वे सौंदर्यीकरण करा चुके हैं। आगरा रोड स्थित बद्रिकाश्रम में हनुमान जी व शिवजी की 51 फीट की विशाल मूर्तियों की स्थापना भी बाहेती जी ने करवाई थी। धार्मिक व प्रशासनिक कामों में भी वह पीछे नहीं हैं। एक वृहद संत सम्मेलन भी वह जयपुर में करवा चुके हैं। स्वास्थ्य योग परिषद की स्थापना का लाभ यहां के सैकड़ों योग साधकों को मिल रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बनीपार्क धर्मार्थ संस्थान योगदान कर रही है। श्री बाहेती कई बार इसके अध्यक्ष रह चुके हैं। इसमें 50 बेड का अस्पताल संचालित है और बाजार से रियायती दर पर विभिन्न जांचें की जाती हैं। इतनी जिम्मेदारियां उठाने के साथ-साथ वह माहेश्वरी समाज के समारोहों व कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति एक सकारात्मक ऊर्जा का अहसास कराती है। 87 वर्ष की उम्र में भी उनका यह क्रम टूटा नहीं है।

उनके दीर्घ जीवन का राज

अपने स्वस्थ व हंसमुख रहने का राज बताते हुए वह कहते हैं कि वे रोज सुबह चार बजे उठते हैं और रात्रि 9-10 बजे तक निरंतर किसी न किसी काम में अपने को व्यस्त रखते हैं। वे पैसे से अधिक मोह नहीं रखते। उनका मानना है कि आप जितना दान-पुण्य करेंगे, वह चार गुणा होकर लौटेगा। इसलिए चिंता करने की कोई बात नहीं। वह कहते हैं -

आदमी, आदमी को क्या देगा,
जो भी देगा, वह खुदा देगा।

इस तरह की सोच रखने वाले श्री बाहेती सबकी मदद को तत्पर रहते हैं। वे कहते हैं कि इससे उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिलती है।

कई संस्थाओं में योगदान

वे माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्थानीय माहेश्वरी समाज ने उन्हें संरक्षक मनोनीत किया है। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। सांस्कृतिक चेतना जागृत करने के लिए उन्होंने प्रीति क्लब की स्थापना की। श्री बाहेती गुलाब उद्यान समिति, बनीपार्क के संस्थापक सदस्य, जयपुर क्लब के संरक्षक व आदित्य विक्रम बिड़ला ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य हैं। जयपुर स्थित पिंजरापोल गोशाला में उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कांता देवी बाहेती की स्मृति में लगभग 10 हजार वर्गफुट के वातानुकूलित सभागार का निर्माण सवा करोड़ रुपए से अधिक की लागत से कराया है। यह सभागार धार्मिक, वैवाहिक एवं सामाजिक आयोजनों में उपयोग में लिया जाता है। इन आयोजनों से प्राप्त राशि गौ सेवा हेतु काम में ली जाती रहेगी। राजस्थान के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री एम.ए. खान (दुर्रुमियां) एवं जयपुर की तत्कालीन महापौर ज्योति खंडेलवाल भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए श्री बाहेती को एक हंसी-हजार जिंदगी अलंकरण से सम्मानित कर चुके हैं। श्री बाहेती की संवेदनशीलता, दयालुता, विनम्रता और दूसरों की मदद करने की आदत को देखते हुए सबके मुंह से यही दुआ निकलती है कि वे शतायु हों।

कड़ी मेहनत व अपनों का साथ बना सफलता का आधार - रमेश गाँधी

फेडरेशन ऑफ पेपर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FPTA) देशभर के सुस्थापित पेपर्स व्यवसायियों की एक प्रतिष्ठित राष्ट्र स्तरीय संस्था है, जिसके देशभर में लगभग 5500 से अधिक सदस्य हैं। FPTA द्वारा गत 5 मार्च को समस्त सदस्यों के मार्गदर्शन के लिये ''सक्सेस मंत्र फार ए प्रोस्पेरस फेमिली बिजनेस'' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में 150 से अधिक पेपर मिल के प्रतिनिधि के रूप में देशभर में अपने कई कार्यालयों के माध्यम से पेपर व्यवसाय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही कम्पनी ''आर.ए. क्राफ्ट पेपर प्रा.लि.'' के संचालक रमेश गाँधी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। आईये जानते हैं ''व्यावसायिक सफलता के मंत्र'' श्री गाँधी की जुबानी जो उन्होंने इस वेबीनार में दिये थे।

मेरा जन्म सन् 1951 में एक छोटे से कस्बे मलकापुर (अकोला) में हुआ। वहीं रहते हुए एम.कॉम तक शिक्षा ग्रहण की, जिसमें मैं एक एवरेज विद्यार्थी ही रहा। हम सात भाई व तीन बहन थे, ऐसे में आप अंदाज लगा सकते हैं कि हमारी आर्थिक स्थिति कैसी थी? अतः आत्मनिर्भर होने हेतु शिक्षा के दौरान एक छोटी सी किराना दुकान पर गोली बिस्किट तक बेचे। हमारे परिवार का कोई सशक्त व्यावसायिक बेकग्राउंड नहीं था, इसलिये हमारी सोच एक अच्छी नौकरी कर पैसा कमाने तक सीमित थी। अतः मैं नौकरी तलाश रहा था और ऐसे में मैंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में नौकरी के लिये आवेदन किया तथा साक्षात्कार के लिये मुम्बई गया। वहाँ जाकर मैं समझ गया था कि मुम्बई में मैं कुछ बन सकता हूँ, जबकि अकोला में अच्छा जीवन सम्भव नहीं था। इसी सोच के चलते मुम्बई में एक प्रायवेट फर्म में नौकरी प्रारम्भ कर दी और मुम्बई शिफ्ट हो गया। सन् 1975 से 78 तक मुम्बई में रहा। इस दौरान मुम्बई की लाईफ स्टाईल व वहाँ के लोगों का संघर्ष देखा जो मेरे लिये प्रेरक था।

फिर आया जीवन में मोड़

जब मैं मुम्बई में नौकरी कर रहा था तभी 17 जून 1978 को मेरा विवाह हो गया। बॉस की समझाइश के बावजूद मुझे मुम्बई छोड़ना पड़ा क्योंकि मात्र 700 रुपये की सेलरी में मुम्बई में परिवार सहित रहना सम्भव नहीं था। मेरे ससुरजी नागपुर के अत्यन्त सम्पन्न व्यक्तियों में से एक थे। अतः ऐसी स्थिति में मैंने उनसे चर्चा की। उनके परामर्श के अनुसार मैंने 7 जनवरी 1979 को नागपुर में आर.एस. इन्टरप्राइजेस के नाम से दुकान प्रारम्भ की। फिर मैं परिवार सहित नागपुर आ गया। यहाँ मुझे ससुरजी का काफी मोरल सपोर्ट मिला। उनके अपने सिद्धांत थे, जो उनके समयानुकूल थे। वे धन संरक्षण में विश्वास रखते थे। अतः उनका एक ही फंडा था व्यवसाय में उधार लाओ और नकद बचाओ। लेकिन मेरे पास पैसा नहीं था, ऐसे में न तो उधार लेने की मेरी हिम्मत थी और न ही पहचान।

मेहनत व मित्रता बनी सफलता का मूलमंत्र

अब व्यवसाय की चुनौतियों में रोज-रोज ससुरजी के पास जाना अच्छा नहीं लग रहा था और उनका सिद्धांत मेरे काम नहीं आ रहा था। अतः मैंने कड़ी मेहनत करने का निर्णय कर लिये। बस मैंने एक - एक प्रेस जाकर कागज की रिम बेचना प्रारम्भ कर दिया। अलग - अलग शहरों में कॉपियाँ भी बनाई और टीएलओ भी बेचा। इस दौरान मुम्बई आने-जाने का मौका भी मिलता था। इसी से वहाँ मेरी मित्रता रामअवतार अगरवाल से हुई, जो हरियाणा पेपर के स्थापित विक्रेता थे। एक बार मैंने हिम्मत कर दो वेगन पेपर मंगा लिया, जिसकी कीमत 3 लाख 50 हजार रुपये थी। दुर्भाग्य से रिजेक्टेड कागज के बंडल वहाँ पहुँचे। मेरे लिये 35 मी.टन रिजेक्टेड कागज को बेचना चुनौती बन गया। मैं 5000 रुपये क्लेम करने की सोच रहा था लेकिन ऐसे में मेरे मित्र श्री अगरवाल मेरे लिये फरिश्ता बन सामने आये। उन्होंने दिलेरी दिखाकर मुझे 4 रुपये प्रति कि.ग्रा. का क्लेम दिलाया। इससे मुझे बहुत राहत मिली।

फिर बढ़े शिखर की ओर कदम

अगले दिन हम दोनों एक प्रिंटर से मिलने पहुँचे, जिन्होंने कुछ अलग साईज के कागज का आर्डर दिया था। उनका व्यवसाय मुम्बई व नागपुर दोनों जगह था। अतः मैंने उनके सामने वापस नागपुर आने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने मेरे निर्णय का स्वागत किया। अब हमने आर.ए. इन्टरप्राइजेस नाम से नागपुर में फर्म प्रारम्भ कर दी, जिसके लिये नागपुर पेपर मिल की एजेंसी ले ली। उस समय कोरगेटेड पेपर का साईज बहुत छोटा था, लेकिन धीरे-धीरे मुम्बई में बड़ा मार्केट मिलने से आनंद आने लगा। फिर मैंने अपने परिवार को भी नागपुर से मुम्बई स्थानांतरित कर लिया।

दुर्घटना ने फिर पहुँचाया नागपुर

दुर्भाग्य से 14 सितम्बर 1986 में मेरा बहुत बड़ा एक्सीडेंट हो गया और मुझे डेढ़ माह तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इसमें मेरी समस्त जमा पूंजी समाप्त हो गई। उस कठिन दौर में मेरा कोई सहयोगी नहीं बचा। मेरी पार्टनरशिप टूट गई और मेरी एजेंसी भी जाने के कगार पर थी। बिक्री भी लगभग खत्म ही हो गई थी। मेरा मुम्बई ऑफिस पूरा बर्बाद हो गया था। हमने धीरे-धीरे फिर काम प्रारम्भ किया। इस कठिन दौर में धर्मपत्नी व ससुरजी का ही नैतिक सहयोग था। इन स्थितियों में ससुरजी ने मुझे पुनः नागपुर लौट जाने की सलाह दी। छोटा भाई राजेश जो अभी मुम्बई आफिस देख रहा है, वह इस दौर में मेरे साथ आ गया। भाई प्रशांत भी सहयोगी बना और हमने पुनः नागपुर से व्यवसाय की शुरुआत कर दी। धीरे-धीरे व्यवसाय फिर चलने लगा। औरंगाबाद पेपर मिल के बादलजी और वाघलेजी ने साथ दिया। औरंगाबाद पेपर मिल के कागज का मुम्बई व औरंगाबाद में मूल्य अलग था। औरगाबाद में यह 30 पैसा कम था और वहाँ इनका कोई एजेंट भी नहीं था। अतः हमने औरंगाबाद में भी अपना ऑफिस प्रारम्भ कर दिया। वहाँ का कार्यालय चचेरे भाई को सौंपा और आसपास का मार्केट भी कवर कर लिया।

ऐसे हुआ व्यवसाय का विस्तार

फिर धीरे-धीरे एजेंसियों का विस्तार करते गये। हमने नाथ पेपर मिल तथा अमेया पेपर मिल की एजेंसी भी ले ली। नासिक में ग्रेफा सेशन में पेपर की काफी खपत होती थी, तो पैसा भी मिलने लगा। अतः वर्ष 1989 में पहली बार हमने मुम्बई में एक छोटा सा ऑफिस ले लिया क्योंकि अभी तक तो टेबल लगाकर ही अपना व्यवसाय करते थे और पेइंगगेस्ट के रूप में रहते थे। काम चलने लगा तो भाई अशोक भी साथ आ गया और नागपुर ऑफिस वो देखने लगा। नासिक की वजह से व्यवसाय में तेजी से वृद्धि हुई। हमारी औरंगाबाद पेपर मिल की एजेंसी "हिन्दुस्तान लीवर" में एप्रूव्ड थी, इस वजह से हमने कोल्हापुर ऑफिस भी प्रारम्भ किया तथा वहाँ दरकजी को बैठा दिया। धीरे-धीरे परिवार के सदस्यों को काम मिलता रहा और 7 में से 2 दिन नागपुर और 5 दिन अन्य शहरों में होते हुए पूणे व कोल्हापुर तक जाते थे। इस तरह हमने परिवार के सदस्यों का सहयोग लिया और व्यवसाय का विस्तार करते चले गये। वर्तमान में नागपुर, औरंगाबाद, नासिक, कोल्हापुर, पुणे, हैदराबाद, इन्दौर व वापी आदि में हमारी कंपनी के कार्यालय हैं तथा 150 से अधिक कागज मिलों की एजेंसी हमारी कम्पनी के पास है।

सभी के सहयोग से ही मिली सफलता

वर्तमान में मैं देशभर में 10 से 12 ऑफिस का संचालन कर रहा हूँ और इनके द्वारा 150 से अधिक कागज मिलों के प्रतिनिधि के रूप में सेवा दी जाती है। इस सफलता के शिखर पर पहुँचने के बाद भी मैं गर्व के साथ कहता हूँ कि इसका श्रेय मेरे अपनों को जाता है। मेरे विकट दौर में मुझे धर्मपत्नी तथा ससुरजी का जो सहयोग मिला, उसके बिना यह सफलता सम्भव नहीं थी। ससुरजी ने तो सदैव ही एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। मैं मित्र श्री अगरवाल का भी आभारी हूँ। वर्तमान में मैं व्यावसायिक कारणों से यूएसए, यूरोप, खाड़ी देश, इंडोनेशिया,

मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका आदि स्थानों का भ्रमण कर चुका हूँ। वास्तव में आज भी इस व्यवसाय में मेरे परिवार का योगदान है। वर्तमान दौर में जहाँ भाई-भाई का नहीं होता वहाँ न सिर्फ हम भाई बल्कि पुत्र, भतीजे तथा जवाई भी मिलकर इस व्यवसाय को सम्भाल रहे हैं और वह भी पूरे सामंजस्य के साथ। हम सभी को यही शिक्षा देते हैं कि पैसा बहुत कुछ है लेकिन सब कुछ नहीं है। अतः रिश्ते सबसे ऊपर हैं।

क्यों नहीं लगाई स्वयं ने मिल

हमेशा से मेरी सोच स्पष्ट रही कि मैं स्वयं पेपर व्यवसाय में होने के बावजूद कभी पेपर मिल नहीं लगाऊँगा और आज भी मैं इसी पर दृढ़ हूँ। कई लोगों ने मुझसे पूछा कि इतनी सारी मिलों की एजेंसी हैं और लगभग 25 हजार टन कागज का व्यवसाय करते हो, फिर स्वयं की मिल प्रारम्भ क्यों नहीं की। मैं उन्हें एक ही बात कहता हूँ कि दूध पीना है, तो भैंस बांधने की जरूरत ही नहीं होती। हम चाहें तो सफेद गाय का दूध भी पी सकते हैं और काली भैंस का भी। यही स्थिति व्यवसाय में है, हम कई मिलों का कागज बेचते हैं। जिन्हें जो पसंद आजा है, वे वह खरीदते हैं। मेरा एक ही सिद्धांत है ईमानदारी से काम करो, कोई शॉर्टकट मत अपनाओ। गलत पैसा मत कमाओ। ईमानदारी से पैसा दो। जब गलत पैसा ले नहीं रहे हो, तो गलत दो भी मत।

बेटे ने सीमा पार पहुँचाया व्यवसाय

नई पीढ़ी कब तैयार हुई पता ही नहीं चला लेकिन उसने भी हमारे पारिवारिक व्यवसाय को पंख अवश्य लगा दिये। बेटे राहुल ने बी.कॉम कर फिर एफएमडी किया और स्वयं भी अपने पारिवारिक व्यवसाय में उतर गया और स्वयं बाम्बे शिफ्ट हो गया। हमारे एक मित्र विशाल धवन कनाडा शिफ्ट हो गये थे, लेकिन हमारा हमेशा अच्छा सम्पर्क बना रहे। उन्होंने कनाडा से पेपर इम्पोर्ट करने का ऑफर दिया। इस व्यवसाय को भी प्रारंभ कर दिया। कनाडा और अमेरिका गये तो वहाँ का व्यवसाय देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। राहुल ने वहाँ बड़ी मेहनत व लगन से व्यवसाय का अच्छा विस्तार कर लिया था। कारण यह था कि हम जिस मिल का काम करते थे, उसी को इम्पोर्टेड पेपर भी देते थे। अब यूएसए, यूरोप तथा खाड़ी देशों से भी कागज इम्पोर्ट करते हैं।

सुधार घर से करें

लोग (नेता) कहते हैं देश सुधारो। मेरा मानना है पहले घर सुधारों अपने परिवार सदस्य को काम दो, अच्छे संस्कार, पैसा, प्लेटफार्म, इंफ्रास्ट्रक्चर दो कि पूर्ण क्षमता से काम हो तो बहुत कुछ संभव है। सभी संभव तो इस संसार में कुछ नहीं है, फिर पूर्णता की उम्मीद हम क्यों करें।

पारिवारिक व्यवसाय सौभाग्य

यदि पुत्र अपने पिता का व्यवसाय चाहता है तो उससे भाग्यशाली कोई हो ही नहीं सकता, क्योंकि उसमें होश, पिता का अनुभव, पैसा, उद्देश्य, ऊंच-नीच का प्रभाव व पुत्र का जोश, नई सोच शिक्षा, कम्प्यूटराइजेशन, उमंग, डिजिटलाईजेशन का संगम हो जावे तो सोने पे सुहागा होता है। उसमें तरक्की निश्चित है।

बच्चों में करें संस्कारों का रोपण

अतः उसे ऐसे संस्कार व परस्पर चाहत पैदा करे कि तेरा मेरा ना करे। यह अंसभव नहीं बस कठिन जरूर है। आज भी हमारे यहां प्रथम 'जय श्री गणेश' से संबोधित करते हैं। हमारे मुसलमान भाई, ग्राहक व मिलनेवाले भी यही करते है। यह हमारे आराध्य देव के प्रति समर्थन है। अच्छी भावना व आत्मीयता से बात करते हैं जो हमारे वार्तालाप को सरल व सुगम बनाता है।

सभी को लें साथ

आज भी हमारे यहां गणेश जी का पर्व पूरे 9 दिन बड़े उत्साह व धूमधाम से मनाया जाता है। उसमें सभी घर के सदस्य भाई, बहन, भतीजी, भाभी आते हैं व प्रथम (स्थापना के बाद) शनिवार को सभी एकत्र होते हैं। इसमें नागपुर के सभी व्यवसायी, परिचित, मित्र, रिश्तेदार सहित 1000 लोगों का सामूहिक पूजा एवं प्रसादी होता है। आज पूर्ण नागपुर में प्रसाद होता है, जो पिछले 25 वर्षों हमारे यहाँ से चलता आ रहा है। श्री गणेश जी की परमकृपा से ही हमारा यह व्यवसाय, परिवार, पैसा, प्रतिष्ठा फलफूल रहे है। आज इसे देखकर नागपुर में 15 जगह गणेश जी की स्थापना व प्रसादी का कार्यक्रम होता हैं।

तन-मन स्वस्थ जरूरी

यदि हमने आधे मन से काम किया शार्ट कट से पैसा कमाया और काम किया तो फल भी आधे व कच्चे मिलेंगे। आज भी हमारे यहां हर सदस्य सुबह प्राणायाम, ध्यान, व्यायाम आदि 30 मिनिट से 90 मिनिट तक करते ही हैं। सुबह 15 मिनट से 90 मिनट पूजा-ध्यान करते हैं, जो हमारे तन, मन को एकाग्रता लाता है। हमारा वास्तविक लक्ष्य है इज्जत से पैसा कमाना व घर में शांति, स्वस्थ रहना, सिर्फ पैसा कमाना नहीं। यही हम तन, मन,धन से काम शिद्दत (लगन) से करे तो हमें अपार सफलता मिल सकती है।

परिवार की भविष्य निधि

बच्चों के संस्कार, सेहत, पारिवारिक, समाज का भी ख्याल रखें। यह उनकी भविष्य निधि है। निरंतरता उसी धंधे, व्यवसाय में हमें अनुभव व ऊंच-नीच जोखिम का ध्यान दिलाती है तथा निर्णय लेने में सहायता करती है। इसमें समय के साथ हमारे पास अनुभव, पैसा, जानकारी, पारिवारिक संलग्नता, घर के लोगों की काम व रिस्क लेने की एबिलिटी आदि का पता चलता है। उस अनुसार हम पारिवारिक सदस्यों को काम दे सकते हैं। ऐसा कराकर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है।

कोई भी काम बुरा नहीं

मेरे मत से कोई भी काम अच्छा या बुरा नहीं होता। करने वाला अच्छा या बुरा होता है। हर काम को सेटल होने में एक समय देना पड़ता है। यह प्राकृतिक नियम है। बच्चा भी 9 माह के बाद आता है। बड़ा होने में शिशु, बालक, किशोर, यौवन, प्रौढ़, बुढ़ापा, वैसे ही पौधे बीज, अंकुर, पौधा वृक्ष तना फल, फूल आदि प्रक्रिया से गुजरते हैं। इसमें हमारा कुछ नहीं चलता तो धंधे व्यवसाय में कैसे संभव है? सोचें।

कृतज्ञता रखें

आज के भौतिक युग में इंसान इतना स्वार्थी हो गया कि एक दूसरे का गला काटने पर उतारु हो गया है। किसी ने यदि हमारे लिये किया तो उसकी कृतज्ञता, उपकार, सद्भावना हम व्यक्त कर ही नहीं सकते व भूल जाते हैं। जैसे ही हमारा समय आता है हम भूल जाते हैं व उसकी मजबूरी का फायदा उठाकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। जैसे प्रकृति ने हमें क्या नहीं दिया हवा, पानी, अनाज, ठंडा, गरम, सूर्य की रोशनी, अन्न, धान्य किसी का कोई चार्ज है। उपकार है? नहीं नहीं क्योंकि हम इसमें गारेटेंड होते हैं इस लिये मोल नहीं करते।

राह जिंदगी की...

अप्रैल का महीना

परीक्षा का भूत सर पर सवार और फिर लंबी बहुप्रतिक्षित छुट्टियां

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

हमारे माहेश्वरी परिवार के बच्चों को परीक्षाओं के लिये शुभकामना। क्लासरूम के अंदर जो पढ़ाया गया, ट्यूशन क्लासों में जो रटाया गया और परिवार में अच्छे नंबर लाने के लिये जो डराया गया, उसकी परीक्षा और उस परीक्षा का परिणाम तो कुछ समय में आपके हाथों में होगा, उसका असर क्षणिक होगा, वह आपको जीवन के सफर में एक सीढ़ी ऊपर चढ़ा देगा। शैक्षणिक व्यवस्था के व्यवहारिक परिणामों को देखते हुए आप भी 'आगे पाठ पीछे सपाट' की राह पकड़ लेंगे।

जबाबदार पालकों और प्यारे बच्चों कक्षीय पढ़ाई के साथ-साथ बहुत जरूरी है कि हम अपना बहुमुखी विकास करें। शैक्षणिक योग्यता के साथ इतर कलाओं में भी पारंगत हों या उनकी थोड़ी बहुत जानकारी और उनमें दखल अवश्य हासिल करें। अभी प्रायः सभी बच्चों और किशोरों को लंबे अवकाश मिलेंगे। साल भर तो आप स्कूल पढ़ाई, ट्यूशन क्लास, टेस्ट, ट्यूटोरियल में व्यस्त रहते हैं उस पर स्कूल क्लासेस, पालकों का प्रेशर आपको अन्य गतिविधियों की ओर अग्रसर नहीं होने देता पर ये समय पूर्णतः आपका है, इसका सदुपयोग कीजिये।

आप कहेंगे क्या करें, कैसे करें

▸▸ आपने देखा है और आपको आदत भी है कि स्कूल में आपकी पढ़ाई टाइम टेबल के अनुसार होती है। आप भी पूरी छुट्टियों का इस तरह टाइम टेबल बनायें।

▸▸ खेल खेलने को अपने जीवन में और इस खाली समय में सबसे पहले स्थान देवें। खेल खेलने के अनेकों फायदे हैं। सर्वप्रथम तो इससे निर्मल आनंद की प्राप्ति होती है, ये शारीरिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण जरिया है, साथ ही आजकल थोड़ी सी बात पर बच्चों के ऊपर होने वाले मानसिक प्रभाव यथा इनफीरियरटरी कॉम्पलेक्स, टेंशन, डिप्रेशन से भी राहत मिलती है।

▸▸ आर्ट ऑफ रीडिंग और आर्ट ऑफ लिसनिंग को जाने, समझे और नियमित रूप से दिनचर्या में अपनाएं बिना व्यक्तित्व विकास असंभव है। अब तो ये सुविधा आपको घर बैठे मिल रही हैं। व्हाटसप के आधे अधूरे ज्ञान को छोड़कर अच्छी किताबें पढ़ें या ऐप के माध्यम से नियमित सुने।

▸▸ कलात्मकता जीवन को सुंदर और चरित्र को उदत्त बनाती है। इन छुट्टियों में इन कलाओं को विकसित कीजिये। नृत्य संगीत, ड्रामा, डिबेट, मोनोएक्टिंग, डांगि हैंडी क्राफ्ट कौशल को आरंभ करवायें। फिर जिसमें बच्चे की रुचि और संभावनायें दिखें उसमें आगे बढ़ायें।

▸▸ हार्ड स्किल तो स्कूल कॉलेज सिखा देते हैं। प्रायः इसके लिये बाहर से लोग खरीद भी लेते हैं परंतु जो सॉफ्ट स्किल हैं जो जीवन में सफलता के लिये बहुत आवश्यक है वह बाजार में बिकते भी नहीं और एक दिन में सीखे भी नहीं जा सकते। छुट्टियों में बच्चे अधिक समय आपके पास रहेंगे, उनमें इन गुणों का विकास करना पालकों, परिवारजनों और सामाजिक संस्थाओं की जवाबदारी है।

योग-मुद्रा

भारतीय शास्त्रों में ऐसी कई महत्वपूर्ण मुद्राएं हैं, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए कई तरह से लाभदायक हैं। उनमें से क्षेपन मुद्रा एक वरदान है क्योंकि यह हमारे शरीर, आत्मा और दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। रोजाना इस मुद्रा का अभ्यास करना हर उम्र के व्यक्ति के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

शरीर में जमे मैल को निकालती है क्षेपण मुद्रा

क्षेपण मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

कैसे करें - दोनों हाथों की तर्जनी उंगली को आपस में मिलाकर हाथ सीधे रखें और शेष तीनों उंगलियों और अंगूठों को आपस में फंसाकर इस प्रकार रखें कि उंगलियों का अग्रभाग दूसरे हाथ के पृष्ठ भाग से सट जाएं। जब बैठें तो तर्जनी उंगलियों की दिशा नीचे की ओर करें और लेटे हों तो पैरों की ओर। इस स्थिति में हाथों को ढीला छोड़ दें। इस मुद्रा में अपने श्वासों को देखें और ध्यान श्वास की रेचक क्रिया पर हो। इस मुद्रा के अभ्यास के दौरान उंगलियों को अधिक न दबाएं, बल्कि सामान्य रूप से मुद्रा रखें।

क्या है इसका लाभ - शरीर में जमी गंदगी को निकालने के लिए इस मुद्रा का विशेष महत्व है। कब्ज नहीं होती। बड़ी आंत ठीक से काम करती है। पसीना अच्छे से निकलता है। फेफड़ों से कार्बन डायआक्साईड अच्छी प्रकार से बाहर निकलती है। यह मुद्रा सभी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा, क्रोध, अटपटे विचार, मानसिक तनाव को समाप्त करती है और हमारे भीतर सकारात्मक सोच भरती है। सकारात्मक उर्जा का प्रवेश होता है। पांचों तत्त्वों का मल बाहर निकलता है। इसे उज्जायी प्राणायाम के साथ करने से अधिक लाभ होता है।

क्या रखें सावधानी - इस मुद्रा को अधिक देर तक न करें। केवल 7 से 8 श्वास प्रश्वास तक ही करें। क्योंकि अधिक देर तक करने से सकारात्मक ऊर्जा भी बन्द हो जाती है। अगर किसी की हाल ही में कोई सर्जरी हुई है तो उसे इस मुद्रा को नहीं करनी चाहिए। इस मुद्रा का अभ्यास करते समय नाक से ही सांस लें।

दांत मानव देह का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। कारण यह है कि यह हमारी देह के प्रवेश द्वार मुख में 3 स्थित होकर स्वास्थ्य के रक्षक की भूमिका निभाते हैं। हमारा संपूर्ण स्वास्थ्य इन्हीं पर निर्भर करता है। तो आइये जाने कैसे करें दांतों की देखभाल?

डॉ. कृष्णकुमार लाहोटी
नागपुर
97637-11501

डॉ. शिल्पा लाहोटी
नागपुर
97637-22501

कैसे करें दांतों की देखभाल

कहते है पहला सुख निरोगी काया। काया तभी निरोगी रहेगी जब हम अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देंगे। स्वस्थ शरीर हेतु आवश्यक है मजबूत और स्वस्थ दांत। दांत हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग हैं। मुख हमारे शरीर का मुख्य द्वार है इसे हम प्रवेश द्वार भी कह सकते है। इसलिए इसकी मजबूती और स्वच्छता का ध्यान रखना जरूरी है।

दांतों की मजबूती पर रखे ध्यान, अच्छी सेहत की यही पहचान।

यदि हमारे दांत स्वस्थ, मजबूत रहेंगे तो हम भोजन अच्छी तरह से चबा सकेंगे और भोजन अच्छी तरह से पचेगा। आजकल दांतों की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रही है। आज के युग में हमारा आहार, खाने पीने का समय, मीठा खाने की प्रवृत्ति निश्चित नहीं है। मीठा स्टिकी फूड जैसे चॉकलेट, केक, पेस्ट्रीज, आइसक्रीम खाने से दांतों की समस्याएं बढ़ रही है। हमें यह सब चीजें खाने के बाद कुल्ले करना चाहिए। हो सके तो यह सब ना खाते हुए रेशेदार पदार्थ लेना चाहिए जैसे दूध, फल, हरी सब्जियां, केला, पपई, अनार, गाजर, संतरा, मूली इत्यादि जिसमें विटामिन ए, बी, सी, डी, कैल्शियम, प्रोटीन भरपूर मात्रा में हो।

कब और कैसे करें ब्रश

सभी लोगों को सुबह और रात में सोने के पूर्व दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए। रात में सोते समय ब्रश करना आवश्यक है ताकि दातों में फंसे अन्नकण साफ हो सकें। ब्रश करने का सही तरीका जानने के लिए अपने दंत चिकित्सक का परामर्श लेवे। आड़े टेढ़े तरीके से दांत घिसने से भी मरीजों को दांतों में झनझनाहट होने लगती है और ठंडा या गर्म लगना शुरू हो जाता है। हमेशा ब्रश सामने के दातों में ऊपर नीचे यानी Up and down motion और पीछे के दांतों में Circular motion मे करना चाहिए। दांतों के बीच फंसे अन्नकण को निकालने के लिए पिन या Tooth Pick आदि का उपयोग ना करें। इससे दातों में अंतर (Gap) बढ़ने लगता है। Interdental brushes या dental floss का उपयोग किया जाना चाहिए। दांतों में सड़न या Cavity होने पर दर्द ना होते हुए भी तुरंत अपने दंत चिकित्सक को दिखा कर उसमें Fillings करवाना चाहिए। दर्द होने का इंतजार करने पर Cavity गहरी (Deep) हो जाती है। फिर उसमें रूट कैनल ट्रीटमेंट या दांत निकालना पड़ता है। याद रखें चिकित्सा से अधिक महत्वपूर्ण उनकी देखभाल है।

इन्हें न करें नजर अंदाज

मुँह में दुर्गंध आना तथा मसूड़ों से खून आने पर हमें दांतो की सफाई करवाना चाहिए। दांतों में गंदगी (Deposits) जमा होने पर यह समस्या आती है। आगे बढ़कर दांतों में पायोरिया (Pyorrhea) भी हो सकता है और दांत हिलने लगते हैं। काफी लोगों में यह भ्रांतियां देखी जाती है कि दांतों की सफाई करने से दांत ढीले हो जाते हैं, पर ऐसा नहीं है। दांतों में जमे गंदगी के कारण जीवाणु दांतों की हड्डी को गलाना शुरू करते हैं इससे मसूड़ों से खून निकलना शुरू हो जाता है। दातों में हड्डी गलने से (Gap) बन जाती है और दांत हिलना शुरू हो जाते है। इसलिए दांतों की सफाई करवाना जरूरी होता है। कुछ लोग कहते हैं कि दांत निकालने पर आंखों पर असर आता है पर यह भी सच नहीं है, यह भी एक भ्रांति है। धूम्रपान करना, गुटखा, तंबाखू, मीठी सुपारी खाना यह सब आजकल फैशन हो गया है। यह चीजें ज्यादा मात्रा में लेने से मुँह खुलना कम हो जाता है और आगे चलकर मुँह का कैंसर होने की संभावना बन जाती है, जो कि हमारी सेहत के लिए हानिकारक है। इससे हमें बचना चाहिए। पुराने जमाने में सारे दांतों को उखाड़ कर बत्तीसी बैठानी पढ़ती थी, किंतु अब नयी चिकित्सा प्रणाली से दांतों को बचाया जाता है तथा जितने दांत गिर गए हैं उतने ही नकली दांत Fix तथा निकालने वाले बनाए जा सकते है।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

प्रतियोगिता के दौर में अधिकांशत: हर माता-पिता अपने बच्चों को अन्य बच्चों की तुलना में अधिक सफल और ऊंचाई पर देखना चाहते हैं। अपने बच्चे में हुनर हो या न हो अगर कोई दूसरा बच्चा कुछ विशेष पढ़ाई/कार्य कर रहा हो तो उसका उदाहरण दे-देकर अपने बच्चे पर कुछ खास बनने और करने का दबाव बनाने लगते हैं। इसी क्रम में बच्चे का मन हो या ना हो भेड़चाल की तरह औरों की देखा देखी अपने बच्चे को अपने गांव/शहर से बाहर दूसरे शहर अथवा विदेश भेजकर उसको अपना कैरियर बनाने के लिए हरसंभव दबाब बनाते हैं। अब तो यह एक फैशन या आधुनिक शब्दों में स्टेटस सिंबल बनता जा रहा है। वही दूसरी ओर आमतौर पर लोग वर्तमान दौर की प्रतिस्पर्धा में इसे अनिवार्य भी मान रहे हैं। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि आवश्यक न होने पर भी बच्चों को पढ़ाई अथवा कैरियर के लिए घर-परिवार से दूर दूसरे शहर में भेजना उचित है अथवा अनुचित?आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए घर से दूर रखना उचित अथवा अनुचित?

परिपक्व बच्चे को ही बाहर पहुँचाऐं

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए माता-पिता बड़े यतन-जतन करते हैं। यह सोचकर कि जब वो बच्चों के साथ न हों तब उनके बच्चे को किसी भी तरह की परेशानी न हो। बच्चों को घर से दूर भेजने के विभिन्न कारण हो सकते हैं जैसे कि गांव या छोटे शहर में बच्चों की शिक्षा और कैरियर के लिए सुविधा नहीं हो तो मजबूरन माता-पिता को बच्चों को दूसरे बड़े शहर में भेजना ही पड़ता है। यह भी सच है कि कई शहरी माता-पिता आवश्यक न होने पर भी मात्र अपने स्टेटस सिंबल को बढ़ाने के लिए बच्चों को दूसरे शहर भेजने से नहीं चूकते; जो उचित नहीं है। जन्म से ही माता-पिता बच्चों को हरसम्भव सुविधाएं देने की कोशिश करते हैं। बच्चों की परवरिश में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रखते, बच्चों की हर इच्छा पलक झपकते ही पूरी करते हैं। यही बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो माता-पिता के लाड़-प्यार का नतीजा बच्चों के स्वभाव में दिखने लगता है। बच्चे पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। अब ऐसे बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए घर-परिवार से दूर भेजना जरूरी हो जाता है। अगर घर पर ही बच्चों को जिम्मेदारियां दी जाये तो बाहर भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पर आत्मनिर्भरता के साथ बच्चों में पारिवारिक धर्म-संस्कार-संस्कृति का होना भी अतिआवश्यक है जो बच्चों को परिवार में रहकर ही प्राप्त हो सकते हैं। बच्चों को घर से दूर भेजने का कारण कुछ भी हो पर बच्चों में जब परिपक्वता और समझदारी आ जाये तभी उन्हें घर से दूर किया जाना चाहिए। कच्ची उम्र में घर-परिवार से दूर करना बच्चों के लिए उचित नहीं। बच्चों को घर से दूर करना कहीं ना कहीं बाल-भावनाओं को चोट पहुंचाता है जो एक वक्त के बाद परिलक्षित होती है।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव (नाशिक)

अपना ईगो इसमें शामिल न करें

आज यह एक फैशन हो गया है कि बच्चों को बाहर शिक्षा के लिए भेजें। भले ही अपने गाँव या शहर में अच्छी शिक्षा मिल रही हो। यह एक देखा- देखी वाला कार्य है। अगर बच्चों में शिक्षण के प्रति लगाव है तो वह बच्चे कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो अच्छा पढ़ लेते हैं। जिन बच्चों को पढ़ना ही नही, उनको आप भले परदेश ही क्यो ना भेजो, वह ना पढ़ेंगे ना कुछ बनेंगे। आज हर व्यक्ति चाहता है कि उसके बच्चे आत्मनिर्भर हो मगर उसके लिए अपने बच्चे को अपने घर से दूर रखना यह उसका सही पर्याय नही हो सकता। अगर आपके गाँव-शहर के आसपास ही बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलती हो तो बच्चों को अपने नजदीक ही रखें, जिससे बच्चों का अपने परिवार से लगाव बना रहे और बच्चो पर आपका पूरा ध्यान रहे। बच्चे भी आजकल अपने दोस्त-मित्रों की देखा-देखी में अपने परिवार की आर्थिक हालत को ना देखते हुए घर से दूर रहने की जिद करते हैं वह भी सरासर गलत है। मेरी राय में अगर बच्चों को शुरुआत से ही यह सब बाते समझा सको तो इस समस्या से बहुत हद तक निजात पा सकते हैं। बच्चों को अपने घर से दूर ना रखते हुए भी उसका उज्वल भविष्य हम बना सकते हैं। बशर्ते यह सब अपनी प्रतिष्ठा और अपने ईगो से ना जोड़े तो बच्चों का भविष्य भी बनेगा और बच्चों को और आपको दोनों को एक-दूसरे का प्यार भी मिलेगा।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर (गुजरात)

आवश्यक न होने पर बाहर रहना अनुचित

मेरे मत में यदि हमारे गांव-कस्बे-शहर में अध्ययन की उचित सुविधाएं नहीं हैं तो ही अन्य शहर में हमें संतान को भेजना चाहिए। अन्यथा तो हमारे शहर में भी बाहर से बच्चे आते हैं तो हम क्यों नहीं पढ़ा सकते। बालक दूसरे स्थान पर निश्चित रूप से स्वच्छंदता का पाठ पढ़ रहे हैं। मेरी बुजुर्ग मां हमेशा कहती थी कि एक बार घर से बाहर रहने वाले का घर पर मन नहीं लगता है। यदि बच्चे भविष्य में अलग एकल परिवार बसाकर रहना चाहते हैं और मां-पिता की सहमति है तो समस्या नहीं है। हम आये दिन देखते हैं शैक्षिक कार्य के लिए अकेले रहने वाले बच्चों को अवसाद का शिकार हो कर आत्महत्याएं करने जैसे कायराना कदम उठाने की सोच आ रही है। अतः वैयक्तिक रूप में मैं परिवार के साथ रहने का पक्षधर हूँ।

❐ **प्रहलाद दास पारीक,** जयपुर (राज.)

जरूरत पर ही बाहर जाना ठीक

ये बच्चे की कार्यक्षमता पर निर्भर करेगा। हर एक माँ-बाप का सपना होता है कि उनकी औलाद स्वयं से अच्छी और समझदार हो। शैक्षणिक क्षेत्रों में बहुत आगे बढ़े। कोई भला उनका अच्छा क्यूँ नही सोचेगा। विषय है उन्हें आत्मनिर्भर बनाना, तो परिस्थित और सुविधाएं अगर मुहैया होती है तो बच्चा गाँव में रहकर भी ऊँचाइयाँ हासिल करेगा। अगर उसमें समय व कठिनाइयों का सामना करने की ताकत नही है तो घर से बाहर सुविधाओं में रहकर भी शून्य ही रहेगा। बच्चे की क्षमता और हुनर को ध्यान में रखकर लिया निर्णय सही साबित होगा। जिस तरह किसान का बेटा बचपन से ही खेती से जुड़ा होता है, उसे खेती में ही अपना भविष्य नज़र आता है। दूसरी ओर व्यापारी का बेटा बड़ी कंपनी का मालिक बनने के सपने साकार करने की कोशिश करते रहता है। कम्पनी की लागत से मार्केटिंग तक का हिसाब शुरू करने लगता है। इसमें व्यक्ति को सिर्फ दिमाग दौड़ाने की जरूरत होती है, ना ही दूर रहने की। चुनौतियों को स्वीकार करके स्पर्धा में अव्वल आना है तो गाँव क्या शहर क्या? अगर लगता है कि हमें सही मार्गदर्शन या कार्यशाला या काम करने के लिए लगने वाली फंडिंग यहां प्राप्त नहीं हो सकती तो ऐसे में घर से बाहर जाने में कोई बुराई नहीं।

❐ **मीना कलंत्री,** वसई, जिला-भायंदर

युवाओं को प्रगति के अवसर दें

वर्तमान काल प्रतिस्पर्धा का है। तकनीकी युग में समय के साथ चलने के लिए बच्चों को प्रगतिशील एवं आत्मनिर्भर बनना ही होगा। कक्षा बारहवीं तक बच्चे घर पर रहकर शिक्षा ग्रहण करें व उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर जाऐं। बच्चों को माता-पिता का मार्गदर्शन व संस्कार घर से मिलते हैं फिर घर से दूर रहकर उन्हें अच्छे बुरे का भान हो जाता है। बाहर रहकर अनुभव ग्रहण कर वे अपने परिवार के साथ रहकर भी स्वयं का उद्यम शुरू कर सकते हैं। आजकल के बच्चे बहुत ही जागरूक हैं कि उन्हें भविष्य में क्या करना है और कैसे? अभिभावकों का यह दायित्व होना चाहिए कि कैरियर बनाने के लिए युवाओं को बाहर भेज कर प्रोत्साहित करें।

❐ **अनुभि राठी,** रतलाम, (मध्यप्रदेश)

हमेशा नहीं बाहर पहुँचाना अनुचित?

यह प्रश्न अब एक ज्वलंत समस्या के रूप में उभर रहा है। बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए घर से दूर रखना तब अनुचित हो जाता है जब अभिभावक अपने बच्चों की प्रतिस्पर्धा दूसरे बच्चों से कर अथवा देखा - देखी या समाज में अपना स्टेटस दिखाने के लिए या फिर बच्चों की जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त करने के लिए ऐसा करते हैं। इससे बच्चों का कोमल मन आहत होता है और वे अपने परिवार से दूर होने लगते हैं। उनमें अनेक प्रकार के मनोविकार भी उत्पन्न हो जाते हैं और वे कई बार गलत संगत में भी फंस जाते हैं। परंतु यदि कहीं उच्च शिक्षा या किसी विशेष कार्य का प्रशिक्षण नहीं उपलब्ध हो रहा हो तब बच्चों को बाहर भेजकर उन्हें उसमें दक्ष कराना, उनके हुनर को निखार कर उज्ज्वल भविष्य प्रदान करना बिल्कुल उचित है। आवश्यक है अभिभावक सदैव अपने बच्चों को संस्कार सिखाएं, सही-गलत का फर्क समझाएं, स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने का भी प्रयत्न करें। तभी बच्चे दूर रहकर भी हमेशा परिवार से बंधे रहेंगे।

❐ **नेहा चितलांग्या,** मालदा (प.बंगाल)

बच्चे की रुचि अनुसार निर्णय सही

आधुनिक युग प्रतियोगिता का योग है और हर माता-पिता यही चाहते हैं कि हम जो नहीं कर पाए वह हमारा बच्चा कर ले और अपने साथ वह हमारा नाम भी रोशन करें। निसंदेह निसंदेह यह भावना गलत नहीं है क्योंकि बच्चों का कैरियर बनाना उन्हें एक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए एवं अपने अग्रिम भविष्य हेतु सफलता के सोपान पर अग्रसर करने के लिए उन्हें उन्नति की राह दिखाना आवश्यक है। परंतु इसी के चलते कभी-कभी माता-पिता इतने महत्वाकांक्षी हो जाते हैं कि वह बच्चे पर सब कुछ अपनी इच्छाओं को थोप कर उनकी रूचि को जाने बिना ही उन पर अनावश्यक दबाव डालते रहते हैं। वह भी इस तरह कि तुझे यह बनकर ही दिखाना है, हमारी यह इच्छा है। इस दबाव को लेकर वे उसे बाहर पढ़ाई हेतु भेजते हैं। इन सब के चलते कई बार तो बच्चे सफलता की राह पर चलकर कुछ बन जाते हैं परंतु कई बच्चे होमसिकनेस के चक्कर में डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं और इन सब का परिणाम हम अंततः सुसाइड के रूप में भी देखते हैं जो कि बहुत ही खतरनाक साबित होता है। अतः इस बारे में मेरा तो यही विचार है कि अगर बच्चे की रूचि है, बाहर जाकर पढ़ने की, तभी उसे पढ़ाई हेतु बाहर भेजें। अन्यथा जिनमें टैलेंट है वह बच्चे अपनी ही जगह रहकर शिक्षित और आत्मनिर्भर भी हो जाएंगे। बाहर रहकर ही बच्चे आत्मनिर्भर होंगे यह जरूरी नहीं है। अपने अच्छे संस्कारों द्वारा हम अपने घर पर रहकर भी बच्चों पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं, अच्छे संस्कार उनमें पैदा कर सकते हैं। प्रोफेशनल शिक्षा हेतु अगर आवश्यक है, बाहर भेजना, तब अवश्य बच्चों को भेजा जाए यह उचित है। परंतु बिल्कुल छोटे बच्चों को जो कि हॉस्टल में रहने को तैयार नहीं होते हैं और एक उम्र के हिसाब से उन्हें माता-पिता का सानिध्य एवं प्यार आवश्यक होता है तो उन पर मानसिक दबाव डालकर बाहर कतई नहीं भेजना चाहिए। बच्चे की रुचि को ही प्राथमिकता देनी चाहिए यही उचित है।

❐ **उर्मिला तापड़िया,** नोखा (बीकानेर)

बच्चों की पसंद अधिक महत्वपूर्ण

बच्चों की परवरिश और सुखद जीवन का सपना हर माता-पिता आँखों का सपना होता है। किन्तु वर्तमान समय में बच्चों की पढ़ाई, लिखाई, कैरियर माता-पिता की जिम्मेदारी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा बन गई है। वो हर हाल में अपने बच्चों को नम्बर वन की श्रेणी में देखना चाहते हैं। इस होड़ में चाहे बच्चों की मासूमियत और सपना गुम ही क्यों ना हो जाए। चाहे बच्चों में हुनर ना हो तो भी आधुनिक प्रचलन के लिए बच्चों को अपने से दूर करते हैं, जो कि गलत है। अगर बच्चे में हुनर होगा तो बच्चा कोयले की खदान में से हीरा ढूँढ लेगा, नहीं तो पीतल को भी सोना समझ लेगा। अपनी जिद्द की खातिर बच्चों पर दबाव डालना गलत है। हर माता-पिता को फैसले से पहले जरूर सोचना चाहिए कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की खातिर अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे है। बच्चों को एक मौका देकर उनके फैसले का सम्मान भी करना चाहिए। घर-परिवार और उज्ज्वल भविष्य का महत्व समझाते हुए मार्गदर्शन देना चाहिए, जिससे वो सही फैसले ले सकें। इससे उनके खुशहाल जीवन का हमारा सपना हकीकत बन सकेगा।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

पांडाल से अब खाने की सौंधी महक आने लगी थी। दूल्हा-दुल्हन हवन में बैठ गये थे। पुलिस के नाम से आधे से अधिक लोग वहाँ से सरक लिये। कौन पचड़े में पड़े? सौभाग्य से उसी वक्त पुलिस की एक जीप आकर रुकी। जीप से एक कांस्टेबल उतरा, चोर को खींचकर दो थप्पड़ जमाये एवं जीप में बिठाकर ले गया। तनेजा, गिरीशजी एवं कुछ मनचले भी एफआईआर लिखवाने साथ हो लिये।

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

सत्यमेव जयते

साँझ कब की बीत चुकी थी। रात्रि की दुल्हन नवश्रृंगार कर अपने प्रियतम की प्रतीक्षा में आँखें बिछाये खड़ी थी। तारों एवं नक्षत्रों से घिरा चतुर्दशी का युवक चन्द्र आसमान में यूँ बढ़ रहा था मानो कोई दूल्हा बारातियों को साथ लिये दुल्हन के घर की ओर भागा जा रहा हो।

अक्षय की बारात दुल्हन के घर से मात्र कुछ कदम दूर थी। बैंड-बाजे का शोर अब पहले से तेज होने लगा था। बारात एवं बाराती दोनों का उत्साह देखते बनता था। दूल्हे के मित्र, रिश्तेदार सभी थिरकने लगे थे। लक्ष्य का दर्शन न सिर्फ मार्ग की सारी पीड़ा हर लेता है, हमारे उत्साह, आनन्द एवं हौसले को भी दूना कर देता है। मि. तनेजा इतने प्रफुल्लित पहले कभी नहीं दिखे। पुत्र का विवाह किस पिता को गर्व एवं आनन्द से नहीं भरता।

आज सुबह ही दुल्हन के पिता ने उन्हें तिलक की मोटी रकम सुपुर्द की थी। मि. तनेजा बेकार की बातों में सर नहीं खपाते थे। वे पूर्णतः व्यावहारिक थे एवं अंग्रेजी की इस उक्ति को उन्होंने हृदय में उतार लिया था कि 'मनी मेक्स द मेअर गो'अर्थात् पैसे का काम पैसे से चलता है। संसार में धूलकणों की भाँति लोगों के स्वभाव भी असंख्य प्रकार के होते हैं।

अक्षय उनके दो पुत्रों में छोटा था, बड़ा विजय भी अक्षय की तरह एम.डी. था। विजय की शादी उन्होंने ठाट-बाट से चार वर्ष पूर्व ही की थी। लड़की भी डॉक्टर थी एवं लड़की के पिता शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति। और क्या चाहिए। कहीं भी सम्बन्ध करने के पूर्व तनेजा चाशनी के तीनों तार देख लेते थे। लड़की सुन्दर हो, पढ़ी-लिखी हो एवं धनी परिवार से हो। एक भी तार टूटता तो किनारा कर लेते। विजय की शादी में उन्हें प्रयास तो करने पड़े, पर अन्ततः मनवांछित घर मिल गया। उस दिन उनकी आँखों की चमक देखने लायक थी। अंतःकरण फूल की तरह खिल उठा था। गर्व से उन्होंने मिसेज तनेजा से कहा, 'देखा! मैं काँटा डालता हूँ तो सोने की मछली फँसती है।' मिसेज तनेजा व्यवहार कुशलता में उनसे दो कदम आगे थी, चहक कर बोली, 'आपकी बात ही कुछ और है।'

मि. तनेजा जीवन बीमा निगम से दो वर्ष पूर्व रिटायर हुए थे। हर माह अच्छी पेंशन मिल जाती थी, मिसेज तनेजा भी सरकारी स्कूल में टीचर थी। दोनों धन को ऐसे सेते जैसे पक्षी अण्डों को। जैसे मछलियों के लिए जल जीवन होता है, धन उनका जीवन आधार था। दोनों ने सारी उम्र जोड़-तोड़ कर धन को दो दूनी चार करने का प्रयास किया पर उन्हें इच्छित सफलता नहीं मिली। पुत्र उनकी अभिलाषाओं के केन्द्रबिन्दु थे। तनेजा अच्छी तरह जानते थे कि इन हुण्डियों को भुनाकर ही वे आर्थिक समृद्धि का महल खड़ा कर सकते हैं। विजय की शादी में उनके विचार सार्थक भी हुए।

अक्षय के विवाह करवाने में मि. तनेजा को पापड़ बेलने पड़ गये। एक तो कद में वह माँ पर चला गया, मात्र पाँच फुट चार इंच था, दूसरे उसके मित्र लफाड़ी थे। जब-तब बीयर बार में बैठा शराब पीता रहता। समाज के सयानों से कौन-सी बात छिपी है। इन्हीं आदतों के चलते वह बदनाम हो गया। तनेजा को अपना स्वप्न महल बिखरता लगा। एक दिन जमकर लताड़ा, 'एक तो तू टिंगू है, ऊपर से ये कारनामे, करेला नीम चढ़ा। यह मत सोच लेना कि मात्र डॉक्टर बन जाने से अच्छी लड़की मिल जाएगी। अब सबके एक-दो बच्चे होते हैं एवं सभी सारे गुण देखते हैं।'

अक्षय ने इस झिड़की के बाद शराब छोड़ दी, पर अच्छे घर वाले अब भी 'रेस्पॉन्ड' नहीं कर रहे थे। कलंक काले तिल की तरह चमड़ी से चिपक जाता है।

मि. तनेजा ने प्रयास और बढ़ाये। मियाँ-बीबी बादलों में घौंसला बनाते रहते पर यहाँ मंसूबे खाक होते नजर आ रहे थे। अखबारों में विज्ञापन दिये, कई रिश्तेदारों को कहा, पर यहाँ उनकी चाशनी के तार टूट गए। लड़का दिन-ब-दिन उम्र ले रहा था। उसके गुलाबी गाल अब पिचकने लगे थे। अंततः तनेजा ने हार-थक कर पास ही गाँव के एक पटवारी के यहाँ रिश्ता तय कर दिया। लड़की बी.ए. एवं रूपरंग में साधारण थी। तनेजा जानते थे यहाँ औपचारिकता भर दहेज आएगा पर तनेजा की तकदीर तो विधाता ने सोने की कलम से लिखी थी।

आज सुबह पटवारी ने तिलक दिया तो तनेजा ठगे रह गए। कलेजा दूना हो गया। विजय की शादी में मिले तिलक से भी यह रकम अधिक थी। भाग्य का छींका टूटने पर बिल्ली की खुशी का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब उन्हें पता चला पटवारी किस बला का नाम है। रिश्वतखोरी कितना ही घृणित कृत्य क्यों न हो, समाजवाद का पुरजोर पोषक एवं गरीबी-अमीरी की खाई पाटने वाला मजबूत सेतु भी है। जिस आर्थिक साम्यता को लाने के लिए बड़े-बड़े अर्थवेत्ता एवं राजनीतिज्ञ खप गए, रिश्वतखोरी ने चट से कर

दिखाया। समाजशास्त्री एवं कानून चाहे जो कहे, रिश्वतखोरी ने कई गरीबों को अमीर बनाया है, अनेक फकीरों को 'प्लेस आफ प्राइड' दिया है अन्यथा पटवारी फटी शर्ट पहने साइकिल पर पैडल मारते नज़र आते थे। एक रिश्वतखोर पटवारी एक ईमानदार कलेक्टर पर भारी पड़ता है।

मि. तनेजा ने बारात चलने के पहले ही जेब में पचास हजार रुपये रख लिये थे। आज उनकी चिरसंचित तमन्नाओं एवं अरमानों को वो दिल खोलकर दिखाना चाहते थे। गाँठ से लाते तो कुछ तकलीफ होती पर यह रकम तो तिलक का अंशमात्र थी। सोचा आज जी भर कर खर्च करूंगा। जो मांगेगा उसे बधाई दूंगा, बच्चे डाँस करेंगे तो उन पर पाँच-पाँच सौ के नोट वारूंगा। यही सोचते पूरा रास्ता निकल गया, उन्होंने जेब को हवा नहीं लगने दी। वे बार-बार रुपये निकालते एवं अंदर रख लेते। इसी कशमकश में किसी की नजर उन पर पड़ गई।

बारात दुल्हन के घर के ठीक सामने थी। सामने सुन्दर परिधानों में सजी स्त्रियाँ मंगल गीत गा रही थी। दूल्हे के श्वसुर एवं रिश्तेदार निरीह प्राणियों की तरह हाथ जोड़े खड़े थे। हेलोज़न लाइटों की रोशनी में वातावरण जगमगा रहा था। अक्षय के मित्र, रिश्तेदार सभी जोर-शोर से डांस में लगे थे। तनेजा के मुखमण्डल की प्रसन्नता देखते बनती थी। अपने मोटे, वायु भरे बेडौल शरीर के साथ वे डांस तो नहीं कर सकते थे पर उत्सव के नशे में उनकी आँखें नाच रही थीं।

अब विजय एवं उसकी पत्नी नृत्य कर रहे थे। दोनों को डांस करते देख तनेजा के मन-मयूर में हूक उठी। रुपये वारने का इससे अच्छा अवसर क्या हो सकता था? भावावेश में उन्होंने जेब में हाथ डाला तो ऊपर की सांस ऊपर एवं नीचे की नीचे रह गई। चेहरे का रंग उड़ गया। कोई उनकी जेब से रुपये खींच रहा था। क्षण भर के लिए उनकी आवाज़ बन्द हो गई, चेहरे पर खिलता बसन्त पतझड़ में तब्दीलहो गया।

तनेजा के प्राण आठ आँखों से धन की रक्षा करते थे। पत्ता खड़कते ही जैसे शिकारी सावधान हो जाता है, वे तुरन्त जागे, बिजली की फुर्ती से इधर-उधर देखा एवं जोर से चिल्लाये, 'चोर! ... चोर! ... चोर !' चोर भी बहत्तर घाट का पानी पिया हुआ था। उसने रुपये अपने साथी को पकड़ाये जो धावक की तरह पलक झपकते अदृश्य हो गया। वह खुद भी रफूचक्कर होने में था लेकिन दुर्भाग्य! आज उसके पाँव में शनि आ गया। सामने से आते एक ट्रक ने उसका रास्ता रोक लिया एवं देखते ही देखते अक्षय के मित्रों ने उसे धर दबोचा। आनंद और उत्साह का सारा माहौल विस्मय एवं विषाद से भर गया। सभी लोगों ने अपनी-अपनी जेबें टटोली तो दो तीन और लोगों के पर्स गायब थे। अब तो अफरातफरी मच गई। रंग में भंग पड़ गया।

दूल्हे के मित्र चोर को पकड़कर पाण्डाल में ले आये। डांस वगैरह सब बंद हो गये। चोर बारातियों एवं घरातियों से घिरा था। सभी ने उसकी मजबूत किलेबंदी कर ली थी अन्यथा चोर का क्या भरोसा, निगाह चूके और फरार। बीयर पीये हुए दूल्हे के कुछ साथी आगे बढ़े एवं जूतम पैजार प्रारंभ कर दी गई। कोई थप्पड़ तो कोई जूतों-लातों से तो कोई घन की तरह घूँसे बरसाने लगा। चोर निढ़ाल होकर नीचे गिरा, पर तुरन्त सम्हल कर खड़ा हो गया। एक लम्बी सांस लेकर बोला, 'जय माता दी !' अब माता ही उसका अवलंब थी। अक्षय के मित्र हरीश ने उसकी कॉलर पकड़कर कहा, 'बता! तेरा साथी कहाँ है? या तो रुपये वापस करवा दे, नहीं तो खैर नहीं!' इतना कहकर उसने एक थप्पड़ और लगाई। जवान का थप्पड़ था, चोर गिरते-गिरते बचा, फिर सम्हलकर बोला, 'जय माता दी!' इसी दरम्यान दूल्हे के चाचा गिरीशजी सबको एक तरफ कर वहाँ आये। उनका भी पर्स आज पार हो गया था। पर्स में रुपये तो अधिक नहीं थे पर देर रात जाने वाली ट्रेन के रिजर्वेशन टिकट भी साथ चले गए। कल उनके प्रमोशन का साक्षात्कार था। अतः आज रात उनका जाना जरूरी था।

गिरीशजी दो पसली कमजोर दिल व्यक्ति थे। स्थानीय सरकारी स्कूल में हिन्दी के अध्यापक थे। रिश्तों में अक्सर उनकी बुज़दिली की चर्चा होती। विजय के विवाह में चूहे से डरकर उन्होंने कमरा बंद कर लिया था। औरतों ने तब उनके खूब चटकारे लिये। जीवन में जब-जब उन्होंने साहसी होने का प्रयास किया दुर्गत करवायी। उनकी और मज़ाक बनी। यह कुण्ठा उन्हें खाये जाती थी। वीरता दिखाने एवं ताल ठोकने का इससे सुनहरा मौका क्या हो सकता था, भीड़ में अच्छे-अच्छों का पौरुष जाग जाता है। आज उन्होंने भी खुलकर हाथ बरसाये, 'साले! अपने आपको समझता क्या है? मैं तो खुद पुलिस हूँ। यहाँ डकैतों तक से उगलवा लेते हैं, तू किस खेत की मूली है!' पुलिस के नाम से चोर की बाँछें खिल गई पर उसके शातिर दिमाग ने पल भर में जान लिया, यह फिसड्डी पुलिस में नहीं हो सकता। पुनः लंबी सांस भरकर बोला, 'जय माता दी!' वह मजबूत कद-काठी का था। जैसे हाथी पर फेंके हुए छोटे-बड़े पत्थरों का उस पर असर नहीं होता, यही हाल चोर का था। बीच-बीच में अन्य लोग भी मारे जा रहे थे पर वह हर बार 'जय माता दी' दुहराये जा रहा था। इसी दरम्यान गिरीशजी ने एक और घूँसा दना। इतने कमजोर आदमी से आहत होकर चोर का आत्मसम्मान जाग उठा। उसने भाले की तरह नुकीली आँखों से घूर कर उन्हें देखा। गिरीशजी के हाथ-पाँव फूल गये। चोर की आँखें मानो कह रही थी, 'मैं इतनी नरम घास नहीं हूँ जिसे हर जानवर खा सके।'

मौके की नज़ाकत देख गिरीशजी ने कूटनीति से काम लेना मुनासिब समझा। चोर को एक तरफ ले गये एवं बोले, 'ऐसा कर! तू मेरा पर्स दे दे। पर्स नहीं दे सकता तो मेरा रिजर्वेशन टिकट ही दे दे, मैं तुझे छुड़वा दूंगा।' उन्होंने गर्दन नापने की पूरी कोशिश की, हर तरह की बूटी सुंघाई, लेकिन पीसे हुए को पीसने के समान उनके प्रयास निरर्थक सिद्ध हुए। वे पानी पर लाठी मारते रह गये, उनके हाथ कुछ न लगा। उनकी निरीह अवस्था देखकर चोर एक बार पसीजा भी पर उसके चतुर दिमाग ने तुरत भाँप लिया कि एक चोरी खुलते ही सब कुछ खुल जाएगा। इतने लंबे समय बाद उसने आवाज खोली, 'मैं चोरी करने आया था पर मैंने कोई पर्स नहीं चुराया। रुपये लेकर भागने वाला कोई और था।'

गिरीशजी चोर को पुनः भीड़ के बीच ले आये। सभी ने हर सम्भव प्रयास किये, हर नीति का प्रयोग किया, चिकनी-चुपड़ी बातें करके समझाने का प्रयास किया पर चोर टस से मस नहीं हुआ। न वह बातों से माना न लातों से। अपने साथी के विश्वास की उसने पूरी लाज रखी। इसी दरम्यान बारात में आये किसी वकील ने राय दी, 'इसे पुलिस में दे दो, वो सब उगलवा लेंगे। कानून हाथ में लेना ठीक नहीं है।'

पांडाल से अब खाने की सौंधी महक आने लगी थी। दूल्हे-दुल्हन हवन में बैठ गये थे।

पुलिस के नाम से आधे से अधिक लोग वहाँ से सरक लिये। कौन पचड़े में पड़े। सौभाग्य से उसी वक्त पुलिस की एक जीप आकर रुकी। जीप से एक कांस्टेबल उतरा, चोर को खींचकर दो थप्पड़ जमाये एवं जीप में बिठाकर ले गया। तनेजा, गिरीशजी एवं कुछ मनचले भी एफआईआर लिखवाने साथ हो लिये।

रिसेप्शन में आज इसी बात की चर्चा थी। जितने मुँह उतनी बातें। प्रबुद्ध वर्ग चोरी के कारणों का विवेचन कर रहा था तो अन्य कानून व्यवस्था को कोस रहे थे। कोई कह रहा था, 'इलाके में चार साल से अकाल है, लोग चोरी नहीं करे तो क्या करें? लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा तो क्या करेंगे? यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह युवाशक्ति को विनाशगामी होने से रोके। खेतों में अनाज एवं कार्यालयों में नयी भर्ती नहीं होगी तो युवक कहाँ जायेंगे। पढ़े-लिखे मजदूरी भी तो नहीं करते।'एक अन्य इसका दोष कानून व्यवस्था पर मढ़ रहा था। उसका विवेचन भी सटीक था, 'बछड़ा खूंटे के बल पर उछलता है। आजकल चोर-थानेदार मिले हुए हैं। जब पुलिस चोरों की हिफ़ाजत कर रही है तो पब्लिक कहाँ जाये। बाड़ खेत को खाने लगे तो खेतों का क्या होगा?'

तनेजा, गिरीशजी एवं अन्य शुभचिन्तक अब थाने में खड़े थे। थानेदार ने चोर को लॉकअप में डालकर उसे सुरक्षित कर दिया था। इतनी मारपीट में वह भी अधमरा हो चुका था, यहाँ वहाँ से खून बह रहा था। एक कांस्टेबल उसकी मरहमपट्टी में लग गया।

थानेदार राजेन्द्रसिंह को अब एफआईआर लिखनी थी। लकड़ी की कुर्सी के एक हत्थे पर उसका दायाँ बाजू रखा था एवं दूसरे हाथ से वह टेबल पर सागवान का मोटा डण्डा धीरे-धीरे बजा रहा था। उसकी रुआबदार आँखें एवं भीगी मूंछें जानलेवा थी। कमीज की बाँहें कोहनी से ऊपर तक चढ़ी थी। बाजुओं से झांकती मछलियाँ उसके रुआब में इज़ाफ़ा कर रही थी। कुर्सी के पीछे दीवार पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था, 'सत्यमेव जयते'।

थानेदार ने कार्यवाही प्रारंभ की। डण्डा टेबल पर रखकर ड्रॉवर से एक पेपर निकाला, कुछ लिखता उसके पहले तनेजा की ओर घूर कर बोला, 'चोर को तो आपने पहले ही अधमरा कर दिया। आपको कानून हाथ में नहीं लेना चाहिये। सबसे पहले यह बतायें इसे किस-किस ने पीटा है?' उसने तीखी आँखों से सबकी ओर देखा। इतना सुनते ही तनेजा एवं गिरीशजी के अतिरिक्त सभी शुभचिन्तक वहाँ से सरक लिये। अब मात्र दोनों भाई रह गये। तनेजा पुराने चावल थे, इन पैंतरों को खूब समझते थे। उन्हें पता था बिना लिये-दिये थानेदार हिलने वाला नहीं। उन्होंने थानेदार को दस हजार रुपये देने की पेशकश की। करुण नेत्रों से उसकी ओर देखकर बोले, 'मेरी रकम दिलवा दो। मुझे कोर्ट कचहरी नहीं जाना।'

थानेदार फिराक में था, आँखें तरेर कर बोला, 'आप एक सरकारी आदमी को रिश्वत देने का प्रयास कर रहे हैं। इस जुर्म की सजा जानते हैं? केस दर्ज किया तो दो साल जेल की हवा खाओगे।' तनेजा ने रकम और बढ़ायी पर कोई असर नहीं हुआ। आज वह अटल था। उन्होंने हर संभव प्रयास किया पर दाल नहीं गली। गिरीशजी वैसे ही कच्चे थे, उनसे तो बोलते भी नहीं बन रहा था। तनेजा को लगा उन्होंने साँप की बाँबी में हाथ डाल दिया। मेहमानों की भी खबर लेनी थी अन्यथा आधे बिना लिफाफा दिये चलते बनते। हताश दोनों भाइयों ने भी यहाँ से किनारा किया। नमाज़ बख्शाने आये थे, रोजे ग़ले पड़ गये।

उनके जाते ही थानेदार ने चोर की ओर कुटिल मुस्कुराहट के साथ देखा।

चोर अब लॉकअप के बाहर था।

दोनों ने देर रात जमकर शराब पी। नशे में धुत चोर बोला, 'हुजूर! आज आपकी गाड़ी नहीं आती तो लोग मुझे मार डालते।'

'मार कैसे डालते! हमारा भी कुछ ईमान है। जब तुमसे पहले ही फिफ्टी-फिफ्टी तय कर लिया तो तुम्हारी हिफाज़त हमारे जिम्मे ही तो होगी।' थानेदार ने चोर के कन्धे पर हाथ रखकर कहा।

चोर की आंखें चमक उठी।

थाने में अब हँसी के फव्वारे फूट रहे थे।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

इंसान री भूख

खम्मा घणी सा हुकुम आज आँपा बात कर रिया हाँ भूखे इंसान री!...एक कहावत है

'भूखों पेट बण जावें पापी,भूख रो नहीं कोई साथी'... हां हुकुम भूखों इंसान कोई भी हद पार कर सकें... पेट पापी हुवें..इण भूख रे कारण कोई अनाप-शनाप काम करण सूं भी नही घबरावें .. भूख ने अभिशाप बतायों है और आँपा कई जगह भूख रे कारण इंसानों ने लड़ता-झगड़ता देखिया है क्योंकि जण पेट ने भोजन नहीं मिळे तो दम ही निकळ जावें। इण संसार में भूख शांत करण रा कई माध्यम है कोई पशु-पक्षी जानवर पकाने खावे तो कोई प्रकृति सूं मिळण वाळी वस्तुआँ ।

अगर बात करां भूख री तो हुकुम देश री आधी आबादी गरीबी सूं झुंझ री है जिन्हें दो वक्त रो भोजन नसीब नहीं हुवें। भारत मे एड़ा कई लोग है जिका कई कई दिन तक भोजन नहीं कर पावें और जिण दिन भोजन मिळ जावें वो दिन वाणे दिवाली हूँ जावे।

हुकुम कई बार आपा कुड़े रे ढेर सूं जूठन बिनता बच्चा ने देखा और बच्चों री टोळी ने उण अन्न वास्तें झगड़ते भी देखा। पढ़ने री उम्र में रोटी रे फेर में पड़िया है। इण तरह कई बच्चा भीख मांगता, खिलौना बेचता दिखाई देवें। कई बार बड़ा बड़ा सेठ जो खुद ने दानवीर बतावे भण्डारा करें वे भी आपरे चौखट सूं धक्का मारने निकाळ देवे।

भूख सूं लाचार व्यक्ति चोरी, डकैती, खून जेड़ा कर्म करण लाग जावें.. हुकुम पेट री भूख ही एड़ी है जो दुष्कर्म करण ने मजबूर कर देवें।

हुकुम पेट री भूख हुवें ज्यों कई लोगा ने धन री भी भूख हुवें। धन री भूख जण अनावश्यक बढ़ जावें तो इंसान लालची बण जावें और लालच में अंधो हूँ जावें। घणे री चाह में रिश्वतखोरी, भृष्टाचार, हेराफेरी जेड़ा कई समाज विरोधी कार्यों में लिप्त हूँ जावें।

एक भूख और है शरीर री भूख... जो इंसान ने जानवर बणा देवें। कामवासना उण पर एड़ी हावी हूँ जावें कि सही गलत रो अंतर भूल जावें विनो विवेक कुंठित हूँ जावें और मिनख बलात्कार जेड़ा जघन्य अपराध कर बैठे। दूसरों रे साथे खुद रो भी चैन खत्म करें और हवालात री हवा खावणी पड़ जावें।

कई बार हुकुम तन ही भुख रे कारण आपरो शरीर बेंचणों पड़ जावें.. वेश्यावृत्ति रो धंधों मजबूरी में करता जीवन यापन रो सहारों बण जावें।

सब भूख रे साथे एक भूख और है मान-पावण री भूख। हुकुम जो लोग सम्मानीय है वाणे मान स्वतः ही मिल जावें और कई लोगा ने जोड़ तोड़ ने सम्मान पावणों पड़ें.. इण वास्ते दान करें,पत्थर लगावें, भंडारा करवावे ओर भी कई तरीका अपनावें.. कई बार तो बात पर बात आ जावें तो आपरे परिश्रम री कमाई, संपति भी दांव पर लगा देवे।

सारी बातां रो सारांश यो है हुकुम भूख कोई भी हो दुःखदाई है। हर भूख री एक भूख है.. हर एक अपने आपमें मायने राखें पर हुकुम आँपा ज्यादा कुछ नही पर अगर सक्षम हां तो परिवार में मित्रगण में पड़ोस में कोई भूखों न सोवें इतो तो कर सकां.. बाकी रो आपरे आपरे कर्म रे अनुसार भुगतनो ही पड़ें।

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- बैठे है महफ़िल में इसी आस में,
  की वो निगाहे उठाएं तो हम सलाम करे
- देख कर हमें जो उसने मुँह मोड़ लिया
  तसल्ली सी हो गई हमें पहचानते तो हैं
- शीशा कमज़ोर बहुत होता है,
  मगर सच दिखाने से घबराता नहीं है
- समय हर समय को बदल देता है,
  बस समय को थोड़ा समय चाहिए।
- अहंकार में तीन गए धन, वैभव और वंश,
  ना मानो तो देख लो रावण, कौरव ओर कंस।
- ताल्लुक कौन रखता है किसी नाक़ाम व्यक्ति से,
  मिले जो क़ामयाबी तो सारे रिश्ते बोल पड़ते हैं।
- ख़ामोशी से अपनी पहचान बनाते रहो,
  वक़्त खुद बताएगा तुम्हारा नाम क्या है।

कार्टून कौतुक

खुश रहें - खुश रखें

पांच बातें ऐसी हैं जो हमारे जीवन में अशांति और विनाश लेकर आती हैं, इन गलत आचरणों से बचकर ही रहें

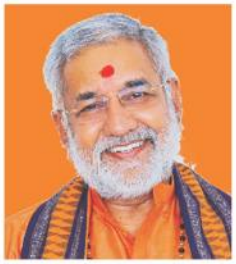

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - महाभारत युद्ध के बाद का प्रसंग है। युद्ध में पांडव विजयी हो गए थे। कुछ सालों तक युधिष्ठिर ही राजा बने रहे। बाद में अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को राजा घोषित कर दिया गया। परीक्षित बहुत बुद्धिमान और धर्म के जानकार थे। एक दिन वे कहीं जा रहे थे, तब उन्होंने देखा कि खेत में एक काला आदमी गाय और बैल को मार रहा है।

परीक्षित ने तीनों से उनका परिचय पूछा। गाय ने कहा कि मैं धरती हूं। बैल ने कहा कि मैं धर्म हूं। गाय और बैल के बाद काला व्यक्ति बोला कि मैं कलियुग हूं। अब मेरे आने का समय हो गया है। मैं आते ही सबसे पहले धरती और धर्म पर प्रहार करता हूं। आप द्वापर युग के अंतिम राजा हैं, तो अब आप कलियुग को यानी मुझे प्रवेश दीजिए।

परीक्षित ने काफी सोचकर कहा कि चार जगहों से तेरा प्रवेश होगा। पहली जगह जहां मदिरा पी जाती हो, दूसरी जहां जुआं खेला जाता हो, तीसरी जहां हिंसा हो और चौथी जहां व्यभिचार होता हो। व्यभिचार यानी जहां पुरुष अपनी स्त्री के होते हुए भी अन्य स्त्री से संबंध रखता है और पति के होते हुए भी महिला किसी अन्य पुरुष से संबंध रखती है। कलियुग ने कहा कि ये चारों रास्ते खराब हैं, मुझे कम से कम एक रास्ता तो अच्छा दीजिए। जहां से मैं सरलता से आ सकूं। तब परीक्षित ने कहा था कि जहां सोना (स्वर्ण) हो, वहां से भी तू प्रवेश कर सकता है।

उस समय लेन-देन की करंसी गोल्ड ही थी। गलत रास्ते से यदि आप आमदनी करेंगे तो भी कलियुग आपके जीवन में आ जाएगा। कलियुग यानी गलत आचरण। आज भी अगर ये पांच स्थान ठीक नहीं हैं, तो कलियुग आता ही है। ये व्यवस्था उस समय परीक्षित ने कर दी थी। जीवन में सुख-शांति चाहते हैं तो नशा, जुआं, हिंसा, व्यभिचार से बचें और गलत तरीके से धन कमाने की कोशिश भी न करें।

सीख - ध्यान दें, कहीं हमारी जिंदगी में भी ये पांच बातें तो नहीं हो रही हैं। अगर इन पांच में से कोई एक बात भी हमारे जीवन में हो रही है तो समय रहते सावधान हो जाएं। वरना गलत आचरण हम करेंगे और इसकी कीमत हमारा परिवार, समाज और राष्ट्र चुकाएगा।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

मैक्सिकन डोसा

सभी बच्चों का एग्जाम पीरियड खत्म हो गया है, और बच्चे घर में रोज का कुछ नया नाश्ते की डिमांड करते हैं। तो चलिए बच्चों के हिसाब से आज बनाते हैं मैक्सिकन डोसा।

स्टाफिंग के लिए: बेक्ड बींस 1 टिन, टमाटर का सॉस पाव कप, टोबेस्को सॉस आधा टीस्पून, लाल मिर्ची पाउडर 1 टीस्पून, नमक, चीनी, काली मिर्ची पाउडर स्वाद अनुसार, क्रीम पाव कप।

अन्य सामग्री: पतली लंबी कटी पत्ता गोभी आधा कप, लंबे मोटे कसी हुई गाजर आधा कप, बारीक कटे हरी प्याज पाव कप, कसा चीज 100 ग्राम, या फिर चीज सॉस एक कप।

विधि: दोसे को बनाकर उससे बेलन की सहायता से (U) का आकार दे दे। फिर उसमें स्टाफिंग की सभी सामग्री मिला कर गरम करेंके भरे, ऊपर से पत्ता गोभी, गाजर और हरी प्याज मिलाएं। डोसे के शेल के अंदर पत्ता गोभी का थोड़ा मिश्रण भरकर उस पर स्टफिंग का मसाला भरें। ऊपर से थोड़ा कसा हुआ चीज या चीज सॉस डालें।

सालसा डीप: 4 टमाटर, 2 प्याज, बारीक कटी शिमला मिर्च, अदरक-लसुन-मिर्च की पेस्ट 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर 1 टीस्पून, जीरा पाउडर 1 टीस्पून ओरेगानो आधा टीस्पून, नमक स्वाद अनुसार, टमाटर का सॉस पाव कप, बारीक कटा धनिया या पार्सली एक चम्मच ।

विधि: 2प्याज और 2 टमाटर को एकदम बारीक काट ले, बचे हुए 2 टमाटर को गैस पर थोड़ा सा भूनकर उसका छिलका उतारकर उसकी पेस्ट बनाले। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें कटा प्याज और टमाटर भूने। फिर उसमें शिमला मिर्च, अदरक मिर्ची डालकर थोड़ा भूने, फिर यह पिसा हुआ टमाटर की पेस्ट डालकर उसमें सारे मसाले डालकर भून लें। गैस बंद करते वक्त टमाटर का सॉस, हरा धनिया या फिर पार्सली मिलाएं। और यहां मैक्सिकन डोसा सालसा डीप के साथ में पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से अप्रैल महीना मिलाजुला परिणाम देने वाला रहेगा। काम का दबाव अधिक रहेगा। तमाम संघर्षों के बावजूद अपने आपको साबित करने का यह बहुत प्यारा अवसर है। आर्थिक दृष्टि से पहला सप्ताह श्रेष्ठ साबित होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पारिवारिक संबंधों में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अतः ध्यान रखें।

वृषभ

कार्य क्षेत्र में अत्यधिक कार्य करना पड़ेगा। सफलता श्रम मांग रही है। विशेषकर महीने के अंतिम 2 सप्ताह में कार्य का दबाव अधिक रहेगा। खर्च अधिक रहेगा एवं अकस्मात खर्चा होने की संभावना है। व्यापार करने वाले जातकों को सोच समझकर निवेश करना चाहिए। पाचन संस्थान संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बाहर का खाना खाने से परहेज करें। जिन जातकों का अभी विवाह नहीं हुआ है, उनके संबंध होने के लिए उपयुक्त समय है।

मिथुन

व्यापार करने वाले एवं नौकरी पेशा जातकों दोनों ही के लिए समय उपयुक्त है। व्यापार में वृद्धि होगी एवं सर्विस करने वाले जातकों के लिए प्रमोशन इत्यादि के अवसर बनेंगे। आर्थिक पहलू में 22 अप्रैल के बाद लाभ होगा। 22 अप्रैल तक खर्च बढ़ा हुआ रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस महीने में कुछ थका हुआ महसूस करेंगे। जिन जातकों का विवाह नहीं हुआ है, उनके संबंधों के एवं विवाह के योग बनेंगे।

कर्क

कार्यक्षेत्र के ऊपर मिश्रित परिणाम आयेंगे। माह के प्रथम 2 सप्ताह संघर्ष रहेगा एवं अंतिम 2 सप्ताह में इच्छित परिणाम आएंगे। आर्थिक दृष्टि से यह महीना आपके लिए ठीक नहीं रहेगा। सोच समझकर खर्च एवं निवेश करें। अपनी आवश्यकताओं को ठीक से पहचाने। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। परिवार में माहौल तनावपूर्ण हो सकता है इसके प्रति सजग रहें।

सिंह

इस महीने आपको कार्यक्षेत्र में आकस्मिक परिस्थितियां एवं परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। नौकरी पेशा जातकों को जूनियर एवं सीनियर दोनों से मतभेद की संभावनाएं अधिक है। कृपया अपने कार्य के प्रति एकाग्र रहें एवं विधि सम्मत तरीके से कार्य करें। महीने के अंत तक इस स्थिति से आप उबर आएंगे। इस महीने आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। आपका रुझान जमीन खरीदी की ओर बढ़ेगा। जो जातक निवेश के व्यवसाय में है, वह अंतिम सप्ताह में इस संबंध में निर्णय लें तो लाभप्रद है। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा किंतु जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या

कॅरियर के लिहाज से शासकीय सेवाओं के जातकों के लिए यह महीना नियम पूर्वक सेवा देने का है। अपने सीनियर का विशेष ध्यान रखें। निजी क्षेत्र में कार्यरत जातक इस महीने स्थानांतरण या नौकरी परिवर्तन में उत्सुक रहेंगे। खर्च बढ़ा हुआ रहेगा। सोच समझकर निर्णय लेवें। 22 अप्रैल के पश्चात स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देवें। विशेष तौर पर पाचन संस्थान से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। खानपान नियमित रखें एवं व्यायाम करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना कुल मिलाकर कार्य क्षेत्र की दृष्टि से उत्तम रहेगा। अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने का मौका मिलेगा। तरक्की के योग बनेंगे। इस महीने आप पुराना कर्ज चुकता कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण अत्यंत सकारात्मक रहेगा। कर्ज और खर्च पर उचित निर्णय आपको लेना पड़ेगा। यदि आप अपनी जीवन चर्या नियमित करते हैं तो कई शारीरिक परेशानियों से स्वतः ही दूर होने का बहुत प्यारा अवसर है।

वृश्चिक

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना 'रुको देखो और आगे बढ़ो' की नीति पर चलने वाला रहेगा। सहकर्मियों /ग्राहकों /व्यापारियों से अनावश्यक बात करने के बजाए काम की बात की जाए तो ज्यादा लाभप्रद रहेगा। आर्थिक दृष्टि से यह महीना कोई नया लाभ लेकर नहीं आ रहा है। जो कर रहे हैं उसे ठीक से करें। पारिवारिक दृष्टि से यह महीना बहुत सहनशीलता से व्यतीत करने का है। परिवार में अनावश्यक बहस करने से बचे। भावुकता से निर्णय न लें।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना व्यापारी एवं नौकरी पेशा दोनों जातकों के लिए अत्यंत उत्तम है। कृपया खूब सोच समझकर सकारात्मकता के साथ इस समय का भरपूर उपयोग करें। जो जातक विदेश जाने की प्लानिंग कर रहे हैं उन्हें भी सफलता इस महीने में मिल सकती है। आर्थिक लिहाज से यह महीना अत्यंत अनुकूल रहेगा। पारिवारिक माहौल अनुकूल सकारात्मक रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मकर

मकर राशि के जातकों के कार्य क्षेत्र में एक लंबे संघर्ष के बाद अनुकूलता आवेगी। कॅरियर में अप्रत्याशित सुधार आऐगा। धन का आगमन तेज रहेगा एवं खर्च भी उसी मात्रा में रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संबंधों के जगत में उतार-चढ़ाव चलेगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। वाहन सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। लंबी यात्रा होगी।

कुम्भ

कॅरियर की दृष्टि से मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। आर्थिक दृष्टि से आपके लिए यह महीना सोच समझकर निर्णय लेने का है। विशेषकर निवेश का व्यवसाय करने वाले जातकों को बहुत सजग रहने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सजग रहने की आवश्यकता है। यात्राओं के दौरान खानपान का विशेष ध्यान रखें। परिवार में उचित तालमेल आवश्यक है। राजकीय पक्ष से अनुकूलता एवं प्रतिकूलता दोनों का सामना करना पड़ेगा।

मीन

मीन राशि के लिए यह महीना आर्थिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक रहने की संभावना है। आय के साथ-साथ खर्च भी उसी अनुपात में होगा। तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। घर में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। परिवार का माहौल सकारात्मक रहेगा। संबंध मधुर रहेंगे। पाचन संस्थान से संबंधित बीमारियां परेशान कर सकती हैं। संतान के कार्य में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को परिश्रम के सुखद परिणाम की प्राप्ति के योग रहेंगे।

॥ जय श्री गणेश ॥

With Best Compliments

Rahul Gandhi
Director

Ramesh Gandhi
Managing Director

Rohit Gandhi
Director

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.

PAPER & BOARD INDENTER & IMPORTOR

The Global Leader of

- Kraft Paper
- Waste Paper
- Duplex Paper
- News Print
- Imported Waste Paper

R.S. Kraft Paper Ltd.

FIBRE IMPEX Pvt. Ltd.

HEAD OFFICE : 504, Suryakrian Complex, Opp. VNIT-1, Bajaj Nagar, Nagpur-10 (India)
Ph. : 0712-2220626, 2242412, 2249685, Fax : 0712-2243248 e-mail : info@rakraftpaper.com

MUMBAI : B-230, Sanjay Building No. 5B, Mittal Estate,
Andheri Kurla Road, Andheri (E) Mumbai-400059
Ph. : 022-42235000 Fax : 022-66915284
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : rakraftpaper.com

BRANCHES : AURANGABAD, HYDERABAD, INDORE, KOLHAPUR, NASIK, PUNE, VAPI

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 April, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com